THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 73 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.12 2080 गुरुवार, 1 जून 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी बोले- कांग्रेस 85 फीसदी कमीशन खाने वाली पार्टी

जब लूट की बात होती है तो वह किसी से भेदभाव नहीं करती

अजमेर, 31 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में भाजपा का चुनावी अभियान शुरू किया। अजमेर में चुनावी सभा में उन्होंने कहा- कांग्रेस विकास की योजनाओं में 85 फीसदी कमीशन खाने वाली पार्टी है। कांग्रेस लूटने में किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। गरीब हो, वंचित हो, आदिवासी हो, दलित हो, अल्पसंख्यक हो, सबको समान भाव से लूटती है।

कांग्रेस ने करोड़ों महिलाओं और बच्चों के साथ खिलवाड़ किया। जब कांग्रेस की सरकार थी तब देश में टीकाकरण का दायरा 60% ही पहुंच पाया। तब 100 में 40 महिलाएं और बच्चे ऐसे होते थे, जिनको जीवनरक्षक टीके नहीं लग पाते थे। यदि अभी कांग्रेस सरकार होती तो कोरोना का टीका सबको लगाने में 40 साल लग जाते।

ये नवनिर्माण का दौर चल रहा है। 2014 से पहले पूरे देश में जनता भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़क पर उतरी हुई थी। बड़े शहरों में आए दिन आतंकी हमले होते थे, सीमा पर कांग्रेस सरकार सड़कें बनाने से डरती थी। केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने के मौके पर भाजपा के महाजनसंपर्क अभियान की शुरुआत अजमेर से की गई है।

कांग्रेस की गारंटी विश्वासघात

मोदी ने कहा कांग्रेस की गारंटी देने की आदत पुरानी है। उन्होंने 50 साल पहले ही गरीबी हटाने की गारंटी दी थी, यह देश के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात था। अब दुनिया के एक्सपर्ट कह रहे हैं कि भारत अतिगरीबी को समाप्त करने के बहुत निकट है। राजस्थान में लाखों महिलाओं और बच्चों को बचाने का काम बीजेपी सरकार ने किया। 2014 तक 18 करोड़ ऐसे परिवार थे, जब पाइप से पानी का कनेक्शन नहीं था। हमने पूरे देश में 90 करोड़ लोगों तक नल-जल कनेक्शन पहुंचाया है। यदि कांग्रेस की सरकार होती तो यह काम करने में 20 साल और लग जाते। कांग्रेस ने वीरों की धरती और यहां के वीरों के साथ हमेशा धोखा किया है। कांग्रेस ही है जो चार दशक तक वन रैंक वन पेंशन के नाम पर सैनिकों के साथ विश्वासघात करती रही है। भाजपा सरकार न होती तो यह फायदा किसी को नहीं मिलता।

यह भारत का दशक, भारत की सदी

ये भारत के ही लोग है, जिनकी वजह से दुनिया कह रही है यह भारत का दशक है भारत की सदी है। भारत की यह कामयाबी कुछ लोगों को पच नहीं रही है। तीन दिन पहले देश को नया संसद भवन मिला। लेकिन कांग्रेस और इसके जैसे कुछ दलों ने इस पर भी राजनीति का कीचड़ उछाला।

कांग्रेस ने किसानों का कर्जमाफ नहीं किया

कांग्रेस ने 10 दिन में किसानों का कर्जमाफ करने की गारंटी दी थी। 2018 से राजस्थान में सरकार में हैं, आज तक गारंटी पूरी नहीं हुई। ये जो गारंटी देते हैं, उसे यदि अमल में लाया जाए तो दिवाला निकल जाए, इसलिए राजस्थान को कांग्रेस से सावधान रहने की जरूरत है।

मंच के पोस्टर में वसुंधरा राजे को मिली जगह

मोदी की सभा वाले मंच पर पोस्टर में वसुंधरा राजे को भी जगह दी गई है। उनके अलावा सीपी जोशी व राजेंद्र राठौड़ के चेहरे पोस्टर पर हैं। पोस्टर के दूसरे सिरे पर पीएम मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की तस्वीर लगाई गई थी।

पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर में मोदी ने पूजा की

अजमेर, 31 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अजमेर के पुष्कर स्थित ब्रह्मा मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना की। ब्रह्मा मंदिर के पुजारियों ने उनका साफा पहनाकर स्वागत किया। मोदी ने यहां आरती और परिक्रमा करने के बाद मंदिर के बारे में पुजारियों से बातचीत भी की। इससे पहले किशनगढ़ एयरपोर्ट पर राज्यपाल कलराज मिश्र और शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पुष्कर पहुंचे तो उनके साथ राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी भी थे। तिवाड़ी के मोदी के साथ होने के भी कई सियासी मतलब निकाले जा रहे हैं। बीजेपी में अंदरखाने भी इसकी खासी चर्चा है।

अमेरिका में राहुल गांधी के सामने खालिस्तानी नारे लगे

भारत, कांग्रेस और इंदिरा गांधी विरोधी नारेबाजी; राहुल ने बंद किया भाषण

सैन फ्रैंसिस्को, 31 मई (एजेंसियां)। 6 दिन के अमेरिका दौरे पर गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को सैन फ्रैंसिस्को में भारतीयों के बीच स्पीच दी। इस दौरान कुछ खालिस्तान समर्थकों ने भारत, कांग्रेस और इंदिरा गांधी विरोधी नारेबाजी की और खालिस्तान के झंडे लहराए। राहुल को काफी देर तक भाषण रोकना पड़ा। बाद में इन खालिस्तान समर्थकों को पुलिस ने बाहर निकाल दिया। राहुल ने स्पीच में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और आरएसएस पर तंज कसे। कहा- मोदी तो भगवान को भी दुनिया चलाना सिखा देंगे, भगवान भी चौंक जाएंगे कि ये मैंने क्या बना दिया।

2 घंटे क्लियरेंस का इंतजार

राहुल मंगलवार शाम अमेरिका पहुंचे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने उन्हें रिसीव किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल को इमिग्रेशन क्लियरेंस के लिए एयरपोर्ट पर 2 घंटे इंतजार करना पड़ा। बाद में कहा- मैं अब आम आदमी हूं, सांसद नहीं हूं।

खालिस्तानियों का हंगामा

सैन फ्रांसिस्को में जब राहुल भाषण दे रहे थे तभी खालिस्तान समर्थकों ने नारेबाजी की। खालिस्तान के झंडे लहराए। राहुल के सामने भारत, इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद राहुल ने भाषण रोक दिया। बार-बार मोहब्बत की दुकान, मोहब्बत की दुकान... कहते रहे। राहुल के प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन के जरिए सीटें बुक की गईं थीं। खालिस्तान समर्थक रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही अंदर पहुंचे। झंडे उन्होंने जेब में छिपा रखे थे। राहुल का भाषण शुरू होने के कुछ देर बाद ये लोग नारेबाजी करने लगे।

खालिस्तान समर्थक और प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल के प्रोग्राम में हुए हंगामे की जिम्मेदारी ली है। पन्नू ने सोशल मीडिया पर कहा- राहुल गांधी जहां-जहां जाएंगे, उनका इसी तरह विरोध किया जाएगा। 22 जून को व्हाइट हाउस आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी विरोध किया जाएगा।

राहुल ने कहा- बीजेपी और आरएसएस के लोग भारत की विविधता के लिए खतरा हैं।

भारतीयों से बात की

राहुल गांधी ने कहा, मैंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल मार्च शुरू किया। यात्रा के दौरान हम जान रहे थे कि राजनीति में किन चीजों का इस्तेमाल होता है। इस तरह की बातचीत और पब्लिक मीटिंग काम नहीं आ रही थीं। सभी चीजें, जिनकी हमें राजनीति में जरूरत थी, उन्हें भाजपा और संघ ने कंट्रोल कर रखा था। लोगों को डराया जा रहा था, एजेंसी का इस्तेमाल किया जा रहा था। हमें राजनीति करने में मुश्किल आ रही थी। ऐसे में हमने श्रीनगर तक यात्रा का फैसला किया।

उन्होंने कहा, "जब हमने शुरुआत की, मुझे लगा कि देखेंगे क्या होता है। 5-6 दिन बाद लगा कि 4000 किमी की यात्रा आसान नहीं है। पुरानी घुटने की चोट भी उभर आई। मुझे चलने में बहुत दर्द होने लगा। अचानक कुछ बहुत चौंकाने वाला हुआ। मुझे अहसास हुआ कि 25 किमी यात्रा के बाद मुझे थकान नहीं महसूस होती थी। 6 बजे सुबह हम उठते थे और शाम 7-8 तक चलते थे और मुझे कोई थकान नहीं होती थी।

राहुल बोले, भारत जोड़ो के दौरान मुझे अहसास हुआ कि देश में क्या चल रहा है। मैं नहीं चल रहा था, भारत मेरे साथ चल रहा था। सभी धर्मों और समुदायों के लोग आ रहे थे, बच्चे आ रहे थे। ऐसा प्यार का महौल बन रहा था कि किसी को थकान नहीं हो रही थी।

>14

भारत के वॉरशिप पर पहली बार रोमियो हेलिकॉप्टर की लैंडिंग

मोस्ट एडवांस्ड मिलिट्री चॉपर यूएस से खरीदा गया, नेवी ने कहा- ये मील का पत्थर

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। इंडियन नेवी ने आईएनएस विक्रांत पर मोस्ट एडवांस्ड मिलिट्री चॉपर उतारा है। इसे एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर के नाम से जाना जाता है। नेवी पहले सी किंग चॉपर का इस्तेमाल करती थी। अब इसकी जगह रोमियो का इस्तेमाल किया जाएगा। नेवी ने विक्रांत पर रोमियो के लैंडिंग का वीडियो ट्वीट किया है। कैप्शन में लिखा कि हमारे लिए ये हेलीकॉप्टर मील का पत्थर है।

ट्रंप के कार्यकाल के दौरान एमएच-60 रोमियो को खरीदा गया

एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर को अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने बनाया है। भारत ने 24 हेलीकॉप्टर 90.5 करोड़ डॉलर में खरीदे थे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे के समय मोदी सरकार ने इन्हें खरीदने के लिए सौदे पर हस्ताक्षर किए थे। जुलाई 2022 में अमेरिका ने दो एमएच-60 भारत को सौंपे थे। लॉकहीड मार्टिन ने दावा किया है कि सभी 24 हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी 2025 तक पूरी हो जाएगी।

12 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है एमएच-60

एमएच-60 पर कई ऐसे सेंसर और रडार लगे हैं, जो दुश्मन के हर हमले की जानकारी देते हैं। इसे उड़ाने के लिए 3 से 4 क्रू मेंबर्स की जरूरत होती है। इसमें दो जनरल इलेक्ट्रिक के टर्बोशैफ्ट इंजन लगे हैं, जो टेकऑफ के समय 1410x2 किलोवॉट की ताकत पैदा करते हैं। यह एक बार 830 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। यह 12 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान सकता है। एमएच-60R हेलिकॉप्टर को उड़ाने के लिए 3 से 4 क्रू मेंबर्स की जरूरत होती है।

दुनियाभर में रोमियो के नाम से मशहूर

रोमियो के नाम से मशहूर एमएच-60R सीहॉक हेलिकॉप्टर एंटी-सबमरीन के अलावा निगरानी, सूचना, टारगेट सर्च और बचाव, गनफायर और लॉजिस्टिक सपोर्ट में कारगर है।

ओवैसी बोले- ओल्ड सिटी में नहीं दम है तो चीन पर करें सर्जिकल स्ट्राइक

संगारेड्डी, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को तेलंगाना के आदिलाबाद में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा और गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने तीखा हमला किया कि वो बोलते हैं ओल्ड सिटी में सर्जिकल स्ट्राइक करेंगे। अगर दम है तो चीन पर सर्जिकल स्ट्राइक करो। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिरों के लिए करोड़ों रुपये मंजूर किए गए और वह (अमित शाह) कहते हैं कि स्टीयरिंग मेरे हाथ में है। स्टेयरिंग मेरे हाथ में है तो दर्द क्यों होता है? उनका कहना है कि पुराने शहर में सर्जिकल स्ट्राइक की जाएगी। दम है तो चीन पर सर्जिकल स्ट्राइक करो।

इससे पहले, 23 अप्रैल को, कर्नाटक के चेवेल्ला में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए अमित शाह ने असदुद्दीन ओवैसी और केसीआर के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया था।

अमित शाह कूकी समुदाय के संगठनों से मिले, कहा- जल्द बहाल होगी शांति

इंफाल, 31 मई (एजेंसियां)। हिंसा प्रभावित मणिपुर में गृह मंत्री अमित शाह का आज तीसरा दिन था। शाह आज सुबह म्यांमार बॉर्डर से लगे मोरेह शहर पहुंचे। उन्होंने यहां कूकी समुदाय के संगठनों के साथ बैठक की। शाह ने कहा कि मणिपुर में जल्द शांति बहाल होगी। इसके लिए प्रयास जारी है। शाम को वे वापस इंफाल पहुंच कर सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक की। मंगलवार को उन्होंने मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया।

सुरक्षाकर्मियों के साथ बैठक में शाह ने कहा, मणिपुर की शांति और समृद्धि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और अधिकारियों को राज्य की शांति को भंग करने वाली किसी भी गतिविधि से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया।

29 मई को मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचते ही अमित शाह ने सबसे पहले मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मीटिंग की। इस बैठक में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ तपन डेका मौजूद थे।

शाह ने हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए की सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की है। उन्होंने राज्य में राशन और तेल जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई को बेहतर करने के निर्देश दिए हैं।

मणिपुर में 3 मई से हिंसा जारी है। राजधानी इंफाल से लगे सेरो और सुगनू इलाके में रविवार को हिंसक झड़प हुई थी। इसमें 1 पुलिसकर्मी समेत 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हुए हैं। राज्य में हिंसा के चलते अब तक करीब 80 लोगों की जान गई है।

ताजा हिंसा के बाद सेना और असम राइफल्स ने 28 मई को एक बड़ा रेस्क्यू अभियान चलाया। जिसमें कुकी जनजाति और मेइती समुदाय के ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की। सेना और अर्धसैनिक बलों ने पुलिस, राज्य प्रशासन और नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर सेरो से मैतेई समुदाय के लगभग 2,000 ग्रामीणों को निकाला और उन्हें पंगलताबी राहत शिविर ले गए। इसी तरह कुकी जनजाति के लगभग 328 ग्रामीणों को सुरक्षित रूप से सुगनू से साजिक तंपक पहुंचाया गया।

मणिपुर में हालिया हिंसा का कारण मैतेई आरक्षण को माना जा सकता है। पिछले साल अगस्त में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार ने चूराचांदपुर के वनक्षेत्र में बसे नगा और कुकी जनजाति को घुसपैठिए बताते हुए वहां से निकालने के आदेश दिए थे। इससे नगा-कुकी नाराज चल रहे थे। मैतेई हिंदू धर्मावलंबी हैं, जबकि एसटी वर्ग के अधिकांश नगा और कुकी ईसाई धर्म को मानने वाले हैं।

ज्ञानवापी केस : पूजा मामले में मुस्लिम पक्ष की अर्जी खारिज

प्रयागराज, 31 मई (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर में श्रृंगार गौरी सहित अन्य देवी देवताओं की नियमित पूजा किए जाने के मामले में मुस्लिम पक्ष की अर्जी खारिज खारिज कर दी गई है। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित शृंगार गौरी की नियमित पूजा के अधिकार मामले में दोनों पक्षों की लंबी बहस के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी, वाराणसी की ओर से दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर दिया था।राखी सिंह तथा नौ अन्य महिलाओं ने पूजा के अधिकार को लेकर वाराणसी की जिला अदालत में सिविल वाद दायर किया है।

अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी, वाराणसी ने वाद की पोषणीयता पर आपत्ति करते हुए अर्जी दाखिल की है कि कोर्ट को प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट 1991 के उपबंधों के तहत अदालत को वाद सुनने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कमेटी की अर्जी खारिज कर दी, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी, जहीर असगर, फातिमा अंजुम तथा विपक्षियों की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन, विष्णु जैन, प्रदीप शर्मा, सौरभ तिवारी, प्रभाष पांडेय, विनीत संकल्प, अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी, मुख्य स्थायी अधिवक्ता बिपिन बिहारी पांडेय ने बहस की। याची के अधिवक्ता नकवी का तर्क था कि उपासना स्थल अधिनियम से नियमित पूजा प्रतिबंधित है क्योंकि, पूजा से स्थल की धार्मिक प्रकृति से छेड़छाड़ होगी, जो कानूनन नहीं किया जा सकता। इसलिए यहां नियमित पूजा की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

40 मेडिकल कॉलेजों की मान्यता खत्म

नेशनल मेडिकल कमीशन के तय स्टेंडर्ड्स फॉलो नहीं करने पर एक्शन, सौ और कॉलेजों पर खतरा

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के तय किए गए स्टेंडर्ड्स का पालन नहीं करने पर पिछले दो महीनों में देश के करीब 40 मेडिकल कॉलेज मान्यता गंवा चुके हैं। तमिलनाडु, गुजरात, असम, पंजाब, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में करीब 100 और मेडिकल कॉलेजों पर भी ऐसी ही कार्रवाई की जा सकती है।

इस तरह की खामियां सामने आईं

एनएमसी ने एक महीने से अधिक समय तक किए गए निरीक्षण के दौरान इन मेडिकल कॉलेजों में कई खामियां पाईं गई। सीसीटीवी कैमरे, आधार से जुड़ी बायोमेट्रिक एटेंडेंस प्रोसेस और फैकल्टी रोल में खामियां मिली हैं। ये कॉलेज सही कैमरा लगाने और

उनके कामकाज सहित अन्य स्टेंडर्ड्स फॉलो नहीं कर रहे थे। बायोमेट्रिक सुविधा ठीक नहीं थी। कई डिपार्टमेंट्स में फैकल्टी पोजिशन की पोस्ट खाली मिलीं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 के बाद से मेडिकल कॉलेजों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने फरवरी में राज्यसभा को बताया था कि देश में 2014 में 387 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन अब 69 प्रतिशत इजाफे के साथ इनकी संख्या 654 हो चुकी है। इसके अलावा, एमबीबीएस सीटों में 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जो वर्ष 2014 के पहले की 51,348 सीट से बढ़कर अब 99,763 हो गई हैं। पीजी सीटों में 10% प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो साल 2014 से पहले की 31,185 सीट से बढ़कर अब 64,559 हो गईं हैं। देश में अब 22 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान हैं (एम्स) हैं जिनकी संख्या 2014 में सात थी।

30 दिन के भीतर अपील कर सकते हैं

सूत्रों ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के पास अपील करने का विकल्प है। एनएमसी में 30 दिनों के भीतर पहली अपील की जा सकती है। अगर अपील खारिज होती है तो वे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से संपर्क कर सकते हैं। दिसंबर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मेडिकल कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी जो नियमों का पालन नहीं करते हैं या उचित फैकल्टी नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा था कि हमें स्टूडेंट्स को क्वालिटी एजुकेशन देना है, हमें अच्छे डॉक्टर तैयार करने हैं।

डॉक्टर्स की संख्या बढ़ाने के लिए कोशिश

राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा था कि देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार ने पहले मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाई और इसके बाद एमबीबीएस की सीटें बढ़ाई हैं। देश में मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों और उठाए गए कदमों में जिला/रेफरल अस्पतालों को अपग्रेड करके नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए एक केंद्र सरकार की योजना शामिल है।

>14

बैंक के मैनेजर ने किया 93 लाख रुपये का गबन

राजगढ़, 31 मई (एजेंसियां)। मप्र के राजगढ़ की आईसीआईसीआई बैंक में तत्कालीन मैनेजर ने फर्जी ओवरड्राफ्ट खाता बनाकर किसानों के 93.86 लाख रुपये का गबन किया है। मामला सामने आते ही मैनेजर की पत्नी ने कोतवाली पुलिस थाने में गुमशुदगी का आवेदन दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। राजगढ़ जिले में मोहनपुरा डैम के डूब क्षेत्र में आई जमीन के बदले में किसानों को अरबों रुपये का मुआवजा मिला था। यह राशि किसानों ने जिले के आईसीआईसीआई समेत अन्य बैंकों में फिक्स डिपॉजिट कराई थी। आईसीआईसीआई बैंक की राजगढ़ शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक हनुमंत मेवाड़े ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर किसानों के मुआवजे की राशि पर ही हाथ साफ कर दिया। किसान एफडी की राशि लेने पहुंचे तो गोलमोल जवाब देकर उन्हें वापस भेज दिया। किसानों का जब सब्र टूटने लगा तो उन्होंने हंगामा किया। उसी दौरान हनुमंत मेवाड़े भी गायब हो गया। उसकी पत्नी ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी का लिखित आवेदन दिया। पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। कोतवाली थाने में मेवाड़े के साथ ही दो अन्य लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी, गबन व कूटरचित दस्तावेज तैयार करने सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है। कोतवाली थाना प्रभारी उमेश यादव ने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक हनुमंत मेवाड़े और उसके सहयोगी मान सिंह और तपन मोरी ने किसानों की एफडी की राशि के आधार पर ओवरड्राफ्ट लिया। 93.86 लाख रुपये का गबन कर लिया।

तीनों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420, 409, 467, 468, 471 व 120-बी के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामला सामने आने पर कलेक्टर के निर्देश पर जांच टीम बनाई गई थी। राजगढ़ की एसडीएम जूही गर्ग के नेतृत्व में की गई जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए। किसानों की एफडी की राशइ पर फर्जी ओवरड्राफ्ट अकाउंट बनाए गए। इन खातों से लाखों रुपये निकाले गए। मेवाड़े पर बैंक में नकली सोना जमा कर गोल्ड लोन लेने का आरोप भी है।

कमिश्नर से कांस्टेबल पद पर डिमोटेड

देवेंद्र फडणवीस पर संजय राउत का कटाक्ष

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है. राउत ने फडणवीस को असंतुष्ट नेता बताया हैं. बता दें कि डिप्टी सीएम ने हाल में ही राउत को असंतुष्ट कहा था. जिसपर पलटवार करते हुए राउत ने फडणवीस पर तंज कसा है. संजय राउत ने कहा, जाओ और देवेंद्र फडणवीस से पूछो कि वह कितने संतुष्ट हैं. वह मुख्यमंत्री बनने जा रहे थे, लेकिन उन्हें पद की शपथ लेने से रोक दिया गया और उन्हें राजनीति में उनके जूनियर का डिप्टी बना दिया गया. क्या ऐसा आदमी संतुष्ट हो सकता है? नहीं, उन्हें कमिश्नर से एक कांस्टेबल पद पर डिमोट कर दिया गया. राज्यसभा सांसद ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एक दुखी व्यक्ति हैं. संजय राउत ने कहा, फडणवीस जी ऐसे आदमी हैं, जो खुद असंतुष्ट हैं, तो दूसरे की संतुष्टि के बारे में क्या कह सकते हैं? उनके चेहरे को देखो वह एक उदास आदमी है. संजय राउत ने आगे कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में उनकी पार्टी का हर नेता संतुष्ट है. उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि हमारी पार्टी में क्या चल रहा है. जो लोग जाना चाहते थे, वे चले गए. अब वे जहां भी गए हैं, उन्हें शांति से रहना चाहिए. हम अपनी पार्टी में खुश हैं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में संतुष्ट हैं. इससे पहले फडणवीस ने कहा कि पूरा ठाकरे गुट असंतुष्ट है.

दिग्विजय सिंह ने नई संसद की तुलना

सोमालिया की पार्लियामेंट से कर डाली

भोपाल, 31 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 मई को देश की नई संसद भवन का उद्घाटन किया. राष्ट्रपति से उद्घाटन कराने की मांग को लेकर तमाम विपक्षी पार्टियों ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया था. इस बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने नई संसद भवन को लेकर ट्वीट के जरिये मोदी सरकार पर निशाना साधा है. जवाहर ने कहा कि अफ्रीकी देश सोमालिया की पुरानी संसद से नई संसद को कॉपी किया गया है. वहीं, दिग्विजय ने इसकी डिजाइन को कॉपी कैट कहा है.

टीएमसी के सांसद का ट्वीट

जवाहर सरकार ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से दो फोटोज शेयर की हैं. इनमें पहली फोटो सोमालिया की पुरानी संसद और दूसरी फोटो भारत की नई संसद की है. ट्वीट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि सोमालिया की खारिज पुरानी संसद नए भारत की प्रेरणा! गुजरात से मोदी के पालतू वास्तुकार, जो हमेशा 'प्रतिस्पर्धी बोली' के माध्यम से मोदी के मेगा अनुबंध प्राप्त करते हैं, (अहमदाबाद, वाराणसी, दिल्ली की संसद + सेंट्रल विस्टा में) सोमालिया के डिजाइन की नकल करने के लिए हमसे 230 करोड़ रुपये वसूले!

दिग्विजय का ट्वीट

जवाहर सरकार के ट्वीट को कोट करते हुए दिग्विजय सिंह ने लिखा कि जवाहर सरकार को फुल मार्क्स. क्या आप इस पर विश्वास कर सकते हैं कि सोमालिया की रिजेक्ट की गई संसद बिल्डिंग हमारे पीएम नरेंद्र मोदी की प्रेरणा है. पीएमओ कृपया अपने कॉपी कैट आर्किटेक्ट से 230 करोड़ रुपये की वसूली करें. इस ट्वीट में दिग्विजय सिंह ने जवाहर सरकार, पीएम मोदी, पीएमओ इंडिया, बीजेपी और कांग्रेस को मेंशन किया है. गौरतलब है कि नई संसद भवन के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि हर देश की विकास यात्रा में कुछ पल ऐसे आते हैं जो हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं. कुछ तारीखें, समय के ललाट पर इतिहास का अमिट हस्ताक्षर बन जाती है. 28 मई 2023 का यह दिन ऐसा ही शुभ दिन है. देश आजादी के 75 साल होने पर अमृत महोत्सव मना रहा है,

सेना ने आपातकालीन अभियानों के लिए

ध्रुव हेलीकॉप्टर के उड़ान को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। सेना ने सीमित और आपातकालीन अभियानों के लिये ध्रुव हेलीकॉप्टर के उड़ान को मंजूरी दे दी है. यहां वही हेलीकॉप्टर उड़ान भर सकेंगे जिसको पूरी तरह से चेक कर लिया गया है और उसे उड़ान के लिये सही पाया गया है. सेना ने देश में बने ध्रुव हेलीकॉप्टर पर रोक तब लगाई थी जब दो महीने के भीतर इस हेलीकॉप्टर के तीन हादसे हो गए थे. 4 मई को जम्मू के किश्तवाड़ में हुए हादसे में एक तकनीकी सैनिक की मौत हो गई थी और फ्लाई करते हुए दोनों पायलट घायल हो गए थे. इसके बाद ही ध्रुव के उड़ान पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी गई थी. इससे पहले 8 मार्च को मुम्बई के तट पर अरब सागर के पास ध्रुव की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी और फिर 26 मार्च को केरल के कोच्चि में भी कास्टगार्ड के ध्रुव हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी. इसके बाद ही इन हेलीकॉप्टर में सेफ्टी के मुद्दे को काफी गंभीरता से लिया गया. दो इंजन वाले इस हेलीकॉप्टर का डिज़ाइन और निर्माण हिंदुस्तान एरोनॉटिकस लिमिटेड ने किया है. फिलहाल थल सेना के पास करीब 145, वायुसेना के पास 70, नौसेना के पास 18 और तटरक्षक बल के पास 20 ध्रुव हेलीकॉप्टर हैं.

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी बोलीं

'क्या बबीता फोगाट अपने परिवार का शोषण करने वालों के साथ बैठेंगी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महीने भर से आंदोलन कर रहे पहलवानों ने गंगा में मेडल बहाने का फैसला किया था. ये प्रदर्शनकारी पहलवान मंगलवार (30 मई) को मेडल लेकर हरिद्वार पहुंचे थे. जिन्हें भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत ने समझाकर वापस लौटा दिया है. टिकैत ने पहलवानों से अपना फैसला पांच दिन के लिए टालने को कहा है. इसी बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को पूछा कि बबीता फोगाट प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन क्यों नहीं कर रही हैं, जो उनके परिवार की सदस्य हैं.

'बबीता फोगाट जी से मेरी बातचीत हुई'

एक इंटरव्यू में स्मृति ईरानी ने कहा कि 'बबीता फोगाट जी से मेरी बातचीत हुई. क्या आपको लगता है कि बबीता फोगाट जैसी विश्व प्रसिद्ध पहलवान उन लोगों के साथ बैठेंगी जिन्होंने दूसरों का और खासकर उनके परिवार के सदस्यों का शोषण किया? मुद्दा यह नहीं है कि पहलवानों ने क्यों कहा कि वे अपने पदक शाम छह बजे विसर्जित करेंगे और रात आठ बजे तक ऐसा नहीं किया. कानूनों की जानकारी रखने वालों को पता है कि कानूनी प्रक्रिया चल रही है. उन्होंने कहा कि अगर अब कोई हस्तक्षेप होता है तो वह उन महिलाओं के खिलाफ जाएगा. ईरानी ने कहा कि मैं जानना चाहती हूं कि विपक्ष के नेता इन पहलवानों को निष्पक्ष जांच से क्यों वंचित रखना चाहते हैं. क्या आपको लगता है कि बबीता फोगाट ऐसे ही अपने घरवालों के खिलाफ खड़ी होंगी?

राजनीतिक है पहलवानों का विरोध

एक अन्य इंटरव्यू में स्मृति ईरानी ने कहा कि पहलवानों के विरोध का मुद्दा बिल्कुल राजनीतिक है. एक सांसद और एक महिला के रूप में, मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि कांग्रेस को अमेठी की सुधा सिंह के बारे में पता नहीं था, जिन्हें 2021 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था. कांग्रेस परिवार इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने से बाज आए तो बेहतर होगा, लेकिन यह उनकी आदत है और वे करेंगे. एक महिला होने के नाते मैं फिर से कह रही हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की है और इसलिए मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगी.

सुप्रिया श्रीनेत ने किया ट्वीट

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने स्मृति ईरानी की प्रतिक्रिया की निंदा की. उन्होंने पूछा कि क्या केंद्रीय मंत्री ने अपनी टिप्पणी के माध्यम से महिला पहलवानों पर पुलिस कार्रवाई का समर्थन किया है. श्रीनेत ने ट्वीट किया इसका जवाब देने से पहले ये मत भूलिए कि आप भी एक बेटी की मां हैं. क्या आप इन बेतुके जवाबों के बाद अपनी बेटी से आंख मिला सकते हैं?

बबीता फोगाट ने बनाई दूरी

जंतर-मंतर पर शुरू हुए पहलवानों के विरोध के दूसरे चरण में बीजेपी सांसद और पूर्व पहलवान बबीता फोगाट दूर नजर आईं. जबकि इस साल की शुरुआत में हुए पहले चरण में बबीता ने सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच मध्यस्थ का काम किया. बबीता ने विरोध स्थल पर प्रियंका गांधी वाड्रा की उपस्थिति का विरोध किया. उन्होंने बताया कि प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह पर खुद एक दलित महिला का अपमान करने का आरोप लगाया गया था.

हिसार में ट्रक में घुसी क्रूजर और बाइक

हांसी में दिल्ली रोड पर एक्सीडेंट; 5 की मौत, महिला गंभीर घायल; 2 मरने वाले रोहतक के

हांसी, 31 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले में बुधवार सुबह सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा हांसी में दिल्ली रोड पर बने ढाणा बाइपास पर अनिलपुरा से हांसी के बीच हुआ। एक ट्रक में क्रूजर कार और बाइक दोनों घुस गई। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है, जिसे पहले नागरिक हॉस्पिटल हांसी में लाया गया, जहां से उसे हिसार रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। वहीं 5 मृतकों में से अभी तक 2 लोगों की पहचान हो पाई है, जिसमे संदीप और प्रदीप निवासी खरकड़ा गांव जिला रोहतक के रूप में हुई है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 26 हफ्ते के भ्रूण का गर्भपात कराने को दी मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए एक महिला को 26 हफ्ते के भ्रूण का गर्भपात कराने की इजाजत दे दी. हाईकोर्ट ने महिला को ये मंजूरी सोमवार (29 मई) को सुनवाई के बाद दी. महिला ने हाईकोर्ट को बताया था कि भ्रूण में माइक्रोसेफली नाम की बीमारी के लक्षण हैं, जिसमें बच्चे का सिर अन्य नवजातों की अपेक्षा छोटा होता है. जस्टिस रमेश धानुका और जस्टिस गिरीश कुलकर्णी की बेंच ने शादीशुदा महिला की ओर से दायर याचिका पर ये आदेश जारी किया. महिला ने प्रेगनेंसी के 24 हफ्ते बीत जाने के बाद गर्भपात के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. भारत में भ्रूण के 24 हफ्तों होने के बाद गर्भपात कराने की इजाजत नहीं है. ये अपराध की श्रेणी में आता है.

महिला ने पेश की थी मेडिकल रिपोर्ट

बॉम्बे हाईकोर्ट ने ये आदेश महिला की ओर से मेडिकल रिपोर्ट पेश करने के बाद दिया. इन रिपोर्ट्स में डायग्नोस्टिक सेंटर और जसलोक अस्पताल की मेडिकल जांच शामिल थी. इन रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भ्रूण में माइक्रोसेफली के लक्षण हैं, जो बच्चे के न्यूरोलॉजिकल विकास समेत कई आसामान्य चीजों का कारण बन सकता है.

हाईकोर्ट ने बनाया था मेडिकल बोर्ड

हाईकोर्ट की ओर से बनाए गए जेजे अस्पताल के एक मेडिकल बोर्ड ने 26 मई को बताया कि यह गर्भपात के लिए एक सही मामला है. हाईकोर्ट ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के सितंबर 2022 में दिए गए एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि जन्म देने के मामले में हर प्रेगनेंट महिला को गर्भपात को चुनने का अधिकार है.

महिला को मिली गर्भपात की इजाजत

हाईकोर्ट ने कहा कि जेजे अस्पताल के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट और हालातों के मद्देनजर हम इसे गर्भपात के के लिए सही मामला मानते हैं. याचिकाकर्ता को गर्भपात की मंजूरी दी जाती है. महिला के वकील की ओर से जेजे अस्पताल में ही गर्भपात कराए जाने की मांग को भी स्वीकार कर लिया.

14 साल की लड़की से अधेड़ पड़ोसी ने रेप

पलवल/फरीदाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में 14 साल की बच्ची से अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने दुष्कर्म किया और पुलिस को शिकायत करने पर परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी। महिला थाना पुलिस ने किशोरी के पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म करके, धमकी देने के आरोप में केस दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला थाना प्रभारी सुशीला के अनुसार, भरतपुर (राजस्थान) हाल मुंडकटी थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि वह फरीदाबाद में मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का लालन-पालन करता है। वह और उसकी पत्नी दिन में काम पर चले गए तो घर पर उसकी 14 वर्षीय बेटी अकेली थी। वहीं पड़ोस में रहने वाला करीब 50 वर्षीय उमरी उर्फ शमसू घर आया। व

कई परीक्षाओं के बाद होता है दलाई लामा का चयन, सालों तक होती है खोज

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। यूं तो पूरी दुनिया में कई धर्म, संस्कृति और परंपराएं हैं, लेकिन इंसानों द्वारा बनाई गई इन तमाम रीति–रिवाजों और आस्थाओं का एक ही मकसद है...और वो है मानवता, शांति और भाईचारा। भगवान गौतम बुद्ध से शुरू हुए इन्हीं धर्मों में से एक बौद्ध धर्म के अनुयायी आज पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध के बाद सबसे ऊंचा अगर किसी का स्थान होता है तो वो होता है 'दलाई लामा' का। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को अपने भगवान के रूप में देखते हैं। दलाई लामा तिब्बती बौद्धों के अध्यात्मिक, धार्मिक और राजनीतिक गुरु होते हैं। तिब्बती बौद्धों में दलाई लामा का चुनाव करने के लिए एक लंबी और गौरवशाली परंपरा रही है। कैसे बनते हैं दलाई लामा? क्या होती है प्रक्रिया? किसे बनाया जाता है दलाई लामा? ऐसे तमाम तरह के सवाल लोगों के जहन में हमेशा ही घूमती हैं। चलिये इन सवालों के जवाब जानते हैं।

दलाई लामा लाखों लोगों के आस्था का प्रतीक

तिब्बतियों के 14वें गुरू दलाई लामा तेनज़िन ग्यात्सो की उम्र और तबियत बिगड़ने के साथ ही नए दलाई लामा के चुनाव को लेकर चर्चा का दौर तेज हो गया है। इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि 15वें दलाई लामा कौन होंगे। दरअसल दलाई लामा का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण और लाखों लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। हालांकि चीन हमेशा से दलाई लामा के चयन में अपना दखल बनाए रखना चाहता है जबकि भारत तिब्बती बौद्धों के परंपरा का सम्मान करते हुए उन्हें अपने तरीके से दलाई लामा का चुनाव करने का समर्थन करता है। आज के इस आर्टिकल में आपको बताऊंगी कैसे चुने जाते हैं नए दलाई लामा, क्या होती है दलाई लामा चुने जाने की प्रक्रिया आदि।

क्या है दलाई लामा का अर्थ ?

शीर्षक 'दलाई लामा' मंगोलियाई शब्द 'दलाई' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'सागर' और तिब्बती शब्द 'लामा', जिसका अर्थ है 'गुरु' या 'शिक्षक'। वर्तमान के और 14वें दलाई लामा तेनज़िन ग्यात्सो हैं। दलाई लामा का जन्म 1935, तिब्बत में हुआ था और उन्हें दो साल की उम्र में 13वें दलाई लामा के पुनर्जन्म के रूप में मान्यता मिली थी। तिब्बत में चीनी शासन के खिलाफ विफल विद्रोह के बाद 1959 में वे भारत भाग आए और तब से भारत में रह रहे हैं।

कैसे चुने जाते हैं दलाई लामा?

तिब्बती समुदाय के अनुसार लामा, 'गुरु' शब्द का मूल रूप है। एक ऐसा गुरु जो सभी का मार्गदर्शन करता है। दलाई लामा के चयन की प्रक्रिया में पिछले दलाई लामा के पुनर्जन्म की खोज शामिल है, जिसे 'स्वर्ण कलश' प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है। जब दलाई लामा की मृत्यु हो जाती है, तो उनके पुनर्जन्म की खोज के लिए उच्च लामाओं की एक परिषद का गठन किया जाता है।

बृजभूषण के खिलाफ सबूत नहीं मिलने की खबरों का दिल्ली पुलिस ने किया खंडन, कहा- अभी जांच जारी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। एएनआई के पुलिस के टॉप सोर्स ने कहा कि अब तक हमें बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। 15 दिनों के भीतर हम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट दाखिल करेंगे। यह चार्जशीट या अंतिम रिपोर्ट हो सकती है। पहलवानों के दावे को साबित करने वाला कोई सबूत नहीं मिला है। अब तक हमें बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। 15 दिनों के भीतर हम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट दाखिल करेंगे। यह चार्जशीट या अंतिम रिपोर्ट हो सकती है। पहलवानों के दावे को साबित करने वाला कोई सबूत नहीं मिला है: एएनआई को दिल्ली पुलिस के टॉप सोर्स ने बताया लेकिन इस जानकारी के थोड़े समय बाद ही दिल्ली पुलिस ने इस मामले में ट्वीट कर कहा कि कुछ मीडिया चैनल महिला पहलवानों द्वारा दर्ज मुकद्दमे में पुलिस द्वारा फाइनल रिपोर्ट दाखिल किए जाने की खबर प्रसारित कर रहे हैं। यह खबर पूरी तरह गलत है। यह केस अभी विवेचन में है और पूरी तफ्तीश के बाद ही उचित रिपोर्ट न्यायालय में रखी जायेगी। कुछ मीडिया चैनल महिला पहलवानों द्वारा दर्ज मुकद्दमे में पुलिस द्वारा फाइनल रिपोर्ट दाखिल किए जाने की खबर प्रसारित कर रहे हैं । महिला खिलाड़ियों के उत्पीड़न को लेकर सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन कर रहे पहलवानों ने इंडिया गेट पर आमरण अनशन का एलान किया हुआ है। हालांकि, पहलवानों को इंडिया गेट पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय स्मारक प्रदर्शन स्थल नहीं है, किसी भी धरना देने की अनुमति नहीं है।

इसके साथ ही पुलिस ने वैकल्पिक स्थानों का सुझाव दिया है। अन्य किसी स्थल पर प्रदर्शन कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने रविवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन स्थल को हटा दिया था। जिसके बाद पहलवानों ने कहा था कि वे अपने पदक गंगा में विसर्जित करेंगे और इंडिया गेट पर मरने तक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। जिसके बाद पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि इंडिया गेट पर पहलवानों को प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिलेगी। साथ ही ये प्रदर्शन स्थल नहीं है। वहीं, पहलवानों के इंडिया गेट पर पहुच कर आमरण अनशन के एलान को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने इंडिया गेट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। कहा जा रहा है कि अभी तक किसी ने संपर्क नहीं किया है। अगर पहलवान प्रदर्शन करना चाहते हैं तो इसके लिए डीसीपी को एक चिट्ठी लिखनी होगी। जिसके बाद इजाजत दी जाएगी।

बृजभूषण के खिलाफ आरोप लगाने वाली नाबालिग की पहचान कैसे हुई उजागर? डीसीडब्ल्यू चीफ ने डीसीपी को भेजा समन

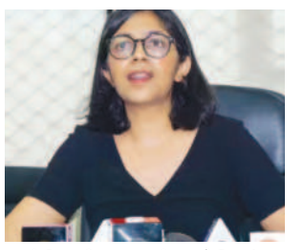

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करने के मामले में दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने डीसीपी, नई दिल्ली को समन जारी किया है. दरअसल, कुछ दिनों पहले एक शख्स ने खुद को नाबालिग लड़की का चाचा बताकर उससे जुड़े कागजात प्रेस के सामने रखे थे. इसमें उस शख्स ने दावा किया था कि आरोप लगाने वाली लड़की नाबालिग नहीं है. इसे लेकर स्वाति मालीवाल ने ट्वीट कर लिखा, एक आदमी खुद को बृज भूषण के खिलाफ शिकायत देने वाली नाबालिग बच्ची का चाचा बता, उसके काग़ज़ात प्रेस में दिखा लड़की की पहचान उजागर कर रहा है.

पुलिस को नोटिस कर रही हूं, इस आदमी के खिलाफ पॉक्सो में एफआईआर हो. स्वाति मालीवाल ने सवाल किया कि क्या इसलिए ही बृज भूषण को छोड़ा हुआ है जिससे पीड़िता पे दबाव बन सके? भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों की यौन शोषण की शिकायत को लेकर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है. महिला पहलवानों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसके बाद कनॉट प्लेस थाने में बृजभूषण के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज हुई थीं.

पेड़ से टकराने के बाद बेकाबू कार में लगी आग, चार लोग जिंदा जले

हरदा, 31 मई (एजेंसियां)।मप्र के हरदा जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। एक बेकाबू कार के पेड़ से टकराने के बाद उसमें आग लग गई। कार में बैठे चारों लोग जिंदा जल गए। घटना नौसर गांव के नजदीक बुधवार सुबह करीब सात बजे हुई। मृतकों में पति-पत्नी समेत एक ही परिवार के तीन लोग शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, कार की स्पीड काफी ज्यादा थी। अचानक उसका टायर फट गया और अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। पेड़ से टकराते ही कार में आग लग गई। कार में सवार चार लोग जिंदा जल गए। सब कुछ इतनी जल्दी हुआ कि कार में बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिला। हादसा इतना भयानक था कि गाड़ी में बैठे लोगों को निकलने का मौका भी नहीं मिला।

आतंकी कुकर में छिपा कर लाए थे 10 किलो आईईडी, 20 पैकेट होरोइन और हथियार भी बरामद

पुंछ, 31 मई (एजेंसियां)। पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास करमाड़ा क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की साजिश को विफल किया है। इसके साथ ही इस मामले में नार्को टेरर का भी खुलासा हुआ है। सुरक्षाबलों ने यहां तस्करी में शामिल तीन आतंकियों को दबोचा है। तीनों आतंकी स्थानीय नागरिक बताए जा रहे हैं, जो सीमा पार से आए नशीले पदार्थ और हथियार को तस्कर करने की नापाक कोशिश में जुटे थे। लेकिन इससे पहले सेना के जवानों ने उनके इरादे पर पानी फेर दिया। पकड़े गए आतंकियों के पास से हेरोइन और हथियार के अलावा दस किलो आईईडी भी बरामद हुई है। आतंकी इसे कुकर में छिपा कर लाए थे। इसके साथ ही उनके पास से एक एके राइफल, दो पिस्टल, छह ग्रेनेड, प्रेशर कुकर में रखा एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और संदिग्ध हेरोइन के 20 पैकेट बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सेना ने पूरे इलाके को तुरंत घेर कर तलाशी अभियान चलाया गया है। पकड़े गए तीन आतंकियों में से एक घायल है। इस ऑपरेशन में सेना का एक जवान भी घायल हुआ है। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान मोहम्मद फारूक (26), मोहम्मद रियाज (23) और मोहम्मद जुबैर (22) के तौर पर हुई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 1 जून, 2023 3

सु वि चा र

गलती जीवन का एक पन्ना है लेकिन रिश्ता पूरी एक किताब है जरूरत पड़ने पर गलती का एक पन्ना फाड़ देना, लेकिन एक पन्ने के लिए पूरी किताब कभी ना खो देना

ब्राह्मण समुदाय का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : केसीआर

ब्राह्मण सदन के उद्घाटन समारोह में सीएम ने की वेद पंडितों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि ब्राह्मण समुदाय के कल्याण और विकास को सुनिश्चित करने के लिए ब्राह्मण संक्षेमा परिषद की स्थापना की गई थी, विशेष रूप से वह लोग, जो समुदाय में गरीबी रेखा से नीचे थे। ब्राह्मण संक्षेमा परिषद की स्थापना 1 फरवरी, 2017 को हुई थी, तब से राज्य में ब्राह्मण समुदाय के लिए विभिन्न कल्याण और विकास कार्यक्रमों को लागू करने के लिए सालाना 100 करोड़ रुपये आवंटित किए जा रहे हैं। सीएम ने यहां गोपनपल्ली में विप्रहित ब्राह्मण सदन का औपचारिक रूप से बुधवार को उद्घाटन करने के बाद उपरोक्त बातें कहीं।

सीएम ने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने एक विशेष ब्राह्मण सदन स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने ब्राह्मण समुदाय के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है। सदन में कल्याण मंडपम में समुदाय के लोग विवाह और अन्य समारोह मुफ्त में कर सकते हैं। इसके अलावा, परिसर में एक सभागार, सूचना केंद्र और एक सीर का आवास केंद्र है, जो नौ एकड़ में फैला हुआ है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने वेद या शास्त्र पंडितों का मासिक मानदेय 2500 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये करने की घोषणा की। इसके अलावा, योजना के तहत लाभार्थियों की पात्रता आयु 75 से घटाकर 65 वर्ष की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में धूप दीप नैवेद्यम कार्यक्रम के तहत राज्य में 3645 मंदिरों को सहायता दी जा रही है और शीघ्र ही 2796 मंदिरों को सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ, 6441 मंदिरों को कार्यक्रम के तहत कवर किया जाएगा।

मैं एक और खुशखबरी की भी घोषणा करूँगा। धूप दीप नैवेद्यम कार्यक्रम के तहत वर्तमान में मंदिरों के रखरखाव के लिए अर्चकों को 6,000 रुपये दिए जा रहे हैं। इसे अब बढ़ाकर 10,000 रुपये किया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि यह खबर आप सभी को खुश करेगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वेद पाठशालाओं के संचालन और रखरखाव के लिए दी जा रही 2 लाख रुपये की सहायता को अब वार्षिक अनुदान बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने आईटीआईएम और आईआईएम में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति का विस्तार करने का भी फैसला किया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि अनुवंशिका अर्चकों के मुद्दों पर भी कैबिनेट में चर्चा की जाएगी और जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप ज्योति ने एक विशेष ब्राह्मण सदन के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कदम की सराहना की। यह राज्य सरकार द्वारा अपनी तरह की पहली पहल है। अन्य राज्यों में, राजनीतिक दल और नेता चुनावों के दौरान ब्राह्मण समुदाय के लिए कई योजनाओं की घोषणा करते हैं लेकिन एक बार परिणाम घोषित होने के बाद वे आश्वासनों को पूरा नहीं करते हैं। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव सक्रिय रूप से कार्य करते हैं और सभी समुदायों के कल्याण के लिए प्रयास कर रहे हैं।

कार्यक्रम में मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, सांसद रंजीत रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी, महापौर गदवाल विजया लक्ष्मी, रमना चारी और राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ नौकरशाह, बीआरएस नेता

राज्य में आज से खुल जाएंगे जूनियर कॉलेज

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 31 मई को गर्मियों की छुट्टी समाप्त होने के साथ, जूनियर कॉलेज 1 जून को नए शैक्षणिक वर्ष यानी 2023-24 के लिए फिर से खुलने वाली गतिविधि के साथ चलने के लिए तैयार हैं। पहले और दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए क्लासवर्क गुरुवार से शुरू होगा। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएस बीआईई) प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार, 30 जून प्रवेश के पहले चरण को पूरा करने की अंतिम तिथि है और दूसरे चरण के कार्यक्रम की घोषणा नियत समय में की जाएगी। नए शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष शुरू होने के 304 दिनों में से सभी जूनियर कॉलेजों के लिए 227 संभावित कार्य दिवस होंगे।

कविता ने महिला पहलवानों के आंदोलन का समर्थन किया, कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और निजामाबाद से पूर्व सांसद कविता ने आज कहा कि महिला पहलवानों ने देश का गौरव बढ़ाया है और उन्हें हराना नहीं चाहिए।

एमएलसी कविता यौन उत्पीड़न के आरोपी डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी का विरोध कर रही प्रदर्शनकारी महिला पहलवानों के समर्थन में उतरीं। उन्होंने कहा कि महिला पहलवानों ने दुनिया भर में अपनी जीत से देश को गौरवान्वित किया है और केंद्र सरकार द्वारा पूर्ण चुप्पी निंदनीय है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हित में और एथलीटों की गरिमा के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। उन्होंने ट्वीट किया कि यह हमारी महिला पहलवानों की मेहनत, लगन और देशभक्ति है, जिन्होंने दुनिया को भारत का अपना टैलेंट दिखाया। भारत सरकार को इन पांच दिनों में देश हित में जरूर सोचना चाहिए। पोस्को जैसे गंभीर आरोप के बाद भी आरोपी सार्वजनिक रूप से बाहर है, पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं किया जा सकता है, और इन स्वर्ण पदक से सम्मानित महिला खिलाड़ियों के साथ चल रही क्रूरता बिल्कुल निंदनीय है। सरकार को पता होना चाहिए कि पूरा देश जवाब चाहता है और दुनिया देख रही है।

'मिशन जीवन रक्षा' के तहत आरपीएफ महिला सिपाही ने यात्री की जान बचाई

दमरे जीएम ने वीर आरपीएफ महिला सिपाही की सराहना की

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को सुबह लगभग 9 बजे, ट्रेन नंबर 47176 (लिंगमपल्ली-फलकनुमा एक्सप्रेस) बेगमपेट रेलवे स्टेशन पहुंची और जब ट्रेन चल रही थी, बेगमपेट में आरपीएफ कांस्टेबल, सनिता ने देखा कि एक महिला यात्री चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही है। जैसे ही ट्रेन ने गति पकड़ी, यात्री के ट्रेन के नीचे गिरने का खतरा था, आरपीएफ महिला कांस्टेबल ने कार्रवाई की और "मिशन जीवन रक्षा" के तहत यात्री को जानलेवा स्थिति में बचाया।

आरपीएफ जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर इस साल दो यात्रियों की जान बचाई।

कॉन्स्टेबल सनिता ने असाधारण सूझबूझ का परिचय देते हुए तेजी से कार्रवाई की और यात्री की जान बचाने के लिए दौड़ी और उसे पकड़कर बाहर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। सरस्वती नाम की महिला यात्री को सफलतापूर्वक बचा लिया गया और एक संभावित त्रासदी टल गई। मिशन "जीवन रक्षा" के तहत नलगोंडा जिले की सनिता को 2020 में आरपीएफ में नियुक्त किया गया था और बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर तैनात किया गया था। अपनी ड्यूटी के दौरान, इससे पहले कई मौकों पर, महिला कांस्टेबल इस तरह के अच्छे काम करने के मौके पर आगे बढ़ीं और लापता/बचे हुए सामान को वापस लाने में यात्रियों की मदद की। इस जीवन रक्षक कार्य में महिला कांस्टेबल का वीरतापूर्ण कार्य रेल यात्रियों के जीवन की सुरक्षा में आरपीएफ कर्मियों के समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो मिशन जीवन रक्षा की भावना का उदाहरण है। उनके निस्वार्थ कार्यों ने न केवल विभाग के भीतर पहचान अर्जित की है, बल्कि उस महिला यात्री का आभार भी जताया है जिसकी जान उन्होंने बचाई।

एससीआर महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने के. सनिता को उनकी समय पर कार्रवाई के लिए बधाई दी, जिसके कारण एक रेल यात्री की जान बच गई। उन्होंने उनके द्वारा प्रदर्शित बहादुरी और सतर्कता की सराहना की और कहा कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल हमारे रेलवे सुरक्षा बल का मनोबल बढ़ता है बल्कि अन्य रेलवे कर्मचारियों को भी इस तरह के प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कॉलोनी वासियों ने सीपी को धन्यवाद दिया

हनामकोंडा, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां अशोक कॉलोनी के निवासियों ने बुधवार को वारंगल पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ से मुलाकात की और भूमि पर अतिक्रमण करने में शामिल दो व्यक्तियों को पकड़ने में उनकी त्वरित प्रतिक्रिया के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जिन निवासियों ने हाल ही में अशोका कॉलोनी में जमीन खरीदी थी, वे गिरफ्तारी के बाद अपने घरों पर निर्माण शुरू करने में सक्षम रहे। परेशानी तब शुरू हुई जब उसी क्षेत्र के केशबोइना शिवा और केलोथु नवीन ने निर्माण में बाधा डाली और मालिकों से पैसे की मांग की। इसके बाद पीड़ितों ने पुलिस आयुक्त से संपर्क कर कार्रवाई की गुहार लगाई। शिकायत का तेजी से जवाब देते हुए, सीपी ने टास्क फोर्सटीम को मामले की जांच करने का आदेश दिया, जहां यह पुष्टि की गई कि निवासियों (20 लोगों) के पास जमीन का स्वामित्व है, जिसके कारण सुबेदारी पुलिस द्वारा शिवा और नवीन को तत्काल गिरफ्तार किया गया।

फिक्की अध्यक्ष ने एफएलओ औद्योगिक पार्क का दौरा किया

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के अध्यक्ष सुभ्रकांत पंडा ने बुधवार को हैदराबाद के सुल्तानपुर में फिक्की एफएलओ इंडस्ट्रियल पार्क का दौरा किया।

अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने महिला उद्यमियों से मुलाकात की और पहले 1007 महिलाओं के स्वामित्व वाले औद्योगिक पार्क में उनसे बातचीत की। सुभ्रकांत पांडा ने भी पार्क की स्थापना को एक दृश्य महिला सशक्तिकरण बताया जो बाधाओं को तोड़ रहा है।

एफएलओ औद्योगिक पार्क को टीएसआईआईसी और तेलंगाना सरकार के सहयोग से एफएलओ हैदराबाद चैप्टर द्वारा सुविधा प्रदान की जाती है। 50 एकड़ में फैले पार्क को 25 महिला उद्यमियों को आवंटित किया गया था।

बच्चों का व्यापार करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, नौ लोग गिरफ्तार

आदिलाबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बुधवार को आदिलाबाद में तीन महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार कर बच्चों के व्यापार में शामिल गिरोह का पर्दाफाश किया। बचाए गए दो बच्चों को शिशु गृह भेजा गया। उनके कब्जे से एक ट्रॉली जब्त की गई है।

पत्रकारों को इसका खुलासा करते हुए, पुलिस अधीक्षक डी. उदय कुमार रेड्डी ने कहा कि आरोपी व्यक्ति शेडाले रमना उर्फ रामा, गजानन बाला बाल्नी, राज कुमार ढोड्डा, ममता गजानन बाल्नी, सुजाता और कर्नाटक के शिंदे जगन्नाथ, शेख अबिदुल्ला उर्फ शारुक, मिर्या गंगाधर थे। मिरयाला अशोक जिले के विभिन्न हिस्सों से संबंधित हैं।

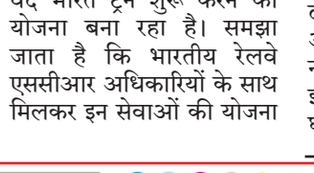

जिला बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों से प्राप्त एक शिकायत के बाद गंगाधर कर्नाटक के एक जोड़े बालू और रामा को अपने बच्चों को बेचने की कोशिश कर रहे थे, तब उन्हें हिरासत में लिया गया था। पूछताछ में गंगाधर ने अपने 8 साल से कम उम्र की दोनों बेटियों को शारुक की मदद से बालू और रमा को 2.50 लाख रुपये में बेचने की बात स्वीकार की। उसने कहा कि उसने पैसे से ट्रॉली खरीदी है। उसने कहा कि वह अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद अपने बच्चों को बेचने के लिए आगे आया और जब उसे किसी बीमारी का पता चला।

रमा ने पुलिसको बताया कि वह काफी लंबे समय से ऐसो-आराम की जिंदगी जीने के लिए बच्चों का व्यापार कर रही थी। उसने खुलासा किया कि वह अपने भाई जगन्नाथ, जो एक ग्रामीण चिकित्सक है, के माध्यम से गंगाधर से संपर्क किया। उसने खुलासा किया कि उसने गंगाधर की बड़ी बेटी को गजानंद बाली और छोटी बेटी को राजकुमार को 3 लाख रुपये में बेच दिया। आदिलाबाद ग्रामीण इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम चारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने कर्नाटक में आरोपी व्यक्तियों को हिरासत में लिया।

सिकंदराबाद से नागपुर के लिए एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन !

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जल्द ही शहर में सिकंदराबाद-नागपुर के बीच शुरू होने की उम्मीद है। वंदे भारत एक्सप्रेस के 130 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने की संभावना है। वर्तमान में, दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें, एक सिकंदराबाद-विशाखापट्टणम के बीच और दूसरी सिकंदराबाद-तिरुपति के बीच, चालू हैं। ये दो ट्रेनें शहर के रेल उपयोगकर्ताओं के बीच लोकप्रिय हो रही हैं, जो पूरे सप्ताह में 100 प्रतिशत से कम की अधिभोग दर के साथ चल रही हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के सूत्रों ने कहा कि मांग के कारण इन ट्रेनों में आरक्षण भी फुल हो रहा है। इन दोनों सेवाओं की सफलता के साथ, यह पता चला है कि भारतीय रेलवे अगले कुछ महीनों में सिकंदराबाद-नागपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की योजना बना रहा है। समझा जाता है कि भारतीय रेलवे एससीआर अधिकारियों के साथ मिलकर इन सेवाओं की योजना बना रहा है। हैदराबाद और नागपुर के बीच पहले से ही लगभग 25 ट्रेनें चल रही हैं, दोनों शहर वाणिज्यिक और व्यावसायिक केंद्र हैं। हालांकि, सभी एक्सप्रेस ट्रेनें हैं और सुपरफास्ट ट्रेनें नहीं हैं। दोनों शहरों के बीच काफी व्यापार होता है और किसी भी दिन भारी ट्रैफिक देखा जाता है। सामान्य यात्री ट्रेनों के यात्रा समय में लगभग 10 घंटे लगते हैं और वंदे भारत ट्रेन के उस यात्रा समय को घटाकर लगभग 6.30 घंटे करने की उम्मीद है। सिकंदराबाद और नागपुर के बीच की दूरी लगभग 581 किमी है और आमतौर पर दूरी तय करने में 10 घंटे लगते है। अब भारतीय रेलवे नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करके समय को 10 घंटे से घटाकर 6.30 घंटे करने की कोशिश कर रहा है। पता चला है कि रेलवे अधिकारियों ने इस वंदे भारत ट्रेन का रूट भी फाइनल कर लिया है। इसके सिकंदराबाद से काजीपेट, रामागुंडम, सिरपुर खगज नगर और बलारशा होते हुए चलने की उम्मीद है। वंदे भारत एक्सप्रेस के नागपुर से सुबह 6 बजे प्रस्थान करने और दोपहर 12.30 बजे सिकंदराबाद पहुंचने और वापसी की यात्रा पर दोपहर 1.30 बजे प्रस्थान करने और उसी दिन रात 8 बजे नागपुर पहुंचने की संभावना है। इस संबंध में एक आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

वारंगल में कांग्रेस पार्टी में अंतर्कलह एक बार फिर सामने आई

वारंगल, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के भीतर टकराव एक बार फिर एक बैठक के दौरान सामने आया है, जहां पार्टी के एक वरिष्ठ नेता और पूर्व मेयर एर्राबेल्ली स्वर्णा ने बुधवार को यहां वारंगल जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। इस घटना ने हिंसक रूप ले लिया क्योंकि स्वर्ण और पूर्व मंत्री कोंडा सुरेखा के अनुयायी आपस में भिड़ गए, जिससे कई लोगों को मामूली चोटें आईं। वारंगल के एबनस समारोह हॉल में कपड़े फाड़े गए और चप्पलों से हमला किया गया।

टकराव कथित तौर पर सामने आया जब एक नेता को मंच पर बुलाया गया, जिससे विरोधी गुटों के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद शुरू हो गया। रिपोर्टों से पता चलता है कि नेता की जाति की पहचान को लक्षित करने वाली अपमानजनक टिप्पणी के बाद लड़ाई छिड़ गई। हालांकि, कांग्रेस पार्टी के नेताओं का दावा है कि विवाद में शामिल दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत मतभेदों की जड़ थी। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री कोंडा सुरेखाऔर उनके पति मुरलीधर ने अपने समूह के सदस्यों के लिए डीसीसी अध्यक्ष का पद सुरक्षित करने के लिए गंभीर प्रयास किए थे। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इस पद के लिए एर्राबेली स्वर्णा को प्राथमिकता दी। विशेष रूप से, स्वर्णा युगल को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने के लिए कोंडा के निवास पर नहीं गए थे, और समारोह में प्रदर्शित फ्लेक्सिस में कोंडा परिवार की कोई तस्वीर शामिल नहीं थी।

नाटकीय शपथ ग्रहण समारोह के बीच, स्वर्णा के पति और वरिष्ठ कांग्रेस नेता येराबेली वरदा राजेश्वर राव ने कथित तौर पर लड़ाई में शामिल कार्यकर्ताओं को उनके कार्यों के संभावित परिणामों पर जोर देते हुए चेतावनी जारी की। यह पूरा प्रकरण प्रमुख पीसीसी सदस्यों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने सामने आया। यह टकराव कांग्रेस पार्टी के भीतर गहरे विभाजन और आंतरिक एकता बनाए रखने में उसके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करता है।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने अनाथाश्रम को दी आवश्यक सामग्री

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा वृद्धाश्रमों, अनाथाश्रमों में रह रहे बन्धुओं की सुविधा हेतु चलाई जा रही अपनी सेवा योजना के अंतर्गत उप्पल स्थित युवता फाउंडेशन को उनकी आवश्यकतानुसार, आवश्यक सामान भेंट किए।सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत लगभग एक लाख रुपये की लागत से, युवता फाउंडेशन को उसकी आवश्यकता अनुसार डीप फ्रिज, वाशिंग मशीन, सिलाई मशीन, चार पंखें तथा चार अलमारी आदि प्रदान किये गए। इस अवसर पर सेवा दल के संयोजक रतन गुप्ता, कैलाश केडिया, संजय पंसारी तथा युवता फाउंडेशन की प्रबंधक शोभा उपस्थित थीं। पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा नियमित रूप से अनाथालयों तथा वृद्धाश्रमों का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, कूलर, फ्रिज, अलमारी, पलंग, टीवी, कंप्यूटर, सिलाई मशीन, वाशिंग मशीन आदि प्रदान किये जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर जरूरत अनुसार सोलर पैनल भी लगा कर दिये जाते हैं।

विशिष्ट वैज्ञानिक राजा बाबू डीआरडीओ के महानिदेशक नियुक्त

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बीएचवीएस नारायण मूर्ति, डीएस और महानिदेशक, मिसाइल और सामरिक प्रणाली (डीजी, एमएसएस) की सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप यू. राजा बाबू, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और निदेशक, आरसीआई को महानिदेशक, मिसाइल और सामरिक के रूप में नियुक्त किया गया है।

यू. राजाबाबू आंध्र विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं, उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से मास्टर डिग्री और जेएनटीयू से एमबीए किया है। उन्होंने 1988 में वायुसेना के साथ अपना करियर शुरू किया और 1995 में डीआरडीओ में शामिल हुए। अपने 35 साल के पेशेवर एयरोस्पेस करियर के दौरान, उन्होंने विमान, हेलीकॉप्टर और कई मिसाइल सिस्टम के विकास पर काम किया। आरसीआई में कार्यक्रम निदेशक, एडी के रूप में, उन्होंने बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली क्षमताओं के डिजाइन, विकास और सफल प्रदर्शन के लिए आवश्यक बल प्रदान किया। उनके नेतृत्व में, "मिशन शक्ति," भारत का पहला एंटी सैटेलाइट मिसाइल टेस्ट सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया है।

आरसीआई के निदेशक के रूप में, उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और मिशन मोड परियोजनाओं के विकास, सभी सामरिक, एटीजीएम, सामरिक, क्रूज मिसाइलों और सशस्त्र बलों के लिए हथियार प्रणालियों के लिए उन्नत मिसाइल एवियोनिक्स के विकास पर काम किया। यू. राजा बाबू के शानदार प्रयासों और रक्षा अनुप्रयोगों में योगदान ने उन्हें कई पहचान दिलाई।

मिशन शक्ति के प्रदर्शन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के लिए उन्हें पाथ-ब्रेकिंग रिसर्च एंड आउटस्टैंडिंग टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यू. राजा बाबू को प्रदान किए जाने वाले अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों में आत्मनिर्भरता में उत्कृष्टता के लिए अग्नि पुरस्कार, डीआरडीओ साइंटिस्ट ऑफ द ईयर और विज्ञान प्रतिभा सम्मान पुरस्कार शामिल हैं।

ओजीएच सर्जन ने महिला का 7 किलो वजनी ओवेरियन सिस्ट निकाला

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल (ओजीएच) के सर्जनों ने बुधवार को महाराष्ट्र की एक 38 वर्षीय महिला रोगी में 7 किलो वजनी एक विशाल सौम्य डिम्बग्रंथि पुटी को सफलतापूर्वक हटाने की घोषणा की। सर्जरी, जिसकी कीमत निजी अस्पतालों में 6 लाख रुपये से 7 लाख रुपये के बीच हो सकती थी, गैर-आरोग्यश्री और गैर-आयुष्मान भारत योजना के तहत यूनिट-4, जनरलसर्जरी, ओजीएच के प्रमुख डॉ. बी. राजू द्वारा निःशुल्क की गई। महाराष्ट्र के उदगीर की रहने वाली वंदना आठ महीने से पेट में जकड़न, सूजन और गांठ की शिकायत लेकर 4 मई को ओजीएच आई थीं। सीटी और एमआरआई सहित टेस्ट से पता चला है कि मरीज को ओवरी का म्यूसिनस सिस्टेडेनोमा मल्टीलोक्यूलेटेड ओवेरियन सिस्ट था, जो अंडाशय में उत्पन्न होने वाला एक ट्यूमर है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
PUB/0572

खुली ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति के लिए व की ओर से, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु दि.26.06.2023 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा सं. व कार्य विवरण: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ03-एसटी-2023-24 दि.31-05-2023
विजयवाडा डिवीजन: एबीएसएस स्टेशन्स-एनआर पीबी-1305 आफ 2023-24 - संशोधन अमेंडमेंट 1 या लेटेस्ट सहित आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/108/2019 वीइआर0.0 नुसार आनकापल्ले, काकीनाडा टाउन, ताडेपल्लीगुडेम, तुनी व ओंगोल स्टेशनों पर आयपी आधारित इंटिग्रेटेड पैसेंजर इनफर्मेशन सिस्टम का प्रावधान। निविदा मूल्य(रु.) 4,40,86,214.57 पैसे पूधरा (रु.) 3,70,400/- सीटीबी डिपाजिट (रु.) शून्य, पूरा करने की अवधि: 12 महिने

विवरण: निविदा बंद की तिथि व समय: 26/06/2023 के 15.30 बजे

संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों की जानकारी के लिए निविदा बंद होने की तिथि से पहले वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।
मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), विजयवाडा

निविदा सूचना सं. जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/05/2023-24, दि.31.05.2023
PUB/0573

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा के लिए वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-10-2023-24, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन- सीआरएस/टीपीटीवाय वर्कशाप पर मेमु मोटर कार पीओएच के लिए 25 केवी ओएचइ का प्रावधान। अनुमानित लागत: रु.1,06,68,914.15 पैसे, पूधरा: रु.2,03,400/-

निविदा बंद करने की तिथि व समय: 21-06-2023 के सु.11.00 बजे

टिप्पणी: 1. निविदादातागण, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रूप में www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग व अन्य विवरण के लिए http:// www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा ।
वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल
A0809

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, S.MUNIRAJU R/o.D.No. 6, Manjunatha Nilaya, 1 'St Floor, 2nd Main, Govindarjanagar, Vijayanagar Bangalore - 560040 .Changed my name as MUNIRAJA S

LOSS OF PASSPORT

I, SYED GHOUSE, R/o.13-4-103/E, Tappa Chabutra Dewdi, Karwan, Kulsumpura, Hyd Lost Original Passport No: J0651764 on 20.05.2023 while white washing of above house. if found Cont : 93924 85352.

I, B.PREM KUMAR, R/o.1-9/10, Near Ambedkar Statue, Boduppal, R.R.Dist., Lost Original Passport No: J0662771 on 02.05.2023 while travelling from Madannapet water tank to Mir Alam mandi and i noticed at zafar road. if Anyone found cont: 90000 00378.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वामी प्रसाद मौर्य को मिली जान से मारने की धमकी

बोला- एक महीने में निपटा दूंगा; डीजीपी से कार्रवाई की मांग

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सीनियर लीडर स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार अपने विवादित बयानों के चलते सुर्खियों में बने रहते हैं. सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है. आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए एक महीने में निपटाने की बात कही है. इस बात की जानकारी खुद स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर कर दी है. उन्होंने ट्वीट के साथ ही एक फोटो भी पोस्ट की है जिसमें उनकी तस्वीर पर गले के सामने तलवार लटकते हुए दिखाई दे रही है. उन्हे ये धमकी 29 मई की शाम को मिली थी. जिसके बाद अब उन्होंने लखनऊ पुलिस और डीजीपी से कार्रवाई की मांग की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन में हवन-पूजन कार्यक्रम के बीच सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के पास स्थापित किया था. इस को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि सावधान हो जाएं लोकतंत्र खतरे में है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सेंगोल की स्थापना कर बीजेपी सरकार ब्राह्मणवाद के पैरों में नतमस्तक हो गई है.

जून में तेज रहेगा सियासी हलचल

विपक्षी महाजुटान के जवाब में पीएम नरेंद्र मोदी की रैली, अमित शाह भी आएंगे बिहार

पटना, 31 मई (एजेंसियां)। जून महीने में बिहार में खूब सियासी रंग जमेगा. राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप और जमकर बयानबाजी होगी. एक तरफ जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व में 12 जून को बीजेपी विरोधी दलों का सियासी महाजुटान हो रहा है. वहीं बीजेपी भी बिहार में पूरे महीने पॉलिटिकली एक्टिव रहेगी. जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रैली करेंगे वहीं अमित शाह भी बिहार में सक्रिय रहेंगे. बताया जा रहा है कि बीजेपी इस महीने चार बड़ी रैलियां करेगी. एक रैली को पीएम नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे जबकि तीन रैलियों में भी बीजेपी के बड़े नेता पहुंचेंगे. बीजेपी के लिए बिहार कितना महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीजेपी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पूरे महीने बिहार के लिए सक्रिय रहेंगे. बताया जा रहा है वह कि जून में तीन से चार बार बिहार का दौरा कर सकते हैं. अमित शाह बीजेपी के बड़े नेताओं के साथ तीन रैलियों में मौजूद रहेंगे.

12 जून को बिहार में सियासी महाजुटान

बिहार में 12 जून को बीजेपी विरोधी दल एक मंच पर आने के लिए बैठक करेंगे. दरअसल बिहार के सीएम नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद में लगे हैं. पिछले साल बीजेपी की गाड़ी से उतरकर महागठबंधन की रथ पर सवार होने के बाद उन्होंने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. वह 2024 में बीजेपी को शिकस्त देने के लिए विपक्ष को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं. इस कड़ी में उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिल्ली के सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, यूपी के पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, मुंबई में उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रमुख शरद यादव और कोलकाता में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से मुलाकात की.

महागठबंधन को जवाब देने की तैयारी

नीतीश कुमार की कोशिश रंग लाने लगी है और 12 जून को बिहार में सियासी महाजुटान होने वाला है. इसके बाद बीजेपी भी विपक्ष को जवाब देने के लिए एक्टिव हो गई है. बीजेपी इस महीने एक के बाद एक चार बड़ी रैली कर विपक्षी एकता के प्रभाव को बिहार से ही कम करने की कोशिश करेगी. इस दौरान बीजेपी जहां 9 साल के अपने कार्यकाल की उपल्बधियां गिनाएगी वहीं महागठबंधन पर भी हमलावर रहेगी. बताया जा रहा है कि बीजेपी सरकार के 9 साल पूरे होने पर 30 जून को बिहार में एक बड़ा कार्यक्रम करेगी जिसमें पीएम मोदी भी शामिल हो सकते हैं.

मुरादाबाद सांसद ने पहलवानों को बताया देश का गौरव, बृजभूषण शरण सिंह पर कही ये बात

मुरादाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। किसान नेता नरेश टिकैत की दखलअंदाजी के बाद प्रदर्शनकारी पहलवान गंगा में मेडल बहाए बिना हरिद्वार से वापस लौट गए. मुरादाबाद से सपा सांसद एसटी हसन ने कहा कि पहलवानों ने मजबूरी में मेडल विसर्जन करने का फैसला किया. उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के नाम पर मेडल जीते गए हैं. पहलवान देश का गौरव हैं. सरकार प्रदर्शनकारी पहलवानों की नहीं सुन रही है. मेडल बहाने के निर्णय से सपा सांसद सहमत नहीं हैं. एसटी हसन ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के प्रति समर्थन जताया. उन्होंने बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग पर कहा कि जांच में दोषी पाए जाने के बाद कार्रवाई होनी चाहिए. बता दें कि नरेश टिकैत ने पहलवानों से पांच दिनों का समय मांगा है.

ग्रेटर नोएडा में पकड़ी गई एक और ड्रग्स फैक्ट्री, 100 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स बरामद, दो विदेशी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, 31 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक और ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ा है। इस फैक्ट्री से 100 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स बरामद की गई है। यह ड्रग्स फैक्ट्री मित्रा सोसायटी में विदेशी नागरिकों द्वारा चलाई जा रही थी। मौके से दो विदेशी नागरिकों के भी गिरफ्तार किए जाने की खबर है। बीटा 2 पुलिस और स्वात टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए इस फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इससे पहले भी 17 मई को ग्रेटर नोएडा में ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ी गई थी। छापे में पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में कई खुलासे किए थे। बताया जा रहा है कि इन्हीं आरोपियों से मिली सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने आज फिर छापा मारा और बड़े पैमाने पर ड्रग्स बरामद किया है। 17 मई को गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लेकर पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तब इस बात का पता चला कि ग्रेटर नोएडा में ऐसी ही एक और ड्रग्स फैक्ट्री चल रही है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि यह फैक्ट्री करीब एक साल से चल रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि ग्रेटर नोएडा को इंस्टीट्यूशनल हब के तौर पर जाना जाता है और इसके आसपास कई मल्टीनेशनल कंपनियां हैं जिनमें बड़ी तादाद में लोग काम करते हैं। ऐसे में ड्रग्स की फैक्ट्री का चलना बेहद गंभीर मामला है।

ये राजीव गांधी की नहीं मोदी की सरकार है

लोगों की समस्याएं सुनकर बोलीं कैबिनेट मंत्री स्मृति

रायबरेली, 31 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी सांसद स्मृति ईरानी बुधवार को छतोह ब्लाक के गांवों में पहुंची तो उनके सामने समस्याओं की झड़ी लग गई। किसी ने आवास तो किसी ने विधवा, वृद्धा पेंशन, किसान सम्मान निधि और रास्ते का विवाद सहित अन्य समस्याएं उठाईं। मंत्री ने सबकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री स्मृति ने बाबा ढाकुदास आश्रम पर आयोजित भण्डारे में शामिल होकर लोगों को प्रसाद बांटा और फिर खाया भी। उन्होंने कहा कि तालाब का सौन्दरीकरण कराया जाएगा। आश्रम के पुजारी बाबा महंत लाल कुंदीश की मांग पर केन्द्रीय मंत्री ने जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव से जल्द ही तालाब के सौंदर्यीकरण कराने का निर्देश दिया साथ ही बैठने व शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था करने के लिए कहा। ग्रामीणों के खराब नल मरम्मत कराने की मांग पर स्मृति ईरानी ने कहा कि यह राजीव गांधी का समय नहीं है अब मोदी सरकार है। घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है। किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष शिव बहादुर ने छतोह ब्लाक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओ को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने कहा इंडिया मार्का हैंडपंप खराब है। इनकी मरम्मत कराने की मांग पर हंसते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा की यह राजीव गांधी का समय नहीं है। अब मोदी की सरकार है जल मिशन योजना के तहत घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है।

विधान परिषद चुनाव में वोटिंग से दूर रही कांग्रेस ने पूछा सवाल

'बहन जी' को अंदरखाने की जानकारी कैसे?

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस के वोट न डालने पर विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्र ने पार्टी का बचाव किया है. उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त संख्या नहीं थी, खरीद-फरोख्त की बातें सामने आ रही थीं और भावनाओं को बांटने का भी प्रयास किया जा रहा था. इसलिए कांग्रेस ने गंदी राजनीति से दूर रहने का फैसला किया. हमारी पार्टी सिद्धांत पर कायम रही. उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश की जनता के लिए कल भी लड़ी थी और आगे भी लड़ेगी. कांग्रेस ने हमेशा जनता के मुद्दों पर लड़ाई की है. हमने अपने सर्वाइवल की नहीं बल्कि देश के लिए लड़ाई की. हमारी संख्या कम हो सकती है लेकिन जज्बा कम नहीं हो सकता. विधान परिषद चुनाव में वोटिंग से दूर रहने पर कांग्रेस और सपा के बीच खटास बढ़ने के मुद्दे पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी. आराधना मिश्र ने कहा कि बहुत सारे मुद्दों पर कांग्रेस ने अग्रणी भूमिका निभाई. पिछले एक साल में कांग्रेस ने समान विचारधारा वाली पार्टी को एक प्लेटफार्म पर लाने का प्रयास किया. उन्होंने कहा कि गठबंधन में हर किसी की भावना का सम्मान करना पड़ता है. गठबंधन बनने पर सबकी भावनाओं को साथ रखकर आगे चलेंगे. उन्होंने कहा कि बीजेपी लोकतंत्र का विध्वंस कर रही है. आज महंगाई, बेरोजगारी, बेटियों के साथ दरिंदगी होने पर भी बीजेपी मौन है. मायावती के ट्वीट पर आराधना मिश्र ने कहा कि विधान परिषद चुनाव सीक्रेट बैलेट से होता है. बहन जी को कैसे मालूम चला कि किस पार्टी के कैंडिडेट की जीत और हार होगी. मतगणना के बाद जीत-हार का खुलासा होता. मायावती को अंदरखाने की जानकारी रहने पर उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार कर दिया.

ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड में सजा काट रहे पूर्व विधायक विजय सिंह को एक और मामले में 3 साल की सजा, 8 लाख रुपए का जुर्माना

फर्रुखाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। यूपी के फर्रुखाबाद से एक बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व ऊर्जा मंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता रहे ब्रह्मदत्त द्विवेदी के हत्याकांड मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व विधायक विजय सिंह को एक और मामले में सजा हो गई है। ये मामला फतेहगढ़ के मोहल्ला सिविल लाइन निवासी सिपाही विजेंद्र सिंह तोमर को सुसाइड के लिए उकसाने से जुड़ा है। इस केस में एमपी/एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश कृष्ण कुमार ने सिपाही से उसके पुत्र की नौकरी लगवाने के लिए रुपए लेने के बाद हड़प लेने के जुर्म में

विजय सिंह को दोषी करार दिया है।

जुर्माना न भरने पर 3 महीने की अतिरिक्त सजा होगी

कोर्ट ने पूर्व विधायक को 3 साल की सजा सुनाई है और 8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर 3 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतने का आदेश दिया है। कोर्ट ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पूर्व सपा विधायक विजय सिंह को सजा सुनाई है। विजय सिंह इस समय ब्रह्मदत्त द्विवेदी हत्याकांड में बांदा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

क्या है वो मामला, जिसमें विजय सिंह को हुई सजा?

दरअसल यूपी के जनपद मैनपुरी की सदर कोतवाली क्षेत्र के बालाजी पुरम आश्रम रोड निवासी विजेंद्र सिंह तोमर पुलिस विभाग में ड्राइवर पद पर तैनात थे। साल 2014 में उनकी फतेहगढ़ कोतवाली में तैनाती थी। इस दौरान वह सिविल लाइन मडैया में किराये के मकान में रहते थे। 26 जून 2014 की सुबह साढ़े सात बजे गोली लगने से विजेंद्र सिंह तोमर की मौत हो गई थी। इसके बाद पुत्र राहुल तोमर ने पिता की हत्या और उनके गले से सोने की चेन व हाथ से अंगूठी लूटने का मुकदमा अज्ञात में दर्ज कराया था। विवेचना में हत्या की जगह आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला सामने आया। दरअसल सिपाही विजेंद्र सिंह तोमर ने पुत्र राहुल तोमर की नौकरी लगवाने के लिए तत्कालीन विधायक रहे विजय सिंह को साढ़े चार लाख रुपए दिए थे। रुपए लेने के बाद न तो नौकरी लगवाई गई और न रुपए वापस किए गए। इसके अलावा ये बात भी सामने आई कि उन्हें धमकाया गया। इसके बाद पुलिस ने पूर्व विधायक विजय सिंह के खिलाफ सिपाही को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप पत्र दाखिल किया। विजेंद्र तोमर द्वारा लिखा गया पत्र भी आरोप पत्र के साथ दाखिल किया गया। इस मुकदमे की सुनवाई एमपी एमएलए कोर्ट में चल रही थी। बचाव पक्ष के वकील व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता तेज सिंह राजपूत, केके पांडेय ने मुदकमे की सुनवाई के दौरान दलीलें पेश कीं। सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायाधीश कृष्ण कुमार ने पूर्व विधायक विजय सिंह को रुपए लेकर नौकरी ना लगवाने और रुपए वापस ना करने के जुर्म में दोषी करार दिया और 3 साल की सजा और 8 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने जुर्माना राशि वसूल होने पर साढ़े सात लाख रुपए सिपाही विजेंद्र सिंह तोमर के परिजनों को दिए जाने का आदेश दिया है।

लखनऊ में स्कॉर्पियो ने स्कूटी को मारी टक्कर, 2 बच्चों समेत 4 की मौत

लखनऊ, 31 मई (एजेंसियां)। राजधानी के अलीगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक स्कूटी में टक्कर मार दी. इस दौरान स्कूटी स्कॉर्पियो के नीचे फंस गई और स्कॉर्पियो चालक उसे घसीटता चला गया. इसमें स्कूटी पर सवार पति-पत्नी और दो बच्चे भी सड़क पर घिसटते चले गये, जिससे स्कूटी सवार पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत हो गई. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक को हिरासत में ले लिया. ड्रंक एंड ड्राइव की घटना मानकर पुलिस मामले में चालक से पूछताछ कर रही है. इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त किया है.स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कॉर्पियो टेढ़ी पुलिया की ओर से आ रही थी. इसी दौरान गुलाचीन मंदिर से कुछ दूरी पर ही उसने एक स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार सभी लोग स्कार्पियो के नीचे आ गए. इसके बावजूद स्कॉर्पियो चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और उन्हें घसीटता चला गया. स्कूटी को कुछ देर घसीटने के बाद स्कॉर्पियो एक खंभे से टकरा कर रुक गई. हादसे से सड़क किनारे सो रहे लोगों में भी भगदड़ मच गई. उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी. डीसीपी नॉर्थ एसएम कासिम आब्दी ने बताया कि स्कूटी सवार परिवार मूल रूप से सीतापुर के रहने वाला था. सभी लोग रिश्तेदार के घर से लौट रहे थे. इसी दौरान क्षेत्र के गुलाचीन मंदिर के पास तेज गति से आ रही बेकाबू स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी. स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची विकासनगर थाना पुलिस ने वाहन में फंसे दंपति और दोनों बच्चों को निकाला. इसके बाद उन्हें तत्काल केजीएमयू के ट्रामा सेंटर भेजा गया. वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया.

इरफान सोलंकी के खिलाफ गैंगस्टर मामले में चार्जशीट दाखिल

पुलिस ने बताया गैंग का मुखिया, अब जाएगी विधायकी?

कानपुर, 31 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है. पुलिस ने कोर्ट को बताया है कि अब तक इरफान सोलंकी के गैंग की करीब 100 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है और जब्तीकरण की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी. इरफान सोलंकी इस समय महाराजगंज जेल में बंद हैं. कानपुर पुलिस ने पिछले साल नवंबर महीने से लेकर अगले दो महीनों में इरफान सोलंकी, भाई रिजवान सोलंकी और उनके साथियों पर आठ मुकदमे लिखे थे. इनमें आगजनी और डराने-धमकाने समेत रंगदारी के मुकदमे लिखे गए थे. पुलिस इनमें से सात मुकदमों में चार्जशीट पहले ही लगा चुकी थी. अब पुलिस की ओर से गैंगस्टर मामले में भी चार्जशीट दाखिल कर दी गई है. पुलिस अधिकारियों का मानना है कि केस को बहुत संजीदगी और गंभीरता के साथ फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुना जा रहा है और आगामी 30 जुलाई तक इसमें फैसला भी आ सकता है. पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कोर्ट में इरफान सोलंकी के खिलाफ जो चार्जशीट फाइल की है, उसमें उनको गैंग का मुखिया बताया गया है. इसमें रिजवान सोलंकी, शौकत अली, इजराइल आटे वाला और मोहम्मद शरीफ के नाम शामिल हैं. चार्जशीट में पुलिस ने कोर्ट को यह भी बताया कि 14/1 के तहत अभी तक इरफान सोलंकी और गैंग सदस्यों की करीब 100 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है. जब्ती की कार्रवाई अभी भी जारी है. पुलिस का मानना है कि आने वाले दिनों में ऐसी कई और संपत्तियों की जब्ती की जा सकती हैं. दरअसल, इस मामले में कुल 14 लोगों की गवाही होनी थी, जिसमें से सभी लोगों की गवाही पूरी हो चुकी है. वहीं जाजमऊ इलाके में प्लॉट पर आगजनी मामले में इरफान सोलंकी की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट 17 जुलाई 2023 को फिर सुनवाई करेगी. इससे पहले भी सपा विधायक की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी. वहीं जानकर बता रहे हैं कि आगजनी मामले में जो आरोप लगे हैं, उसमें सजा का प्रावधान 10 साल तक का है. ऐसे में अगर सजा होती है और 2 साल से ऊपर की सजा होती है तो इरफान सोलंकी की विधानसभा की सदस्यता चली जाएगी.

'केवटी को कलंकित करवाने वाले', दरभंगा में बीजेपी एमएलए के खिलाफ एफबी पर आपत्तिजनक पोस्ट, थाने पहुंचा मामला

दरभंगा, 31 मई (एजेंसियां)। दरभंगा के केवटी विधानसभा के विधायक मुरारी मोहन झा ने बहादुरपुर थाने में आवेदन देते हुए धीरेंद्र कुमार धीरज नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया है कि उसने सोशल मीडिया पर उनके विरुद्ध अपमानजनक और आपत्तिजनक पोस्ट किया है, जिसको लेकर उन्होंने कार्रवाई की मांग की है. बीजेपी विधायक मुरारी मोहन झा ने थाने में दिए आवेदन बताया है कि 18 मई को उनके विरुद्ध बहुत ही आपत्तिजनक एवं अपमानजनक पोस्ट किया गया है. विधायक ने कहा है कि धीरेंद्र कुमार धीरज ने फेसबुक पेज पर अपने पोस्ट के माध्यम से मो. इकबाल अंसारी की तस्वीर लगाते हुए लिखा है- "इस महापुरुष को आप पहचानते होंगे. ये केवटी पंचायत के पंचायत समिति के पति मो. इकबाल अंसारी हैं, जो केवटी के विधायक मुरारी मोहन झा के आशीर्वाद से शराब का अवैध धंधा करते हैं. केवटी पुलिस ने हिम्मत दिखा कर इन्हें गिरफ्तार किया है. विधायक अपना होटल चलाते हैं और अपने लोगों से अवैध शराब बेचवाते हैं. केवटी को कलंकित करवाने वाले इस विधायक को जनता माफ नहीं करेगी." उन्होंने अपनी शिकायत में आगे बताया है कि इस पोस्ट की वजह से मेरे आत्मसम्मान को क्षति पहुंची है. उन पर लगाए गए आरोप मनगढ़ंत, झूठे, बेबुनियाद और सत्य से परे हैं. सच्चाई यह है कि मेरा उक्त मो. इकबाल अंसारी से कोई सरोकार न था और न ही है

राम मंदिर गर्भगृह में आज से शुरू होगा शिलाओं का संयोजन

सीएम योगी समेत तमाम संतों को भेजा गया आमंत्रण

अयोध्या, 31 मई (एजेंसियां)। राम मंदिर के भूतल का भव्य ढांचा तकरीबन तैयार है। छत का निर्माण आखिरी दौर में है। इसी के साथ निर्माण कार्य को अंतिम स्पर्श दिए जाने की तैयारी भी शुरू की जा चुकी है। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन का अधिकांश हिस्सा इस विमर्श में गुजरा कि मंदिर की प्रकाश व्यवस्था कैसी हो, मंदिर से जुड़ने वाले रामजन्मभूमि पथ और भक्ति पथ से लेकर राम पथ का निर्माण कब तक पूर्ण किया जाय तथा अंतिम चरण तक इसका क्या स्वरूप हो। यात्री सुविधा केंद्र की क्या प्रगति है। छत का काम और तीव्रता के साथ पूरा किया जाय। इसी के साथ मंदिर की फर्श का निर्माण और गर्भगृह में नक्काशीदार शिलाओं का संयोजन होना है। इस कार्य का आरंभ एक जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उप मुख्यमंत्री केशवप्रसाद मौर्य की उपस्थिति में होगा। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बैठक के साथ रामजन्मभूमि परिसर के स्थलीय निरीक्षण को वरीयता दी। उन्होंने पूर्वाह्न के करीब दो घंटे तक मंडलायुक्त गौरवदयाल, आइजी रेंज प्रवीण कुमार, नगर आयुक्त विशाल सिंह आदि के साथ राम मंदिर से जुड़े विभिन्न मार्गों का निरीक्षण किया। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र ने विहिप के वरिष्ठ नेता गोपालजी के साथ रामसेवकपुरम पहुंच रामलला की मूर्ति निर्माण का जायजा लिया। रामलला की तीन मूर्ति तीन चुनिंदा कलाकार तैयार कर रहे हैं और इनमें से जो श्रेष्ठतम होगी, उसे राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित करने के लिए चुना जाएगा।

फुलवारी शरीफ मामले में तीन घंटे तक कटिहार में रेड पीएफआई महबूब आलम नदवी के भाई को उठाकर ले गई टीम

कटिहार, 31 मई (एजेंसियां)। फुलवारी टेरर मॉड्यूल मामले में एनआईए की टीम ने बुधवार की सुबह कटिहार में छापेमारी की. करीब तीन घंटे तक ये छापेमारी चली है. सुबह करीब पांच बजे एनआईए की टीम हसनगंज थाना क्षेत्र के मुजफ्फर टोला में छापेमारी करने के लिए पहुंची थी. टीम ने महबूब आलम नदवी के घर को खंगाला गया. कुछ महबूब आलम नदवी के रिश्तेदार नासिर हुसैन के कमरे से कई दस्तावेज ले जाने की बात कही जा रही है. नासिर हुसैन का घर भी महबूब आलम नदवी के घर से सटा हुआ है. वहीं इस मामले में पूछताछ के लिए एनआईए की टीम महबूब आलम नदवी के भाई जाबिर हुसैन को अपने साथ ले गई है. स्थानीय थाने में ले जाकर उससे पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों ने यह सारी बात बताई है. हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है. एनआईए की टीम की ओर से इसको लेकर कोई बयान नहीं दिया गया है. एनआईए की टीम महबूब आलम नदवी के घर पहले भी चार बार छापेमारी कर चुकी है. उसके घर इश्तेहार भी चस्पा किया गया था, लेकिन अभी तक महबूब आलम नदवी एनआईए की टीम की पकड़ से बाहर है. इस मामले में महबूब आलम नदवी के परिजन सहवीर हुसैन ने बताया कि बुधवार की अल सुबह करीब पांच बजे एनआईए की टीम आई थी. उनके साथ स्थानीय थाने की पुलिस भी थी. टीम ने घर के अंदर काफी चीजों को खंगाला. महबूब आलम नदवी के भाई को अपने साथ थाने ले गई है.

100 वर्षीय वृद्धा पर रंगदारी के मुकदमे में पुलिस आयुक्त तलब, कोर्ट में 8 जुलाई को होना है पेश

कानपुर, 31 मई (एजेंसियां)। कल्याणपुर में प्रापर्टी विवाद में 100 वर्षीय वृद्धा के विरुद्ध रंगदारी का मुकदमा दर्ज करने में सिविल जज सीनियन डिवीजन ने पुलिस आयुक्त को 8 जुलाई को तलब किया है। हालांकि पुलिस ने पहले ही पर्चे में वृद्धा का नाम मुकदमे से हटा दिया था। बिरहाना रोड पटकापुर निवासी माधुरी तिवारी ने प्रापर्टी विवाद में 18 मई को कल्याणपुर के मिर्जापुर निवासी 100 वर्षीय बुजुर्ग चन्द्रकली तिवारी के साथ ही कृष्णमुरारी तिवारी, सुषमा तिवारी, ममता दुबे सहित 10-12 लोगों के विरुद्ध रंगदारी और धमकाने में मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं दूसरे पक्ष से ममता दुबे ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले को लेकर चन्द्रकली तिवारी ने स्वजन के साथ पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड से मिलकर न्याय की गुहार लगाई थी।

केंद्र ने बढ़ाई सुक्खू सरकार की मुश्किलें, घटाई लोन लिमिट

शिमला, 31 मई (एजेंसियां)। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश विकास के मामले में केंद्र सरकार पर ही निर्भर रहता है. हिमाचल प्रदेश की गाड़ी कर्ज लिए बिना आगे नहीं बढ़ती. बीते करीब दो दशक से हिमाचल प्रदेश में कर्ज का मर्ज कम होने का नाम ही ले रहा. इस बीच अब केंद्र ने हिमाचल प्रदेश की राह मुश्किल कर दी है. केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के कर्ज लेने की सीमा 5 हजार 500 करोड़ रुपए तक घटा दी है. पहले हिमाचल प्रदेश सरकार 14 हजार 500 करोड़ रुपए तक का कर्ज ले सकती थी, लेकिन अब सिर्फ 9 हजार करोड़ रुपए तक का ही कर्ज लिया जा सकेगा. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू इस मामले को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास उठाने के लिए दिल्ली भी गए हुए हैं. केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश सरकार को नेशनल पेंशन सिस्टम

(एनपीएस) के लिए मिलने वाली मैचिंग ग्रांट को भी रोक दिया है. एनपीएस के लिए मार्च में केंद्र से 1 हजार 780 करोड़ रुपए पेंशन के मिलते थे. वह भी सरकार को अब नहीं मिलेंगे. हिमाचल प्रदेश की जीडीपी करीब दो लाख करोड़ की है. साल 2023-24 के बजट के मुताबिक राज्य सरकार कुल जीडीपी का 3 फीसदी रकम के बराबर ही कर्ज ले सकती है. इससे पहले प्रदेश सरकार 6 फीसदी तक लोन उठा रही थी. इस नियम में रियायत न मिलने पर सरकार की राह लगातार मुश्किल होती हुई नजर आएगी.

सबसे अमीर राज्य कैसे बनेगा हिमाचल

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू लगातार पूर्व की सरकार पर कर्ज के बोझ को बढ़ाने का आरोप लगाते रहे हैं. हालांकि, खुद भी सत्ता में आते ही कांग्रेस सरकार ने तीन अलग-अलग किस्तों में भारी-भरकम लोन उठा लिया था. हिमाचल प्रदेश के कुल बजट का 46 फीसदी हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन में ही चला जाता है. सरकार अपनी गाड़ी आगे बढ़ाने के लिए हर साल जमकर खर्च करती है, लेकिन सरकार की कमाई नाम मात्र की है. इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का यह दावा कि हिमाचल प्रदेश आने वाले 10 सालों में देश भर का सबसे अमीर राज्य होगा, इस दावे पर भी खतरा मंडराता हुआ नजर आ रहा है.

कर्ज कहां से ले रही सरकार

हिमाचल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की ओर से सदन में दिए गए जवाब के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश सरकार ने विभिन्न एजेंसियों से वर्ष 2020-21 में 7 हजार 295 करोड़ का कर्ज लिया. इसके अलावा, 2021-22 में 5 हजार 500 करोड़ और 2023-24 में 10 हजार 294 करोड़ रुपये का कर्ज लिया. कुल-मिलाकर पिछले तीन साल में कुल 23 हजार 185 करोड़ के कर्ज का बोझ प्रदेश पर लाद दिया गया. सरकार ने कर्ज का सबसे बड़ा हिस्सा खुले बाजार से उठाया है. पिछले तीन साल में हिमाचल प्रदेश सरकार में 19 हजार 500 करोड़ रुपए का कर्ज खुले बाजार से उठाया. सरकार की ओर से दी गई जवाब में बताया गया कि मई 2022 से 31 जनवरी 2023 तक 9 हजार 500 करोड़ रुपए का कर्ज दिया गया. वहीं, 2020-21 में खुले बाजार से एक हजार करोड़, 2021-22 में चार हजार करोड़ कर कर्ज सरकार ने लिया.

राजस्व घाटा 4704 करोड़ रुपए

बता दें कि सदन में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने साल 2023-24 के लिए 53 हजार 413 करोड़ रुपए का बजट पेश किया. साल 2023-24 में राजस्व प्राप्तियां 37 हजार 999 रहने का अनुमान है. इसके अलावा कुल राजस्व व्यय 42 हजार 704 करोड़ रुपए अनुमानित है. इस तरह कुल राजस्व घाटा 4 हजार 704 करोड़ रुपए होने का अनुमान है. इसके अलावा राजकोषीय घाटा 9 हजार 900 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो प्रदेश की जीडीपी का 4.61 फीसदी हिस्सा है.

मिस्ड कॉल से प्यार, 3 महीने की हुई सजा और सलाखों के पीछे कटे 3 साल

कोलकाता, 31 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले से एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक 21 साल के लड़के को प्यार की कीमत चुकाने के लिए बांग्लादेश की जेल में बंद रहना पड़ा. जिले के जालंगी निवासी अम्फान शेख को अनजान नंबर से आए 'मिस्ड काल' की वजह से विदेशी लड़की से प्यार की कीमत 3 साल बांग्लादेश में जेल में रहकर गुजारनी पड़ी. अम्फान शेख मुर्शिदाबाद जिले के मोबाइल रिचार्ज की दुकान में काम करता है. शेख को बांग्लादेश के कुष्टिया जिले की लड़की का मिस्ड कॉल आया था. जिसके बाद बात करने पर उसे लड़की से प्यार हो गया. जिससे मिलने के लिए बांग्लादेश जाने का फैसला किया. बिना वैध दस्तावेजों के बांग्लादेश में घुसने की वजह उसे पकड़ लिया गया. शेख को अवैध घुसपैठ के चलते 3 महीने की सजा हुई, लेकिन राजनयिक दिक्कतों की वजह से करीब 3 साल जेल तक उसे जेल में रहना पड़ा.

इससे पहले भी आ चुके हैं ऐसे मामले

इससे पहले बिहार के भागलपुर से भी ऐसा मामला सामने आया था. यहां एक शख्स को 3 बच्चों की मां से प्यार करने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना कहलगांव के सनोखर गांव की है. गांव के एक युवक को तीन बच्चों की मां से मिस्ड कॉल की वजह से प्यार हो गया था. जिसके बाद प्रेमी महिला से पहुंचने रात को उसके घर की तरफ पहुंचा. इस दौरान गांव वालों ने उसे घेर लिया और बुरी तरह से पिटाई की. जिस वजह से युवक की मौत हो गई. इसी तरह की यूपी के अलीगढ़ से भी एक घटना सामने आई थी. यहां तीन बच्चों की मां को मिस्ड कॉल की वजह से एक नाबालिग से प्यार हो गया था, जिसकी वजह से वह उसे मिलने सीतामढ़ी पहुंच गई थी. हालांकि परिवार को की शिकायत करने पर पुलिस ने उसे नाबालिग लड़के को पकड़ लिया था.

सतनाली में ढाई वर्षीय बच्ची के साथ साधु ने की दरिंदगी

गंभीर हालत में नारनौल अस्पताल में भर्ती

महेंद्रगढ़, 31 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ के सतनाली में घुमंतू जाति के परिवार की एक ढाई साल की बच्ची के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। बच्ची के परिजनों की शिकायत पर एक साधु के खिलाफ मामला दर्ज कर हिरासत में लिया गया है। वहीं बच्ची को गंभीर हालत में नारनौल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बच्ची की मां की शिकायत पर मामला दर्ज

बच्ची की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सुबह पांच बजे उठी तो बच्ची रो रही थी। उसे सुलाने का प्रयास किया तो वह नहीं सो रही थी। जब उसने देखा तो बच्ची खून से लथपथ थी। बच्ची के गले में रूमाल लपेटा हुआ था। नजदीक ही दो साधु बाबा के हाथों में रूमाल बंधा हुआ था। उसने बच्ची को तुरंत सतनाली सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। बच्ची की गंभीर हालत को देखते हुए नारनौल रेफर कर दिया गया। बच्ची नारनौल में उपचाराधीन है।

साधु को काबू किया

पुलिस ने आरोपी साधु के खिलाफ धारा 365, 323 व पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है एक साधु को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है। जांच अधिकारी प्रमिला ने बताया कि ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म की शिकायत दी गई है। सतनाली सीएचसी से नारनौल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बच्ची अभी उपचाराधीन है। शक के आधार पर साधु को काबू किया गया है। इस मामले में गंभीरता से जांच की जा रही है।

कर्नाटक में नई सरकार ने कर्मचारियों को किया खुश बढ़ा दिया महंगाई भत्ता

बेंगलूरू, 31 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में जहां पांच गारंटी योजनाओं के लागू होने का इंतजार है और विपक्ष इस पर संदेह जता रहा है, वहीं नई कांग्रेस सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी कर उनके लिए अच्छी खबर दी है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने घोषणा की कि राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 31 फीसदी से बढ़ाकर 35 फीसदी कर दिया गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है और यह 1 जनवरी, 2023 से लागू माना जाएगा। इस आदेश में कहा गया है, सरकार को 2018 के संशोधित वेतनमान में राज्य सरकार के कर्मचारियों को देय महंगाई भत्ते की दरों को 1 जनवरी, 2023 से मूल वेतन के मौजूदा 31 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने पर खुशी हो रही है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि सरकार ने 1 जनवरी, 2023 से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के राज्य सरकार के पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ते की दरों को मौजूदा 31 प्रतिशत से बढ़ाकर मूल पेंशन/पारिवारिक पेंशन के 35 प्रतिशत कर दिया है।

मृत शरीर के साथ संभोग करने के आरोप में दोषी ठहराने की धारा नहीं

कर्नाटक एचसी का कानून में संशोधन करने के आदेश

बेंगलुरु, 31 मई (एजेंसियां)। 'यौन संबंध' के प्रावधान में किसी व्यक्ति को मृत शरीर के साथ संभोग करने के आरोप में दोषी ठहराने की धारा नहीं है।' कर्नाटक हाई कोर्ट ने यह कहते हुए केंद्र से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के संबंधित प्रावधानों में संशोधन करने को कहा है। इसके अलावा कोर्ट ने लाशों के साथ 'यौन संबंध' के लिए अपराधीकरण और सजा प्रदान करने वाले नए प्रावधान लाने के भी निर्देश दिए है।

आरोपी को किया बरी

हाई कोर्ट ने आईपीसी की धारा 376 के तहत एक व्यक्ति को बरी कर दिया है। आरोपी पर एक महिला की हत्या और फिर उसके मृत शरीर के साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप था। घटना 25 जून 2015 की है और आरोपी तुमकुरु जिले के एक गांव के रहने वाला है। हालांकि, कोर्ट ने आईपीसी की धारा 302 हत्या के तहत आरोपी को कठोर आजीवन कारावास और 50,000 रुपये के जुर्माना देने का आदेश दिया है।

धारा 375 या धारा 377 के तहत एक अपराध है?

कोर्ट ने सवाल करते हुए पूछा कि आरोपी ने शव के साथ शारीरिक

संबंध बनाए। लेकिन क्या यह भारतीय दंड संहिता की धारा 375 या धारा 377 के तहत एक अपराध है?न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और वेंकटेश नाइक टी की खंडपीठ ने 30 मई को अपने फैसले में कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 375 और 377 के प्रावधानों को ध्यान से पढ़ने से यह स्पष्ट होता है कि मृत शरीर को मानव या व्यक्ति नहीं कहा जा सकता है। इसलिए, यह भारतीय दंड संहिता की धारा 375 या 377 के प्रावधान में शामिल नहीं हो सकते। भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत दंडनीय कोई अपराध नहीं है।

नेक्रोफिलिया बीमारी क्या होती है?

यूके और कनाडा सहित कई देशों के उदाहरणों का हवाला देते हुए, हाई कोर्ट ने सिफारिश की कि ऐसे प्रावधान भारत में पेश किए जाएं। नेक्रोफिलिया एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शख्स शवों के साथ यौन संबंध बनाता है। एचसी ने अपने फैसले में कहा कि यहीं सही समय है जब केंद्र सरकार आईपीसी की धारा 377 के प्रावधानों में संशोधन कर सकती है। इसमें पुरुषों, महिलाओं या जानवरों के मृत शरीर को शामिल किया है। कोर्ट ने सुझाव दिया की केंद्र सरकार उस व्यक्ति के खिलाफ जो नेक्रोफिलिया से ग्रस्त हो, इस संबंध में आईपीसी में नए प्रावधान में संशोधन करेगी। इसके साथ ही आरोपी को आजीवन कारावास या किसी एक अवधि के लिए कारावास के साथ दंडनीय जो 10 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है और जुर्माना के लिए भी उत्तरदायी होगा। एचसी ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि छह महीने के भीतर शवों के खिलाफ अपराध को रोकने के लिए सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

21 वर्षीय पीड़िता के भाई ने अपनी बहन की हत्या की शिकायत दर्ज कराई थी। भाई ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसकी बहन कंप्यूटर क्लास से वापस नहीं लौटी और घर के रास्ते में उसका गला रेतकर हत्या कर दी गई। साथ ही उसका शव भी वहीं पड़ा हुआ मिला था। पुलिस ने आरोपी को घटना के एक हफ्ते बाद गिरफ्तार कर लिया था। दोषी ठहराते हुए सत्र न्यायालय ने उसे धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसमें उसे धारा 376 के तहत यौन संबंध का दोषी पाते हुए 14 अगस्त, 2017 को 10 साल कैद की सजा सुनाई गई थी।

आरोपी को दोषी ठहराना गलत

इसके बाद आरोपी ने सत्र न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की। इस मामले की सुनवाई डिवीजन बेंच ने की। आरोपी के अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि आरोपी का कार्य 'नेक्रोफीलिया' के अलावा और कुछ नहीं है और उक्त अधिनियम के लिए अभियुक्त को दोषी ठहराने के लिए भारतीय दंड संहिता में कोई विशेष प्रावधान नहीं है। एचसी ने आरोपी को हत्या का दोषी पाया लेकिन उसे यौन संबंध के आरोपों से बरी कर दिया।

सावित्रीबाई फुले पर अपमानजनक लेख को लेकर एनसीपी नाराज, मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर दिया धरना

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले पर अपमानजनक लेखों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इससे नाराज एनसीपी का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मुंबई के पुलिस कमिश्नर से मिला, इससे पहले उन्होंने लेखों के लिए दो वेबसाइटों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना दिया। एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजीत पवार, जयंत पाटिल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

महाराष्ट्र में 3 सिख नाबालिग बच्चों को भीड़ ने जमकर पीटा

1 की मौत, एसजीपीसी के अध्यक्ष बोले- मानवता पर धब्बा है

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के परभणी जिले से मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। यहां के उखलाद गांव में भीड़ ने एक नाबालिग सिख बच्चे को चोर समझ कर मार डाला, जबकि दो सिख बच्चे को पुलिस ने बचा लिया। मॉब लिंचिंग की इस घटना में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, महाराष्ट्र का परभणी में 27 मई में बकरी चोर समझ कर लोगों ने 3 सिख बच्चों की पिटाई कर डाली, जिसमें एक सिख बच्चे की मौत हो गई है। पुलिस ने इस मामले में कुल 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें मुख्य आरोपी ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच अकरम पटेल को भी गिरफ्तार किया है। मॉब लिंचिंग की इस घटना को लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कड़ी निंदा की है। हरजिंदर सिंह धामी ने बताया कि मिली जानकारी के मुताबिक, इस घटना में 14 साल के नाबालिग कृपाल सिंह नाम के सिख युवक की मौत हो गई है, जबकि दो अन्य नाबालिग सिख युवक अवतार सिंह (16) और अरुण सिंह (15) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना से सिख मानस को गहरी ठेस पहुंची और पूरे सिख जगत में आक्रोश की लहर है। उन्होंने कहा कि यह जघन्य अपराध मानवता पर धब्बा है, जिसके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

चंडी चौकी के पास सड़क से नीचे जा गिरी रोडवेज बस, नवजात समेत दो की मौत, 39 घायल

हरिद्वार, 31 मई (एजेंसियां)। आज सुबह हरिद्वार के पास एक बड़ा बस हादसा हो गया। खबर है कि चंडी चौकी हरिद्वार के पास एक रोडवेज बस के अनियंत्रित होकर सड़क से पलटी और सीधे जाकर नीचे की ओर गिरी। जैसे ही बस के गिरने की सूचना मिली, स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीमें फौरन मौक पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। उत्तराखंड पुलिस ने बताया कि मौके से जितने भी घायलों को रेस्क्यू किया और सभी को इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के नजीबाबाद से हरिद्वार की ओर आ रही एक बस के बुधवार सुबह खाई में गिरने से उसमें सवार दो यात्रियों की मौत हो गयी और 39 अन्य घायल हो गए । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दो यात्रियों की हालत गंभीर है और उन्हें ऋषिकेश एम्स रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि हरिद्वार जिले के श्यामपुर थाना क्षेत्र में चंडीदेवी मंदिर के पास हुए हादसे के वक्त बस में 41 यात्री सवार थे, ये सभी नेपाली मूल के हैं। बस के अनियंत्रित होकर खाई में गिरने से एक नवजात बच्ची और परिचालक की मौके पर ही मौत हो गयी। घायलों को निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया । हालांकि इस हादसे में अभी कितने लोग घायल हुए हैं, इसको लेकर अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। बता दें कि कल ही जम्मू-कश्मीर के जम्मू जिले में वैष्णो देवी जा रही एक बस पुल की 'रेलिंग' से टकराने के बाद खाई में गिर गई। इस हादसे में 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 66 अन्य लोग घायल हो गए और अभी भी मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि बस अमृतसर से कटरा जा रही थी, तभी जम्मू- श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह साढ़े छह से सात बजे के बीच झज्जर कोटली इलाके में यह हादसा हो गया।

मंत्री भूपेंद्र सिंह का पलटवार, दिग्विजय सिंह धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं

भोपाल, 31 मई (एजेंसियां)। उज्जैन महाकाल लोक में तेज आंधी और तूफान से मूर्तियां खंडित होने पर सरकार घिर गई है। अब कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने उज्जैन में कुछ नहीं किया। सिंहस्थ में सरकार ने पांच हजार करोड़ से निर्माण कार्य कराएं। दिग्विजय सिंह सिर्फ धर्म के नाम पर राजनीति करते हैं। नगरीय आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बुधवार को दिग्विजय सिंह और सज्जन सिंह वर्मा के आरोपों पर जवाब दिया। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि उज्जैन में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। सिंहस्थ के लिए सरकार ने पांच हजार करोड़ की लगात से निर्माण कार्य किए थे।

आप तो नहीं पी रहे 'रेल नीर' और ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर गंदा पानी? कचड़े में पड़ी बोतलों से हो रहा गोरखधंधा

नागपुर, 31 मई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे से हर दिन लाखों की संख्या में यात्री अपनी मंजिल पर पहुंचते हैं। इस दौरान वह रेलवे स्टेशनों पर बिकने वाले रेल नीर (पानी की बोतल) को भी खरीदते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जो 'रेल नीर' की पानी की बोतल आप पी रहे हैं, वो असली है या नकली? दरअसल महाराष्ट्र के नागपुर में आरपीएफ ने एक ऐसे ही गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो कचरे में पड़ी बोतलों को सील बंद कर गंदे पानी को रेल यात्रियों को बेचता है। ये लोग 'रेल नीर' को ड्रम में बनाते थे। इनके पास से अलग-अलग कंपनियों की पानी की भरी बोतलें भी बरामद हुई हैं। यानी रेल नीर के अलावा ये

लोग अन्य कंपनियों के नाम पर भी ये गोरखधंधा चला रहे थे। नागपुर सेंट्रल रेलवे की आरपीएफ ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर अशुद्ध पानी और खाली बोतल जब्त की हैं। रेलवे सुरक्षा बल की स्टेशन पोस्ट में गंदी बोतलों में अशुद्ध पानी बेचकर यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने वाले युवकों को करीब आधा किलोमीटर पीछा करके फिल्मी स्टाइल में दबोचा गया। जबकि इनका एक साथी फरार बताया जा रहा है। आरपीएफ ने मौके से रेल नीर, समेत अन्य ब्रांड की अशुद्ध पानी से भरी बोतलें जब्त की हैं। वहीं 2 ड्रम, कई खाली बोतलें, नीले और सफेद रंग के ढक्कनों को भी जब्त किया गया है। आरपीएफ को यह सूचना मिली थी कि नागपुर हावड़ा रूट पर मोमिनपुरा परिषद में शिव मंदिर के पास झाड़ियों में फेंकी गई बोतलों में अशुद्ध पानी बेचकर अशुद्ध पानी बेचकर आउटर पर रुकी ट्रेनों में बेचा जाता है। आरपीएफ के जवानों को देखते ही आरोपी इरफान पानी का ड्रम लेकर भागने लगा। आरपीएफ जवानों ने उसका पीछा किया तो वह ड्रम छोड़कर भागने लगा, लेकिन करीब आधा किलोमीटर के बाद उसे धर दबोचा गया। पूछताछ में आरोपी ने आरपीएफ के जवानों को बताया कि वह कचरा चुनने वालों से खाली बोतल खरीदता है और बाजार से नए ढक्कन खरीदकर नल, कुआं, हैंडपंप या कहीं और से पानी भरता है और बोतलों को सील बंदकर यार्ड में, सिग्नल की वजह से खड़ी होने वाली गाड़ियों में 15 से 20 रुपए प्रति बोतल यात्रियों को बेचता है।

देह व्यापार का पर्दाफाश, महिला सरगना सहित छह गिरफ्तार, पुलिस से ऐसे पकड़ा बड़ा रैकेट

शिमला, 31 मई (एजेंसियां)। पुलिस के विशेष दस्ते ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के नादौन के करीब एक निजी होटल से देह व्यापार में संलिप्त महिला सरगना को दबोच कर बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस की दबिश में सरगना, उसका कार चालक, तीन अन्य महिलाएं तथा होटल मालिक को पकड़ा गया है। पकड़ी गई महिलाएं चंडीगढ़, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। वहीं मुख्य सरगना ज्वालामुखी क्षेत्र की रहने वाली है। पुलिस को काफी समय से इस महिला की तलाश थी। मंगलवार देर शाम पुलिस ने जाल बिछाकर दो कर्मियों को ग्राहक बनाकर मुख्य सरगना के पास भेजा। दोनों कर्मियों ने जब महिला को पैसे दिए, इसी दौरान विशेष दस्ते ने मौके पर ही तीन अन्य महिलाओं को पकड़ कर सरगना के कार चालक को भी हिरासत में ले लिया। वहीं, होटल के मालिक के साथ हुए कुछ लेनदेन को लेकर उसे भी हिरासत में ले लिया गया। पता चला है कि नादौन शहर सहित आसपास के कुछ गांव में किराये के मकान लेकर दूसरे राज्यों से लाई गई लड़कियों को ठहराया गया था। अब पुलिस ने मामला दर्ज करके आगामी छानबीन आरंभ कर दी है। उधर, पुलिस अधीक्षक हमीरपुर डॉ. आकृति शर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।

'द केरला स्टोरी' दिखाने के बहाने 14 साल की लड़की को ले गया घर, फिर पड़ोसी ने की शर्मनाक हरकत, मामला दर्ज

पुणे, 31 मई (एजेंसियां)। छेड़छाड़ की घटनाएं इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं. पुणे के यरवदा से एक और हैरान कर देने वाली छेड़छाड़ की घटना सामने आई है. यरवदा पुलिस ने छेड़छाड़ करने के आरोप में एक शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आरोपी की पहचान 29 साल के सन्नी गुप्ता के रूप में हुई है. पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. दरअसल सन्नी ने अपने पड़ोस में रह रही एक 14 साल की नाबालिग लड़की को 'द केरला स्टोरी' दिखाने के बहाने ले जाकर उसका यौन शोषण किया. पुणे मिरर में प्रकाशित खबर के अनुसार पीड़ित लड़की और आरोपी पड़ोसी थे और उसका अक्सर लड़के के घर आना-जाना लगा रहता था. पीड़िता की मां के मुताबिक, 17 मई की दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब आरोपी उनके घर आया था. उसने साथ में फिल्म देखने का प्लान बनाया. हालांकि, आरोपी थिएटर जाने के बजाय उसे अपने घर ले गया, जहां उसने भद्दी टिप्पणियां कीं और यौन संबंध की मांग करते हुए उससे 500 रुपये की पेशकश की. एकाएक हुई इस घटना से पीड़िता काफी डर गई. इसके बाद पीड़िता ने भागने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उसका हाथ पकड़ लिया. इसके बाद भी वह किसी तरह से वहां से भाग निकली और घर आकर पूरी घटना अपनी मां को बताई. इसके बाद मां ने हिम्मत दिखाई और पुलिस में शिकायत करने पहुंच गई. पुलिस ने मामले में आईपीसी की धारा 354 (महिला की लज्जा भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है.

सीधी में महिला के साथ दरिंदगी, मुंह में मिट्टी डाली, प्राइवेट पार्ट को पहुंचाई चोट

सीधी, 31 मई (एजेंसियां)। सीधी जिले के अमिलिया थाना अंतर्गत एक महिला के साथ दरिंदगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दो आरोपियों ने महिला के साथ घिनौना कृत्य किया। उसके मुंह में मिट्टी डाल दी, ताकि वह शोर नहीं मचा सके। इतना नहीं दरिंदों ने उसके निजी अंग को भी चोट पहुंचाई। पीड़ित महिला के अनुसार जब वह अपने घर से सुबह शौच के लिए निकली तो कुछ ही दूरी पर दो युवक पहले से ही बैठे हुए थे। उन्होंने जैसे ही मुझे अकेला पाया मेरे मुंह में मिट्टी डाल दी और इसके बाद मेरे निजी अंग में डंडा डाल दिया। आरोपियों ने उसकी हत्या की नीयत से उसके सीने पर एक पत्थर भी पटक दिया। पीड़िता के अनुसार जब उसने हल्ला मचाया तो दोनों दरिंदे उसे छोड़कर भाग गए। पीड़िता का कहना है कि दोनों आरोपी उसके ही परिवार के हैं और उसका उनसे पुराना विवाद है। घटना के बाद महिला के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर एंबुलेंस के माध्यम से उसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल अमिलिया लेकर आई। वहां महिला की प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति नाजुक होने से जिला चिकित्सालय सीधी के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर एसपी सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा ने जानकारी दी है कि अमिलिया पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनसे अभी पूछताछ की जा रही है। पूरा मामला घरेलू विवाद का भी बताया जा रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 1 जून- 2023

बहिष्कार पर भारी पड़ा नौ वर्ष का विकास

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

संसद भवन उद्घाटन समारोह बहिष्कार पर सरकार की नौ साल की उपलब्धियां बहुत भारी पड़ी। इस भवन का निर्माण भी मोदी सरकार की उपलब्धियों में शुमार हुआ। सेवा सुशासन गरीब कल्याण के नौ साल में यह नव निर्माण भी जुड़ गया। अब तो ऐसा लग रहा है कि विपक्षी पार्टियों ने सरकार की नौ वर्ष की उपलब्धियों से ध्यान हटाने के लिए, ही हंगामा किया था। नहीं तो इस मसले पर राष्ट्रपति का नाम लेना उनकी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल था। खास तौर पर उन नेताओं के लिए जिन्होंने द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए अभियान चलाया था। विपक्षी पार्टियां द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद पर देखना ही नहीं चाहती थी। विपक्ष की मानसिकता वही थी। अंदाज बदल गया। इस बार संसद भवन के उद्घाटन को लेकर नकारात्मक अभियान चलाया गया था उन्होंने इसमें राष्ट्रपति पद के उल्लेख में भी संकोच नहीं किया। इन्होंने संविधान के अनुच्छेद 79 का उल्लेख किया। इसमें कहा गया कि एक संसद होगी, जो राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी। विपक्षी नेताओं ने इसे पकड़ लिया। ऐसा करते समय एक तो वह अपना अतीत भूल गए। जिसमें राष्ट्रपति की अवहेलना के अनेक उदाहरण है। इसके अलावा उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 75(3) की जानकारी नहीं ली। इसके अनुसार, मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होगी। मंत्रियों की नियुक्ति प्रधानमंत्री के परामर्श पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता और मंत्रिपरिषद का मुखिया होता है।इस रूप नए संसद भवन का उद्घाटन उसी को करना चाहिए था। विपक्ष ने इस प्रकार की अमर्यादित राजनीति नरेंद्र मोदी को घेरने के लिए बनाई गई थी।

यह देखना दिलचस्प है कि जो पार्टियां द्रोपदी मुर्मू बनाने को तैयार नहीं थी, उन्होंने ही नई संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह राष्ट्रपति को उद्घाटन करना चाहिए। इस तरह वह नरेंद्र मोदी को दरकिनार करना चाहते थे। यह कांग्रेस की सुनियोजित राजनीति थी। उन्हें नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन करना स्वीकार नहीं था। यह कांग्रेस की कुंठा थी। नया संसद भवन यूपीए सरकार के कार्यकाल में बन जाना चाहिए था। लेकिन उसकी कार्यशैली जगजाहिर थी। नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन की योजना बनाई। शिलान्यास किया। फिर उद्घाटन भी किया। अच्छा हुआ कि उन्होंने विपक्ष के अनुचित दबाव पर कोई ध्यान नहीं दिया। वह जानते थे कि विपक्ष अपनी राजनीति के लिए राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल कर रहा है लेकिन ग्रह हंगामा भी सत्ता पक्ष को अपनी उपलब्धियां जनता के बीच ले जाने से नहीं रोक सका। उपलब्धियों ने विपक्ष के हंगामे को अप्रासंगिक बना दिया। भाजपा तो तथा सरकार की उपलब्धियां पहुंचाने के लिए महा जनसम्पर्क अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत लखनऊ में मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने विचार व्यक्त किए। इसमें सरकार के नौ वर्ष की उपलब्धियां बताई गई। पिछली सरकार से तुलनात्मक ब्यौरा दिया गया। इसी के साथ विपक्ष की असलियत भी सामने आ गई। शायद राष्ट्रपति का नाम लेकर वह बहिष्कार को बड़ा मुद्दा बनाना चाहता था। जिसमें सरकार उलझ कर रह जाए। उपलब्धियों की बात उसमें दब जाए। लेकिन हुआ उल्टा। बहिष्कार पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। उद्घाटन समारोह में ही इसकी दम निकल गई थी। रही सही कसर महा जनसम्पर्क अभियान ने पूरी कर दी। लखनऊ मीडिया संवाद में योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार की नौ और अपनी सरकार के छह वर्षों की उपलब्धियां गिनाई। केंद्र के साथ उन्होंने सहयोगी संघवाद के विचार पर अमल किया। इससे उत्तर प्रदेश लाभान्वित हुआ। योगी आदित्यनाथ ने सहयोगी संघवाद की नीति पर अमल किया। इसका उत्तर प्रदेश को व्यापक लाभ मिला। देश के विकास में उत्तर प्रदेश उल्लेखनीय योगदान कर रहा है। योगी ने कहा कि नौ वर्षों ने नए भारत के दर्शन हो रहे हैं। यह दर्शन स्वरूप स्तम्भों पर आधारित है। विश्व में भारत के सम्मान में वृद्धि, सुदृढ़ आन्तरिक और वाह्य सुरक्षा,गरीब कल्याण और इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्तम्भों को मजबूत आधार प्रदान किया गया है। यह सेवा,सुशासन और गरीब कल्याण का मॉडल है। स्वाभिमानी समर्थ और सशक्त भारत

का निर्माण हो रहा है। विरासत का सम्मान हो रहा है। काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मन्दिर, केदारनाथ में केदारपुरी, महाकाल में महालोक का निर्माण अभूत पूर्व है। भारत एक बड़ी महाशक्ति के रूप में स्थापित होकर दुनिया को नेतृत्व प्रदान करेगा।

नौ वर्षों में भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं। देश के अन्दर आन्तरिक सुरक्षा की स्थिति बेहतर हुई है। आतंकवाद, नक्सलवाद अलगाववाद और उग्रवाद को रोकने में सफ़लता मिली है।

आजादी के बाद सत्तर वर्षों में देश में केवल चौहत्तर एयरपोर्ट्स बन पाए थे। विगत नौ वर्षों में चौहत्तर नये एयरपोर्ट भारत में बने हैं। हाईवे, एक्सप्रेस-वे, वॉटर-वे, रेलवे लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। उत्तर प्रदेश जैसा लैण्ड लॉक्ड जैसा स्टेट भी फ्लोटिंग जेट्टी का निर्माण करके वॉटर-वे का लाभ ले रहा है। हल्दिया से वाराणसी के बीच राष्ट्रीय जलमार्ग एक क्रियाशील हो गया है। आजादी के बाद के सत्तर वर्षों में मात्र छह एम्स बने थे। आज भारत में बाइस से अधिक एम्स का निर्माण हो चुका है। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज का कार्य चल रहा है। आईआईटी, आईआईएम उन सभी क्षेत्रों में बनाये गये हैं, जिनमें कभी कल्पना नहीं की जा सकती थी।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की प्रोग्रेस इसे दुनिया में सबसे अच्छे गंतव्य के रूप में स्थापित करती है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में पिछले नौ वर्ष के दौरान भारत ने एक अच्छी रैंक यानी लगभग अस्सी रैंक की छलांग लगायी है। उत्तर प्रदेश चौदहवें स्थान से दूसरे स्थान पर आया है। इसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश ने देश में अपने आपको निवेश के बेहतरीन स्थल के रूप में स्थापित किया है।

देश में अन्य क्षेत्रों में भी अच्छा कार्य हुआ है। नौ वर्षों में देश में तीन लाख अट्ठाइस हजार किमी की ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। देश में हाई-वे के निर्माण की गति सैंतीस किमी प्रतिदिन देखने को मिली है। जनधन खातों के माध्यम से अड़तालीस करोड़ लोगों के खाते देश में खोले गये। उत्तर प्रदेश ने इसका सर्वाधिक लाभ प्राप्त किया। प्रदेश में साढ़े आठ करोड़ से अधिक गरीबों के बैंक खाते खोले गये।डिजिटल बैंकिंग और डीबीटी का लाभ सभी को मिल रहा है। जनधन खातों का लाभ हर गरीब, किसान, श्रमिक को प्राप्त हुआ। एक क्लिक में दो करोड़ तिरसठ लाख किसानों सम्मान निधि, पौने दो करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना का लाभ, निराश्रित महिला, वृद्धावस्था तथा दिव्यांगजन पेंशन का लाभ लाभार्थियों को प्राप्त हो रहा था। उज्ज्वला योजना के माध्यम से पहली बार देश में नौ करोड़ साठ लाख परिवारों को स्वच्छ ईंधन की सुविधा प्राप्त

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों चौवन लाख लोगों को आवास प्राप्त हुआ। स्वच्छ भारत मिशन के तहत उत्तर प्रदेश में दो करोड़ इकसठ लाख गरीबों के शौचालय बनाये गये। पूरे देश में ग्यारह करोड़ बहत्तर लाख शौचालयों का निर्माण किया गया। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार तीन लाख लोगों की जान स्वच्छ भारत मिशन के कारण बची। स्वच्छ भारत मिशन को एक जनान्दोलन के रूप में लेने के कारण उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस की बीमारी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। नौ वर्षों में देश में ग्यारह करोड़ घरों में नल से जल पहुंचा है। उत्तर प्रदेश में अब तक सरकार द्वारा एक करोड़ अठारह लाख घरों में नल से जल उपलब्ध कराया जा चुका है।अमृत योजना के अन्तर्गत शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और सीवर बिछाने की कार्यवाही हो रही है।प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से स्ट्रीट वेण्डरों को बैंकों से ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया। स्वामित्व योजना में अब तक प्रदेश में छप्पन लाख परिवारों को घरौनी के माध्यम से उनकी आवासीय जमीन का मालिकाना अधिकार दे दिया गया है। इस वर्ष के अंत तक प्रदेश के हर उस ग्रामीण क्षेत्र में जहां पर ग्राम सभा की किसी भूमि पर जिसने आवास बनाया है, अगर वह रिजर्व कैटेगरी का नहीं है, तो हम उसे घरौनी उपलब्ध करवा करके जमीन का मालिकाना अधिकार उपलब्ध करवा दिया जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ स्कीम आयुष्मान भारत योजना में देश में लगभग पचास करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये तक का बीमा कवर प्राप्त हो रहा है।

घाटी में फिर टारगेट किलिंग

जम्मू कश्मीर घाटी के करमारा सेक्टर में भारतीय सेना ने तीन आतंकवादियों को उस समय धरदबोचा जब 30 मई की रात खराब मौसम और बारिश का फायदा उठाकर भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सेना ने इनके पास 10 किलो आईडी, एके-56 राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और ड्रग्स बरामद किया है। फायरिंग में घायल एक आतंकवादी का पुंछ के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। देखा जाए, तो घाटी में यह लगभग रोज का ही दृश्य बन गया है। आतंकी समूह अपना खौफ कायम करने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाते रहते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से उनमें टारगेट किलिंग की नई प्रवृत्ति देखने को मिल रही है। इसके पीछे उनका मकसद साफ है कि इसके जरिए अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में संदेह और दूरी बनाई जा सके। इस तरह के टकराव पैदा करके वे स्थानीय लोगों में आपसी अविश्वास और उसके बाद अराजकता की स्थिति बनाना चाहते हैं, ताकि उन्हें अपनी कुटिल मंशा को अंजाम देने में कोई दिक्कत न आए। इसी मकसद से जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने सोमवार की रात को फिर एक मजदूर की गोली मार कर हत्या कर दी। यह कोई पहला मामला नहीं है। बीते एक-दो सालों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों ने लक्षित हमले करके किसी कश्मीरी पंडित को मार डाला या फिर किसी प्रवासी मजदूर को। सवाल है कि सुरक्षा व्यवस्था के हर मोर्चे पर मजबूत होने का दावा करने के बावजूद जम्मू-कश्मीर में लक्षित हिंसा की घटनाएं बढ़ती ही क्यों जा रही हैं? आतंकियों के ताजा हमले में जान गंवाने वाला मजदूर जिस सर्कस में काम करता था, उसे अलग से सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी। इसके अलावा सर्कस से जुड़े अन्य लोगों के पास अपनी भी सुरक्षा व्यवस्था थी। इसके बावजूद बाजार में खरीदीदारी करते वह मजदूर आतंकियों के निशाने पर आ गया। ऐसा लगता है कि इस तरह के हमलों के जरिए आतंकी अपने वजूद से लोगों को परिचित कराना चाहते हैं, ताकि वे चर्चा में बने रहें और उनके नाम का खौफ कायम रहे। आतंकवादियों में विश्वास करने वाले किसी भी व्यक्ति या समूह से मानवीयता या सिद्धांत की उम्मीद करना वैसे भी बेमानी है। इसके बाद भी जब वे खुद दुनिया के सामने खुद को सही ठहराने की कोशिश करते हैं तो देखा जा सकता है कि वे उन कसौटियों पर वे खुद ही बहुत निचले स्तर पर जाकर अमानवीय हरकतें करने से बाज नहीं आते। सर्कस में काम करने वाला बेकसूर मजदूर ने किसका क्या बिगाड़ा था जो इतनी निर्मम हत्या का शिकार हो गया? आतंकवादी संगठन जिनके इशारों पर अपनी गतिविधियां चलाते हैं, उनका अकेला उद्देश्य भारत में अस्थिरता पैदा करने के अलावा और कुछ नहीं है। जगजाहिर है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले और हत्याएं करने वाले संगठनों के तार सीमा पार देश से जुड़े हुए हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार यह सवाल उठाता रहा है। कई बार दुनिया के अहम देशों का ध्यान इस ओर खींचने के बाद भी पाकिस्तान को शायद कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। अब तो यहह सिद्ध होने में भी कोई कसर बाकी नहीं रहा है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से आतंकवादी गतिविधियां संचालित हो रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि जम्मू-कश्मीर में तैनात सुरक्षा बलों की ओर से आतंकियों के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों में कोई कमी नहीं की जाती। लेकिन आए दिन आतंकवादी जिस तरह के हमले और कुछ खास तबकों की पहचान को लक्षित करके हत्याएं कर रहे हैं, उसे काबू में करने के लिए सुरक्षा बलों को शायद रणनीति बदलने के लिए प्रेरित कर रहा है।

दिवालिया हो रहे छोटे इकॉनमी वाले देश

एक बहुत बड़ा संकट दुनिया का दरवाजा खटखटा रहा है, लेकिन जो लोग भी इससे निपटने के लिए कुछ कर सकते हैं, वे इसकी तरफ आंखें मूंदे बैठे हैं। यह संकट कई विकासशील देशों के एक कतार से दिवालिया हो जाने का है, जिसकी अनदेखी करते हुए फिलहाल अमेरिका की कर्ज सीमा ही सबकी दिलचस्पी का सबब बनी हुई है।

पिछले साल हमने पड़ोसी मुल्क श्रीलंका को आर्थिक संकट और अराजकता से गुजरते देखा था। लेकिन अफ्रीका में तो ऐसी ही या शायद इससे भी बुरी हालत में पहुंच रहे देशों की लाइन लगी हुई है। यह मामला अफ्रीका तक सीमित नहीं है। वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ के मुताबिक, 60 फीसदी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का अभी यही हाल है।

अफ्रीका में सबसे पहले सन 2020 में जांबिया ने विदेशी कर्जों की अदायगी में असमर्थता जाहिर की। उसके कर्जों की रीस्ट्रक्चरिंग का मामला आज भी सुलटा नहीं है। पिछले साल घाना में जांबिया से भी बड़े दिवालियेपन का मामला उभर आया है। आईएमएफ ने विदेशी कर्जदाताओं को देरी से कर्ज वापसी के लिए मना लेने के बाद काफी सख्त शर्तों के साथ कुछ नए कर्जे भी घाना के लिए जारी किए हैं।

लेकिन विदेशियों का तीन गुना कर्ज घाना में घरेलू कर्जदाताओं-बैंकों और बीमा कंपनियों का है, जिनके लिए कर्जमाफी का मतलब यह होगा कि दिवालियापन सरकार से हटकर घर-घर की कहानी बन एगा। केन्या में भी कुल सरकारी आय का 70 फीसदी हिस्सा फिलहाल कर्ज और ब्याज की अदायगी में जा रहा है और अगले साल आ रही यूरोबॉन्ड की एक बड़ी देनदारी किसी भी हाल में उसके बूते से बाहर रहेगी।

इंटरनैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेंस का कहना है कि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक को केन्या जैसे देशों के कर्ज संकट का निदान उनके हाथ खड़े करने से पहले शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि दिवालिया घोषित होने के बाद अर्थव्यवस्था लंबे समय के लिए ठप हो जाती है।

बहरहाल, मामला दो-चार विकासशील देशों का न होकर 60 फीसदी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संकटग्रस्त होने का है तो दुनिया को फ्रेम से बाहर निकलकर सोचना होगा, क्योंकि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक में सबको उबारने का बूता नहीं है। इतने बड़े पैमाने पर आ रहे संकट की वजह सीधी है। 2008-09 की मंदी के बाद सारी सरकारों ने, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने उद्योग-व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सस्ते कर्जे बांटे और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लंबे-चौड़े काम शुरू कर दिए।

ग्लोबलाइजेशन अपनी रफ्तार से चलता रहता तो जल्द ही इन निवेशों पर रिटर्न आने लगता और धीरे-धीरे कर्जे सधा दिए जाते।

लेकिन पहले 2017 से शुरू हुए डॉनल्ड ट्रंप के संरक्षणवादी उपायों से विश्व व्यापार बाधित हुआ, फिर 2020 की पहली तिमाही बीतने के साथ कोरोना की विश्वव्यापी बंदी शुरू हो गई। आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका के राष्ट्रपति भवन में घुसे प्रदर्शनकारी यूक्रेन वॉर का असर दो साल की इस ऐतिहासिक अड़चन के बाद थोड़ी सांस आनी शुरू हुई तो यूक्रेन में एक छोटे स्तर का 'प्रॉक्सी वर्ल्ड वॉर' ही शुरू हो गया। कच्चा तेल, खाद्यान्न और कर्ज, तीनों की एक साथ महंगाई ने छोटी अर्थव्यवस्थाओं की कमर तोड़ दी। इस क्रम में कुछ देशों की व्यवस्थागत कमजोरियां भी सामने आने लगीं, जो सामान्य स्थिति में शायद ज्यादा देर तक छिपी रह जातीं।

गहलोत और पायलट के बीच क्या फ़ाइनल समझौता है ?

अशोक भाटिया

पिछले लंबे समय से गहलोत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले सचिन पायलट को एक बार फिर कांग्रेस हाईकमान सुलह के रास्ते पर लाने में कामयाब होने का दावा कर रहा है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की चुप्पी के बीच सियासी सीजफायर की घोषणा हो गई है।सचिन पायलट के आंदोलन के अल्टीमेटम से ठीक पहले कांग्रेस हाईकमान से जुड़े नेताओं ने उन्हें मनाने और गहलोत-पायलट के फिर एकजुट होने का दावा किया है। जुलाई 2020 से लेकर अब तक यह तीसरा मौका है, जब पायलट से सुलह हुई है, लेकिन उनकी मांगें अब भी जस की तस हैं। ऐसे में इसे परमानेंट सुलह नहीं माना जा रहा। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर हुई बैठक के बाद केसी वेणुगोपाल ने सुलह की घोषणा भी इशारों में की, न कोई फॉर्मूला बताया, न गहलोत और पायलट ने कोई बयान दिया। कांग्रेस हाईकमान के लिए राहत वाली बात यह है कि विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान जैसे राज्य में रोज झगड़ों से होने वाली किरकिरी पर कुछ विराम लगेगा।

दरअसल मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर गहलोत और पायलट के बीच साल 2018 के विधानसभा चुनावों में मिली जीत के बाद से ही तकरार शुरू हो गया था। साल 2020 में अपनी ही सरकार को अल्पमत में बताकर समर्थक विधायकों के साथ मानेसर चले जाने के बाद तकरार अदावत और अदावत बगावत में बदल गई। उसके बाद से दोनों ही पक्षों की तरफ से जिस तरह के बयान आये उसने मामले को उलझा दिया।

लेकिन अपनी ही सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच नहीं कराने के आरोप लगाकर पायलट ने जब पहले अनशन और उसके बाद पदयात्रा की तो हाईकमान को फिर से हस्तक्षेप करना पड़ा। जिसके बाद एक बार फिर से वहीं समझौते की तस्वीर सामने आ गई। ऐसे में बीजेपी ने भी तंज कसना शुरू कर दिया है की 9 बार समझौते के बाद भी जब तकरार बरक़रार है तो अब जनता को और गुमराह नहीं किया जा सकता। बहरहाल एकजुटता के साथ चुनाव लड़ने की बात के साथ समझौते को लेकर मुस्कराती हुई गहलोत और पायलट की तस्वीर तो सामने आ गई। उस पर सचिन पायलट द्वारा अपने अधिकारिक सोशल मीडिया पर इससे जुड़े विडियो को शेयर करके उस पर सहमति देने की खबर भले ही राहत देने वाली हो।इस दौरान दोनों की ही चुप्पी और सुलह के फार्मूले के सामने नहीं आने को लेकर सियासी सवाल अब भी जस के तस बने हुए हैं। अब सबकी नज़रें इस पर लगी है की कांग्रेस हाईकमान ने इस मुद्दे पर किस फार्मूले के साथ निर्णायक हल निकालता है।

यह जग जानी बात है कि गहलोत और पायलट के बीच असली लड़ाई मुख्यमंत्री कुर्सी की है। दोनों नेता ये बात कांग्रेस हाईकमान से कह नहीं सके।वैसे मुद्दों की आड़ में राजनीतिक दबाव बनाने के एक और एपिसोड का सोमवार रात पटाक्षेप तब हो गया, जब बिना किसी समझौता पत्र और शर्तों के सचिन पायलट और अशोक गहलोत कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगपाल के साथ दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के निवास के बाहर मीडिया के सामने आए। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह निर्णय लिया है कि दोनों नेता साथ रहेंगे और बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। हम फिर जीत हासिल करेंगे, लेकिन इस दौरान गहलोत और सचिन पायलट दोनों नेताओं ने एक शब्द नहीं कहा, दोनों ने कभी मुस्कुराकर तो कभी सीरियस चेहरा बनाकर अपनी चुप्पी के जरिए ही काफी कुछ बिना कहे ही कह दिया।

अब सवाल ये खड़ा होता है कि क्या राजस्थान की जनता और गहलोत-पायलट के समर्थक कांग्रेस पार्टी की छिपाने की राजनीति को नहीं समझेंगे और झांसे में आ जाएंगे। ये बात दोनों नेता भी अच्छी तरह से समझते हैं। क्योंकि कांग्रेस हाईकमान ने कोई सॉल्यूशन और फॉर्म्यूला का खुलासा नहीं किया। केवल ठंडे छींटे देकर दोनों को फिलहाल शांत किया गया और साथ रहकर चुनाव लड़ने को कहा गया है। पार्टी हाईकमान ने एक बार फिर गहलोत और पायलट को अलग-अलग बुलाकर अलग-अलग मंत्र दिए हैं। ऐसा ही सियासी बगावत के बाद सचिन पायलट के वापस आने पर किया गया था। सियासी मंचों पर ही कांग्रेस हाईकमान कई बार गहलोत और पायलट दोनों के हाथ साथ में उठवाकर प्रदेश में ऐसे मैसेज देती रही है, लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकल सका है। फिर से बहुत सारे सवाल खड़े हो गए हैं। क्योंकि असली लड़ाई तो गहलोत और पायलट के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी की है। जो लड़ाई विधानसभा चुनाव लड़ने से पहले भी थी और चुनाव जीतने के बाद भी हुई थी। गहलोत के मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही पायलट हमेशा उनसे खफा ही रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि सचिन पायलट ने तीन मांगें रखी थीं। इन मांगों पर भी कोई ठोस आश्वासन पायलट को नहीं मिला है। पायलट का अल्टीमेटम भी 30 या 31 मई तक ही है, जो अब खत्म हो रहा है। पब्लिक में सामने आकर मैसेज देने के बाद फिलहाल कुछ दिन सचिन पायलट आंदोलन नहीं करेंगे, यह उनकी सियासी मजबूरी भी बन गया है। पायलट तभी खुलकर विरोध वापस शुरू कर सकेंगे, जब उन्हें अलग से मिले पार्टी हाईकमान के आश्वासन का टाइम पीरियड खत्म नहीं हो जाए। सचिन पायलट पार्टी हाईकमान के सामने खुलकर यह तक नहीं कह सके कि उन्हें मुख्यमंत्री का पद चाहिए। मौजूदा मुख्यमंत्री पद पर बदलाव चाहिए या भविष्य में सरकार रिपीट होने पर मुख्यमंत्री पद देने का विश्वास दिलाया जाए। क्योंकि कांग्रेस हाईकमान के सामने इस तरह की मांग पायलट खुद नहीं कर सकते थे। ये मांग समर्थक मंत्री-विधायक ही उठा सकते हैं। इसलिए अब सचिन पायलट उनके साथ चर्चा करने के बाद ही आगे कोई स्टैप लेंगे।

केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि दोनों नेताओं गहलोत और पायलट ने फैसला हाईकमान पर छोड़ दिया है। वो क्या फैसला छोड़ा गया है और कब तक उस पर एक्शन होगा इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। पिछली वसुंधरा राजे सरकार के कथित घोटालों और भ्रष्टाचार की जांच के लिए सरकार क्या कोई कदम उठाएगी, पेपर लीक मामले में क्या सभी अभ्यर्थियों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा, आरपीएससी को क्या भंग किया जाएगा। इन मुद्दों पर न तो वेणुगोपाल बोले, न मुख्यमंत्री गहलोत और सचिन पायलट ने कोई स्टैण्ड क्लीयर किया है। इससे बेरोजगार युवाओं, किसानों, आम जनता में भी नाराजगी है। क्या जनता की भावनाओं और मैन पावर को फिजूल में ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस्तेमाल नेताओं और कांग्रेस ने किया है ?

देश में स्त्रियों की स्वतंत्रता और रक्षा की अराजक स्थिति

संजीव ठाकुर

अब भारत में स्त्रियों की स्वतंत्रता रक्षा एवं अस्मिता बचाने की स्थिति बड़ी भयावह हो चुकी है l एक नाबालिक बालिका साक्षी को प्रेम प्रसंग के चलते युवक द्वारा चाकू तथा पत्थरों से सरेराह भीड़ के बीच मौत के घाट उतारना एक दर्दनाक कथा भयावह घटना है अब क्या हम मानव से पशु हो चुके हैं जो जो महिलाओं की इस तरह दर्दनाक हत्या करने पर आमादा हैंl इसके पूर्व भी एक युवती श्रद्धा की एक प्रेमी युवक द्वारा शरीर के 34 टुकड़े कर खौफनाक हत्या कर दी गई थी. ऐसा लगता है मानो समाज में कोई सुरक्षा व्यवस्था है ही नहींl दूसरी तरफ देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल लाने वाली साक्षी मलिक विनेश फोगाट और अन्य महिला भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर महिला तथा पुरुष पहलवानों द्वारा लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है बात यहां तक पहुंच गई है कि वे अपनी कड़ी मेहनत तथा खून पसीने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के बाद देश के लिए प्राप्त किए मेडल को हरिद्वार जाकर गंगा में विसर्जित करने के लिए मजबूर हो गई थी। उन्हें समझा-बुझाकर ऐसा करने से रोक तो लिया गया है पर क्या न्याय में देरी न्याय के विमुख होना नहीं है, इसी तरह मणिपुर में हिंसा के खिलाफ मीराबाई चानू तथा अन्य 11 मेडलिस्ट ने अपने पदक वापस करने की घोषणा कर दी है। स्थिति बड़ी अराजक एवं भयावह है देश में सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था एकदम लचर हो गई है महिलाएं असुरक्षित है और न्याय की के लिए बाट जोहने पर मजबूर है। हम कागज में महिला सुरक्षा स्त्री सशक्तिकरण महिला भागीदारी की बढ़-चढ़कर बात करते हैं पर धरातल पर वेबसाइट के विपरीत और चिंतनीय है।

देश की विशाल जनसंख्या मैं 50% की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है।

महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा।

वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45% से 50% भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही हैl आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थीl अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता हैl परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण हैl

महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी हैl सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैंl और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया हैl

अंतरिक्ष युद्ध की आहट और रणनीतिक सकपकाहट

कमलेश पांडे

युद्ध एक पाशविक प्रवृति है, जो मनुष्यों ने पशुओं के संसर्ग में आकर/रहकर सीखी है। हालांकि पशु तो महज भोजन के लिए एक-दूसरे पर आक्रमण करते हैं, लेकिन मनुष्य तो सिर्फ अपने अहंकार की संतुष्टि के लिए और कभी कभार गुटबंदी के लिए। इसलिए किसी भी संभावित युद्ध से बचने का बस एक ही उपाय है, वो यह कि खुद को इतना मजबूत/शक्तिशाली बना लिया जाए कि कोई हमला करने के बारे में सोच कर भी घबरा जाए। वाकई केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार भी पिछले 9 वर्षों से यही कर रही है, जिससे दुनिया का शक्ति-संतुलन गड़बड़ाने लगा है। यह सरकार अपने राष्ट्रीय हितों और वैश्विक जरूरतों के बारे में इतनी सजग है कि वसुधैव कुटुम्बकम के शाश्वत व अकाट्य भारतीय सिद्धान्तों, जिससे गुटनिरपेक्षता भी ओत-प्रोत है, के आगे अमेरिकन लॉबी और रशियन लॉबी की एक नहीं चलने दे रही है। यहां पर अमेरिकन लॉबी का मतलब अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी जैसे नाटो देशों से है। जबकि रशियन लॉबी का मतलब रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान, तुर्की जैसे सीटो देशों से है। वहीं, भारत तीसरी दुनिया के देशों को साधकर दुनिया के बहके हुए विकसित देशों के निरंकुश व्यक्तिगत और सामूहिक स्वार्थों को संतुलित करने की जद्दोजहद में जुटा हुआ है और अपने लक्ष्यों को धीरे धीरे ही सही, लेकिन दृढ़तापूर्वक प्राप्त कर रहा है। इन मसलों पर फ्रांस, इजरायल और जापान जैसे देश भारत की खुलकर मदद भी करते हैं।

इन वार लव ट्रेंगल जैसे त्रिकोणीय युद्ध हालातों के बीच भले ही तीसरा विश्व युद्ध टलता जा रहा हो, लेकिन अमेरिकी गुट और रूसी गुट की वैश्विक बादशाहत को बनाये रखने के लिए जो छोटे-छोटे युद्ध हो रहे हैं, वो इस बात की चुगली कर रहे हैं कि प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध को झेल चुकी यह दुनिया आखिरकार कबतक तीसरा विश्व युद्ध टाल पाएगी। क्या प्रथम विश्व युद्ध के गोला बारूद, द्वितीय विश्व युद्ध के परमाणु बम की तरह तीसरे विश्व युद्ध में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कोई नया गुल खिलाएगी और इस बार जल, थल, नभ के अलावा अन्तरिक्ष में भी युद्ध होगा।

यदि अंतरिक्ष युद्ध की नौबत आई तो अमेरिका-ब्रिटेन गुट और रूस-चीन गुट की तरह क्या भारत को भी जापान/फ्रांस के साथ मिलकर कोई अंतरिक्ष गुट तैयार कर लेना चाहिए। ये सब बातें मैं इसलिए कर रहा हूँ, क्योंकि हाल ही में अमेरिकी सेना के एक अधिकारी ने कहा था कि अगर जरुरत पड़ी तो हम अंतरिक्ष में भी युद्ध करने के लिए तैयार हैं। आपकी याददाश्त ताजा करा दें कि रूसी और चीनी अधिकारी भी पूर्व में ऐसी धमकियां दे चुके हैं।

घर के इस कोने में मोरपंख लगाना बेहद शुभ

यदि आप चाहें तो उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर भी रख सकते हैं। इस दिशा में मोर का पंख रखने से अपार धन-दौलत

घर में मोरपंख रखना बेहद शुभ माना जाता है। इसके रखने से नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती हैं। माना जाता है कि यह खुशी का प्रतीक है। क्योंकि मोरपंख बेहद आकर्षक होते हैं। कहते हैं जिस तरह मोर को देखकर खुशी मिलती है, उसी तरह घर में मोरपंख रखने से खुशी मिलती है। इसको घर में रखने से धन-दौलत की कमी नहीं होती है, साथ ही तरक्की की राह भी खुलती है। कई घरों में लोग मोरपंख को गुलदस्ता बनाकर भी रखते हैं। लेकिन क्या आपको पता कि घर के किस कोने में मोरपंख रखना बेहद शुभ होता है। मोरपंख रखने का सही तरीका।

धन-दौलत के योग: दिशाओं में दक्षिण-पूर्व दिशा को बेहद शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूर्व दिशा के स्वामी सूर्य देव और इंद्र देव होते हैं। इसके चलते मोरपंख को घर की पूर्व दिशा में रखना बेहद शुभ होता है। के योग बनते हैं।

घर में होगी बरकत: बता दें कि, वैसे तो उत्तर पश्चिम दिशा में मोरपंख लगाना ठीक नहीं माना जाता है, लेकिन यदि किसी की कुंडली में राहु का दोष हो तो उनके लिए यह दिशा शुभ मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, ऐसा करने से राहु का दोष समाप्त होता है। साथ ही घर की बरकत भी शुरू हो जाती है।

स्टडी टेबल पर रखें: वास्तु शास्त्र के मुताबिक, मोरपंख का शिक्षा ग्रहण में भी बड़ा रोल होता है। इसके लिए विद्यार्थी वर्ग को मोरपंख अपनी किताब में या फिर स्टडी टेबल पर रखना चाहिए। इससे पढ़ाई में मन लगता है। यदि आप चाहें एक मोरपंख को साथ भी रख सकते हैं।

गृह क्लेश खत्म होगा: घर में ज्यादातर लोग मोरपंख को सजाने भर के लिए लगाते हैं। लेकिन आपको बता दें कि ये मोरपंख घर में नकारात्मक शक्तियों को घुसने की इजाजत नहीं देते हैं। यदि आप अपने लिविंग रूम की पूरब वाली दीवार पर मोरपंख लगाते हैं तो घर में क्लेश नहीं होता है।

बैडरूम में लगाएं: वास्तु शास्त्र के मुताबिक, घर के बैडरूम में मोरपंख लगाने से वैवाहिक जीवन में शांति बनी रहती है। साथ ही खुशियों का आगमन भी होता है। शादी के बाद यदि पति-पत्नी में झगड़े शुरू हो गए हैं। ऐसे में मोरपंख लगाने से पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।

त्र्यम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

त्र्यम्बकेश्वर वीआईपी दर्शन के 200 रुपए, छू भी सकते हैं

त्र्यम्बकेश्वर : महाराष्ट्र के नासिक जिले के त्र्यम्बक गांव में मौजूद इस ज्योतिर्लिंग के VIP दर्शन के लिए 200 रुपए का पास ले सकते हैं। मंदिर सुबह 5.30 बजे खुल जाता है और रात 9 बजे बंद होता है।

नॉन VIP श्रद्धालुओं को 5 मीटर दूर से दर्शन करने को मिलते हैं। VIP श्रद्धालु अंदर जाकर ज्योतिर्लिंग को छूकर पूजा कर सकते हैं।

यहां विशेष पूजाएं अलग से पंडितों के जरिए कराई जा सकती हैं। मंदिर ट्रस्ट द्वारा किसी भी विशेष पूजा का आयोजन नहीं किया जाता, ना ही कोई चार्ज लिया जाता है।

पूजा (त्र्यम्बकेश्वर)चार्ज	
नार्मल ग्रुप पूजा	2100 रुपए
1500 रुपए	राहू-केतू की संपूर्ण जाप पूजा/
सेपरेट पूजा	महापूजा
	5100 रुपए

क्या आप भी बोलचाल में करते हैं अपशब्द का इस्तेमाल

संत कबीर दास का बहुत प्रसिद्ध दोहा है 'ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोये। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए। इस दोहे को अगर कोई व्यक्ति अपने मन में बैठा ले तो उसका जीवन सफल हो जाए। लेकिन अनियमित दिनचर्या और बेवक्त खानपान की वजह से सभी के व्यवहार में बहुत बदलाव आए हैं। तामसिक भोजन खाने की वजह से भी लोगों में गुस्सा करने की प्रवृत्ति अधिक हो गई है। जिसके कारण उनके मुंह से हर बात पर अपशब्द निकलना लाजमी है। अपशब्द ना सिर्फ रिश्ते खराब करते हैं बल्कि अपशब्द बोलने वाले को भी मानसिक रूप से परेशान होना पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में इसके उपाय हैं जिसके बारे में हमें बता रहे हैं भोपाल के रहने वाले ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार

अपशब्द कहने के कई कारण हो सकते हैं

इंसान द्वारा किए जाने वाले कोई भी काम बिना वजह नहीं होते। हर काम के पीछे कोई ना कोई वजह जरूर होती है। इसी तरह अगर कोई व्यक्ति अपशब्द बोल रहा है तो उसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान होता है या तनाव में होता है तो अपना गुस्सा निकालने के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर लेते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों की संगति ऐसी होती है जो हर बात में अपशब्द कहने की आदत डाल देती है। कुछ मामलों में इन सब चीजों के पीछे कुंडली में ग्रह नक्षत्रों को भी दोषी माना जाता है।

अपशब्द कहने से बचाते हैं ये उपाय

1. यदि किसी व्यक्ति की लगातार अपशब्द बोलने की आदत हो गई है और वह इस आदत को छुड़ाना चाहते हैं तो उसके लिए कुछ ज्योतिषी उपाय हैं। जिन्हें करके आप इस बुरी आदत से छुटकारा पा सकते हैं।
2. हर दिन सुबह स्नानादि से निवृत्त होकर कुछ भी खाने से पहले हमेशा थोड़ी सी सौंफ और मिश्री अपने मुंह में रखें। ऐसा करने से आपकी वाणी में मधुरता आएगी और किसी को भी अपशब्द बोलने से पहले आप खुद को नियंत्रित करने में सक्षम हो जाएंगे।
3. आप नियमित रूप से ऐं उच्चारण भी कर सकते हैं। ऐसा करने से आपकी वाणी तो मधुर होगी साथ ही आप विनम्र स्वभाव के भी हो जाएंगे।
4. यदि आप खुद हरी मिर्च खाना छोड़ कर नियमित रूप से दूसरों को हरी मिर्च खिलाएंगे तो आपकी वाणी सौम्य हो जाएगी।
5. शुक्रवार के दिन छोटी-छोटी कन्याओं को नमकीन चीजें खिलाने से भी आपकी वाणी मधुर हो सकती है।
6. यदि आप गुस्से में अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो मंगलवार के दिन बेसन और मसालों का दान करें कुछ ही दिनों में फर्क नजर आने लगेगा।
7. वाणी मधुर बनाने के लिए तांबे के तीन सिक्कों में गोमती चक्र मढ़वा लें और उसे बुधवार या शनिवार के दिन हरे धागे में धारण करें फायदा होगा।

आज तक नहीं सूखा इस कुंड का जल, 5000 साल पहले सप्त ऋषियों ने किया था निर्माण

भारत के इतिहास से जुड़े बहुत से ऐतिहासिक स्थल आज भी हरियाणा में मौजूद हैं । ऐसा ही एक ऐतिहासिक स्थल है सोनीपत के गांव खेड़ी गुर्जर में। सतकुंभा का इतिहास करीब 5000 साल से भी पुराना है। बताया जाता है कि सतयुग में यहां सप्त ऋषि आए थे और उन्होंने एक कुंड का निर्माण किया था। जिसमें आज भी सभी दिशाओं से धाराएं बहती हैं। आज भी इस कुंड में नहाने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं । साथ ही पास में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में माथा टेकते हैं और उसके बाद बाबा सीताराम के दर्शन करते हैं। सप्त ऋषियों के कुंड के साथ हवन के लिए 7 कुंड भी यहां बनाए गए थे ।

प्राचीन काल में चकवा बैन न्यायप्रिय एवं चक्रवर्ती सम्राट थे। राजा चकवा बैन राजकोष से कोई भी खर्च न लेकर अपने परिवार का खर्च रस्सी बनाकर व खेतों में स्वयं हल चला कर करते थे। उनकी रानी बिंदु मति भी अपने परिवार के लिए पीने का पानी स्वयं ही भर कर लाती थी। राजा का इतना प्रताप था कि पृथ्वी के सभी राजा चकवा बैन को वार्षिक कर के रूप में सोना भेंट करते थे। जिनमें लंका का राजा रावण भी शामिल था।

चुनकट ऋषि और चकवा बैन में हुआ था युद्ध

यह स्थान ऋषि मुनियों व तपस्वियों का स्थान रहा है। इस स्थान पर श्री चुनकट ऋषि ने घोर तपस्या की थी । चुनकट ऋषि का नाम बचपन में श्रीकांत था। जिन्होंने महाऋषि अंगीरा से आलौकिक ज्ञान प्राप्त किया। वहीं चकवा बैन व चुनकट ऋषि युद्ध हुआ, जिस वजह से राजा चकवा बैन की संपूर्ण सेना व उसकी राजधानी का सर्वनाश हो गया। बाद में राजा चकवा बैन ने चुनकट ऋषि से क्षमा याचना कर हिमालय पर्वत पर घोर तप करने के लिए चले गए।

युद्ध में हार के बाद निर्जीव हो गया था स्थान

राजा चकवा बैन के पतन के बाद यह स्थान निर्जीव हो गया। जिसके बाद सप्त ऋषियों ने इस स्थान पर घोर तप किया। उस दौरान सप्त ऋषियों ने सात कुएं खोद कर यहां एक तालाब स्थापित किया।जिसमें भारत के 67 तीर्थ स्थानों का जल लाकर उसमें एकत्रित किया गया। इस तीर्थ में सात कुएं होने के कारण यह सतकुम्भा 68वां तीर्थ कहलाया ।इस तीर्थ के विषय में प्राचीन मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु 11 अमावस्या, पूर्णमासी या रविवार को स्नान करता है तो उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। इस तीर्थ का जल प्राचीन काल के समय से लेकर अब तक समाप्त नहीं हुआ है।

बाबा सीताराम ने सतकुंभा मंदिर को दिया नया जीवन

उपमंडल के गांव खेड़ी गुर्जर स्थित सतकुंभा मंदिर का इतिहास बहुत ही प्राचीन है गांव खेड़ी गुज्जर में ऊंचे टीले पर की गई खुदाई के दौरान गुर्जर प्रतिहार कालीन के 16 स्तम्भ प्राप्त हुए हैं। सतकुम्भा मंदिर के पीछे करीब 45 फीट गहरा कुआं नुमा सुरंग है। बाबा सीताराम ने इस प्राचीन स्थान को एक बार फिर से जीवित किया था और यही लगातार 36 सालों तक तप किया । सन 1877 मे बाबा ने समाधी ले ली ।इस के बाद ब्रह्मचारी पंडित देईराम ने इस जगह का विकास किया और तपस्या करते हुए समाधि ले ली । यहां वर्ष में दो बार मेला आयोजित होता है ।पहला मेला कार्तिक की पूर्णमासी व दूसरा मेला सावन के अंतिम रविवार को आयोजित होता है।मेले के दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र तालाब में स्नान कर पुण्य अर्जित करते है ।

वास्तु : घर में मकड़ी के जाले करते हैं जीवन का बड़ा नुकसान

मकड़ी का घर में होना अलग-अलग क्षेत्रों में शुभ और अशुभ दोनों माना जाता है। सामान्यतः वास्तु कहता है कि घर में मकड़ी जाले दरिद्रता के सूचक हैं, इन्हें तत्काल साफ करना चाहिए। मकड़ी एक जहरीला जीव है जिसका घर में होना बीमारियों की वजह बन सकता है। वास्तु अनुसार मकड़ी के जाले होने से घर में 5 तरह के दोष आते हैं।

5 तरह के दोष

1. इससे घर की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होती है।
2. इससे घर के मुखिया की प्रगति रूक जाती है।
3. इससे घर में प्रेम और रिश्तों में दूरी आ जाती है।
4.इससे धार्मिक कार्यों का लाभ और पुण्य नहीं मिलता है। क्योंकि भगवान स्वच्छता में रहना पसंद करते हैं।
5. घर में नकारात्मकता, अवसाद और निराशा आने लगती है। मकड़ी का जाला जीवन में उलझनों के बढ़ने का संकेत होता है।

मकड़ी के शुभ फल

1.जिस पर मकड़ी गिर जाए उसे नए कपड़े मिलते हैं।
2.मकड़ी मौसम का संदेश देती है।
3.मकड़ी अकारण काटती या नुकसान नहीं पंहुचाती जब तक कि उसे छेड़ा न जाए अतः कुछ स्थानों पर इसे किसानों का साथी माना जाता है। यह चींटीं खत्म कर देती है।
4.अगर आप जाल बुनते हुए मकड़ी देखते हैं तो यह संकेत हैं कि आपको जल्दी कामयाबी मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति बेहतर होगी प्रशंसा प्राप्त कर सकते हैं।
5. मकड़ी अगर सपने में भी जाल बुनते दिखे तो यह भी शुभ फलदायक होता है।
6. ऊपर चढ़ती मकड़ी तरक्की का संदेश देती है।

मकड़ी कैसे भगाएं।

पिपरमिंट ऑयल का स्प्रे करें।
वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें।
मकड़ी के जालों की सफाई हर सप्ताह करने का नियम बनाएं।
घर के बाहर की सफाई न भूलें।
मकड़ियां घर के अंदर ही नहीं बल्कि बाहर भी जाले बनाती हैं।
घर से मकड़ियों को दूर रखने के लिए पेस्ट कंट्रोल करने वाली कंपनी से संपर्क साधें।
हॉउस क्लीनिंग सर्विस मकड़ी के जाले अच्छे से साफ कर देंगी।

7 जून को वृष में बुध का गोचर, 4 राशिवालों को नई नौकरी, धन लाभ, वेतन वृद्धि का योग

ग्रहों के राजकुमार बुध का राशि परिवर्तन जून 2023 में होने जा रहा है। 7 जून को शाम 07 बजकर 58 मिनट पर बुध का गोचर वृष राशि में होगा। वृष राशि में बुध 23 जून तक विद्यमान रहेगा और उसके बाद 24 जून को दोपहर 12 बजकर 48 मिनट पर मिथुन राशि में गोचर करेगा। 7 जून से 24 जून तक बुध वृष राशि में होगा। 21 जून को सुबह 04 बजकर 35 मिनट पर बुध वृष राशि में अस्त होगा। बुध अभी मेष राशि में है। बुध के राशि परिवर्तन से 4 राशिवालों को विशेष लाभ होगा। उनके करियर में उन्नति होगी और जीवन में खुशहाली आएगी। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ। मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं वृष में बुध गोचर का राशियों पर सकारात्मक प्रभाव।

बुध गोचर 2023 राशियों पर सकारात्मक प्रभाव

वृष: बुध ग्रह का गोचर आपकी ही राशि में हो रहा है, इसलिए लिए इससे आपको लाभ होगा। आपकी राशि के लोगों पर किस्मत मेहरबान रहेगी। जिस काम को करेंगे, उसमें सफलता प्राप्त होगी। यश और कीर्ति भी बढ़ेगी।

नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिल सकता है और उनके वेतन में वृद्धि भी हो सकती है। बिजनेस करने वालों को मुनाफा कमाने का अवसर मिलेगा। कुल मिलाकर बुध गोचर से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कन्या: वृष में बुध का गोचर आपके लिए शुभ परिणामदायक हो सकता है। जो लोग नई जॉब की तलाश कर रहे हैं, उनको जून में नई नौकरी मिल सकती है। वर्कप्लेस पर आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा, जिसकी सबलोग प्रशंसा करेंगे।

मकर: बुध का गोचर आपके लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इस समय में किया गया निवेश आपको अच्छा धन लाभ कराएगा। भाग्य का भी साथ मिलने से सफलता में चार चांद लग जाएगा। करियर ग्रोथ के लिए यह समय अनुकूल है।

मीन: आपकी राशि के जातकों के लिए बुध गोचर खुशखबर देने वाला है। नौकरी करने वाले लोगों की सैलरी बढ़ सकती है और पद-प्रतिष्ठा में भी वृद्धि के संकेत हैं। इससे घरवाले काफी खुश होंगे। बिजनेस में कार्य का विस्तार करने में सफल होंगे। जून में आपको धन की कमी नहीं रहेगी। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत होगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मलाइका अरोड़ा की असली उम्र का हुआ खुलासा, अरबाज से दो साल बड़ी थीं एक्ट्रेस

मलाइका अरोड़ा अपनी बोल्डनेस की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं और साथ ही वो अर्जुन कपूर के साथ रिश्ते को लेकर भी छाई रहती हैं. इसी बीच में अब एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनकी उम्र का खुलासा हो रहा है. मलाइका और अर्जुन कपूर की उम्र के बीच 12 साल का फर्क है और इसे लेकर लोग उन्हें अक्सर ट्रोल भी किया जाता है. लेकिन अर्जुन ही नहीं मलाइका तो एक्स हसबैंड अरबाज खान से भी 2 साल बड़ी हैं. ये हम नहीं बल्कि एक्ट्रेस का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ये खुलासा किया गया है.

इन दिनों मलाइका अरोड़ा का एक पुरानी वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. जिसमें उन्होंने अपनी रियल एज का खुलासा किया है. इस खुलासे के बाद एक्ट्रेस की रियल एज सामने आई है जिसके बाद फैंस कंफ्यूज हो गए हैं. दरअसल, एक साजिद खान के एक पुराने शो में मलाइका और उनके एक्स हसबैंड अरबाज खान ने बैठे नजर आ रहे हैं. इस शो में साजिद मलाइका और अरबाज का इंटरव्यू लेते नजर आ रहे हैं. जिसमें वे मलाइका से पूछते हैं कि अरबाज उनसे उम्र में दो साल छोटे हैं तो ऐसे में वे कैसा महसूस करती हैं. इस पर मलाइका उन्हें जवाब देती हैं कि वे उन्हें अच्छा लगता है.

दरअसल इस वीडियो के आने के बाद से ही हर कोई हैरान रह गया है. दरअसल अगर आप गूगल पर सर्च करते हैं तो अरबाज खान की उम्र 55 साल दिखाई जा रही है, तो ऐसे में सवाल ये है कि अगर मलाइका अरबाज से दो साल बड़ी हैं तो इस हिसाब से तो उनकी उम्र 57 साल है. हालांकि वो फिलहाल गूगल के हिसाब से 49 साल की हैं. ऐसे में अब हर कोई सच जानना चाह रहा है कि आखिर मलाइका की एज है कितनी.

57 साल में इतनी फिट

जहां मलाइका के उम्र को लेकर लोगों के मन में कंफ्यूजन बना हुआ है तो वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया यूजर उनकी खूबसूरती को लेकर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'अगर यह 57 साल की हैं तो ओह माई वाव ये हॉट हैं.' एक दूसरे शख्स ने कमेंट किया, 'तो ये 57 की हैं, मैं एज शेमिंग नहीं कर रही,लेकिन मैं कंफ्यूज हूं कि आखिर ये इस उम्र में इतनी फिट कैसे हैं? गूगल पर 49 था तो मैंने सोचा की 55 का होने के बाद मुश्किल होती होगी फिट रहने में आधार कार्ड निकलवाओ इनका, इतनी फिट.'

करियर शुरू करने से पहले मां ने दी थी वॉर्निंग, कहती थीं मेरी नाक मत कटाना

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने हाल ही में सलमान खान स्टारर फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड डेब्यू किया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में पलक ने बताया कि जब वे टीन एज में थीं तब उनकी मां उन्हें लेकर बहुत स्ट्रिक्ट थीं। पलक ने मां के साथ अपने बॉन्ड पर चर्चा की।

मां का भरोसा जीतना बड़ा मुश्किल था

एक इंटरव्यू में पलक ने बताया, 'जब मैं टीनएज में थी तब मेरे लिए मां को मुझ पर यकीन दिलाना सबसे मुश्किल काम था। मुझे लगता है कि मैं एक बेतरतीब टीनएजर थी और इस वजह से मां मुझ पर यकीन नहीं कर पाती थी। हालांकि, बीते कुछ सालों में मैंने मां का भरोसा जीता। मां जानती थीं कि मैं परफेक्ट नहीं हूं पर वो यह भी जानती थीं कि मैं उतनी बुरी भी नहीं हूं।'

मां हमेशा पूछती थी- 'क्या कर रही हो?'

पलक ने यह भी बताया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था मां ने उन्हें वॉर्निंग दी थी कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मेरी इमेज खराब मत करना। बॉलीवुड शादी से बात करते हुए पलक ने कहा, 'जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की तो मां ने मुझसे साफ-साफ कहा कि मेरी नाक मत कटाना। मैं कुछ भी करती थी तो वो हमेशा पूछती थीं क्या कर रही हो? यह उनका चिंता करने का अपना तरीका है।'

मां मेरे लिए डैमेज कंट्रोल पर्सन से ज्यादा हैं

पलक ने आगे कहा, 'अगर कभी मां को मेरी कोई चॉइस पसंद नहीं आई तब भी उन्होंने मुझे कभी जज नहीं किया। उन्होंने मुझे अपनी परेशानियों से खुद डील करने की आजादी दी है। वो मेरे लिए डैमेज कंट्रोल पर्सन से ज्यादा हैं। अगर कुछ गलत होता है तो उनका जवाब हमेशा बस इतना ही होता है कि 'रिलैक्स करो, यह दुनिया की सबसे बुरी चीज नहीं है। इससे भी बुरी चीजें हुई हैं और लोग ठीक हैं।'

'मेरा बॉयफ्रेंड भाग गया' मृणाल ठाकुर का अजीब वजह से हुआ ब्रेकअप

बॉलीवुड इंडस्ट्री की लेटेस्ट फेमस एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर टॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक का सफर बहुत ही अच्छे तरीके से तय किया है. बिना किसी बैक सपोर्ट क एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है उनकी एक्टिंग फैंस को बेहद पसंद आती है. मृणाल ठाकुर ने कई हिट फिल्मों में काम किया है। वो टीवी सीरियल में भी नजर आ चुकी हैं. एक बार उन्होंने अपनी लव लाइफ पर चुप्पी तोड़ी थी. एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि कुछ सालों पहले उनके एक्स बॉयफ्रेंड ने उनसे ब्रेकअप कर लिया था और जो वजह थी वो बेहद हैरान करने वाली थी.

एक चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने अपने ब्रेकअप से जुड़े अनुभव को शेयर किया और इसी दौरान उन्होंने खुलकर अपने दिल की बातें कही थी. मृणाल ने बताया कि उनके बॉयफ्रेंड को उनकी किस चीज से परेशानी होने लगी थी और कैसे वह चाहकर भी इसमें कुछ नहीं कर सकती थीं. मृणाल ने ये भी बताया कि क्यों वह इस ब्रेकअप से सुकून महसूस कर रही हैं और इसे लर्निंग एक्सपीरियंस मान रही हैं.

तुम एक्ट्रेस को साथ नहीं रह सकते

मृणाल ने एक्स के साथ रिलेशनशिप पर बात करते हुए कहा कि उनका बॉयफ्रेंड उन्हें 'छोड़कर भाग गया', उन्होंने बताया कि उनके बॉयफ्रेंड का कहना था कि वह हमेशा जल्दबाजी में रहती हैं और वह इससे डील नहीं कर पा रहा था. इसके बाद उसने कहा कि वह एक्ट्रेस हैं और इसलिए उनके साथ नहीं रह पाएगा. ये कहते हुए उनका बॉयफ्रेंड उन्हें छोड़कर चला गया. इसके बाद एक्ट्रेस ने कहा मैं समझती हूं कि वो कहां से आया है, एक ऑर्थोडॉक्स बैकग्राउंड (रूढ़िवादी) मैं उसे दोष नहीं देती हूं, मुझे लगता है कि ये उसकी परवरिश है. अच्छा हुआ ये चैप्टर खत्म हो गया, क्योंकि अगर हम फ्यूचर में बच्चों की परवरिश करते हैं तो वो समान नहीं होगी.

फरवरी 2022 में 'जर्सी' एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने रणवीर अल्लाहबादिया के साथ खुलकर बातचीत की थी और अपने रिलेशनशिप को लेकर खुलासा किया था. एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि वो एक लड़के को डेट कर रही थीं, लेकिन अगस्त 2021 के आसपास उनका ब्रेकअप हो गया. इसके पीछे दो वजह थी. पहला उनका प्रोफेशन और दूसरा इम्प्लिसव नेचर.

बिपाशा बसु- करण सिंह ग्रोवर ने खरीदी 92 लाख की क्यू7

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने हाल ही में एक लग्जरी कार ऑडी क्यू7 खरीदी है, जिसका एक वीडियो बिपाशा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में कपल अपनी गाड़ी का स्वागत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस गाड़ी की कीमत करीब 84.70 लाख से 92.30 लाख रुपए तक है।

बिपाशा- करण की नई कार

इस वीडियो में एक्ट्रेस काफी खुश लग रही हैं। उन्होंने करण के साथ केक काटकर सेलिब्रेशन भी किया। लुक की बात करे तो बिपाशा व्हाइट- ब्लैक शर्ट के साथ व्हाइट जींस में नजर आईं। वहीं करण भी कैजुअल लुक में दिखाई दे रहे हैं।

बिपाशा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'देवी की नई सवारी। दुर्गा दुर्गा। इसे हमारे लिए इतना खास बनाने के लिए @audi_mumbaiwest को धन्यवाद'। बता दें, बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने 12 नवंबर, 2022 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। उन्होंने अपनी बेटी का नाम देवी रखा है। वीडियो सामने आते ही फैंस उनके इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें बधाई दे रहे हैं।

बिपाशा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह डिलीवरी के 6 महीने बाद जिम में जमकर पसीना बहाते हुए नजर आई थीं। वीडियो शेयर करते हुए बिपाशा ने कैप्शन में लिखा, 'मां कभी हारती नहीं। मेरा और स्ट्रॉन्गर वर्जन दोबारा बिल्ड कर रही हूं।'

मेल एक्टर्स के बराबर पैसे लेने वाली इकलौती एक्ट्रेस हूं : कंगना

'मेरे आने से पहले महिला एक्टर्स इस पुरुषवादी सोच के दायरे में रहकर काम करती थीं। सबको बराबर पैसे मिले, इसके लिए सबसे पहले मैंने आवाज उठाई थी। हालांकि इस दौरान सबसे बुरी बात ये रही कि मैंने देखा कि कुछ ए लिस्टर्स एक्ट्रेस फ्री में काम करने को भी तैयार हैं। उन्हें इनसिक्योरिटी रहती थी कि कही उनका रोल किसी डिजर्विंग आदमी के पास न चला जाए। इसके बाद मीडिया में फेक आर्टिकल्स छपते हैं कि उन्होंने इस फिल्म के लिए सबसे ज्यादा रुपए चार्ज किए।'

कंगना की बात का यहां ये मतलब है कि इंडस्ट्री की कुछ बड़ी एक्ट्रेस बिना पैसे लिए किसी फिल्म में काम करती हैं और मीडिया में ऐसी खबरें चलवाती हैं कि उन्होंने इस फिल्म के एवज में भारी-भरकम फीस चार्ज की है।

कंगना इकलौती हैं, जिन्हें बराबर पैसे मिलते हैं

कंगना ने आगे कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में मैं इकलौती एक्ट्रेस हूं, जिसे मेल एक्टर्स के बराबर फीस मिलती है। मेरे अलावा ऐसा फिलहाल कोई नहीं है। ये बात फिल्म इंडस्ट्री में सबको पता है।' प्रियंका ने एक इंटरव्यू में कहा कि बॉलीवुड में लगभग 60 फिल्में करने के बाद भी उन्हें कभी भी बराबर फीस नहीं मिली। यहां तक कि गैप इतना बड़ा था कि उन्हें मेल एक्टर्स की फीस का सिर्फ 10% हिस्सा मिलता था। हालांकि इंडस्ट्री में इतने साल गुजारने के बाद अब जाकर उन्हें बराबर फीस मिली है। एक इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा कि उन्हें सीरीज सिटाडेल के लिए को-स्टार रिचर्ड मैडेन के बराबर फीस मिली है। वहीं फिल्म लव अगेन में भी उन्हें बराबर फीस मिली है। प्रियंका के मुताबिक, वे पूरी तरह हैरान थीं कि उन्हें एक समान फीस मिली हैं। क्योंकि अपने 22 साल के करियर में उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें एक दिन मेल एक्टर्स जितना पेमेंट मिलेगा।

आमिर खान ने कपिल शर्मा से की शिकायत : बोले- मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं, लेकिन आपने मुझे कभी शो पर नहीं बुलाया

आमिर खान और कपिल शर्मा हाल ही में गिप्पी ग्रेवाल की अपकमिंग फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 3' के ट्रेलर लॉन्च में एक साथ नजर आए। इवेंट के दौरान आमिर, कपिल से शिकायत करते हुए नजर आए।

मीडिया से बातचीत के दौरान आमिर ने कहा की वह कपिल शर्मा के बहुत बड़े फैन हैं। आमिर कहते हैं, मैं इन दिनों आपने परिवार के साथ वक्त बिता रहा हूं, हर शाम मैं कुछ ऐसा देखने का आनंद लेता हूं, जिसमें कॉमेडी हो।

मैं कुछ दिनों से कपिल का शो देख रहा हूं। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हो गया हूं। मेरी इतनी शामों को इन्होंने रंगीन बनाया है। इतना हंसा हूं मैं। मैंने कपिल को कॉल करके उनकी तारीफ भी की थी कि वो इतने लोगो को हंसाते हैं'।

फिर आमिर ने कहा- पर आपने मुझे कभी शो पर नहीं बुलाया। ये सुनते ही वह पर मौजूद सभी लोग हंसने लगते हैं'। इसके बाद कपिल ने कहा- 'हमारा सौभाग्य होगा जिस दिन आप आएंगे। हम हमेशा भीड़- भाड़ में ही मिले हैं। अब हम 3 साल बाद यहां मिले हैं। हमने आपको बुलाया था आपने कहा था वापस आकर बात करेंगे'।

आमिर ने कहा- 'आपने हमें फिल्म प्रमोशन के लिए बुलाया था। मैं फिल्म प्रमोशन के लिए नहीं आना चाहता, मैं सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिए आना चाहता हूं'।

फिल्में करने के लिए इमोशनली तैयार नहीं हैं आमिर

आमिर खान को आखिरी बार लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इसके बाद से एक्टर ने अपनी किसी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। इस इवेंट में मीडिया ने उनसे अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे सवाल किया।

आमिर ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मैंने अभी तक कोई फिल्म साइन नहीं की है। मैं सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं और मैं बस यही कर रहा हूं। मैं फिल्म करूंगा जब मैं इमोशनली इस चीज के लिए तैयार हो जाऊंगा' ।

प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें बॉलीवुड में कभी मेल एक्टर्स के बराबर फीस नहीं मिली। अब कंगना रनोट ने प्रियंका के इस स्टेटमेंट पर रिएक्ट किया है। कंगना ने कहा कि मेल एक्टर्स के बराबर फीस लेने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। कंगना ने दावा किया है कि वे इंडस्ट्री की पहली फीमेल एक्टर हैं जिन्हें पुरुष अभिनेताओं के बराबर फीस मिलती है। कंगना ने ये भी कहा कि जहां एक तरफ वे बराबरी के लिए लड़ती हैं वहीं कुछ बड़ी एक्ट्रेसेस फ्री में फिल्म में काम करने के लिए तैयार हो जाती हैं। ऐसा वे इसलिए करती हैं कि ताकि उनका रोल किसी और न मिल जाए।

'बड़ी एक्ट्रेस फ्री में फिल्में करने के लिए तैयार हो जाती हैं'

कंगना ने प्रियंका के इंटरव्यू का क्लिप डालते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा,

छुट्टियों में बच्चों का खेलना बन न जाए जानलेवा, परिजन इन बातों का रखें ध्यान

स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां चल रही हैं। बच्चे खेलकूद करने के लिए पूरी तरह आजाद हैं। मम्मी -पापा अब पढ़ने के लिए न तो डांट लगाएंगे और न ही स्कूल होम वर्क का बच्चों पर दबाव होगा। बस वे अपनी मर्जी से खूब खेलेंगे और उधम काटेंगे।

लेकिन हाल ही में हुई इस घटना पर भी गौर कर लीजिए-

बरेली में बच्ची ने कार में खुद को बंद किया, गई जान

यूपी के बरेली जिले में घर के पास दोस्तों के साथ लुका छुपी खेल रही एक बच्ची जैसे ही कार के अंदर छुपी, कार का दरवाजा लॉक हो गया। वह काफी देर तक लॉक खोलने की कोशिश करती रही। लेकिन दम घुटने से उसकी मौत हो गई। घरवालों ने काफी देर बीत जाने पर खोजबीन शुरू की लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

दरअसल बच्चे खेल-खेल में कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनसे हाथ-पैर टूटने या जान जाने तक की नौबत आ जाती है। इसलिए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वो इन छह चीजों का ध्यान रखें।

1. झाड़ियों में छिपने पर सांप या कीड़ा न काट ले

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को खेलने पर कोई पाबंदी नहीं होती है। ऐसे में वे खुले मैदान और आसपास की जंगल-झाड़ियों में खेलने से कोई गुरेज नहीं करते। फुटबॉल या क्रिकेट की गेंद खेलते-खेलते मैदान के आसपास की झाड़ियों में चली जाए तो बच्चे बिना सोचे समझे ऐसी जगहों में जाकर गेंद लाने से नहीं डरते हैं। लेकिन ऐसी जगहों पर सांप या किसी जहरीले कीड़े के काटने का हमेशा डर बना रहता है जिसकी वजह से बच्चे की जान भी जा सकती है। ऐसे में बड़ों को यह ध्यान रखना जरूरी हो जाता है कि बच्चे इस तरह से जान जोखिम में न डाल पाएं।

2. तेज झूला झूलने से चोट लगने का खतरा

झूला झूलना बच्चों के पसंदीदा खेलों में से एक है। घर या पार्क में या किसी बड़े पेड़ के नीचे झूला झूलने के लिए बच्चे इंतजार करते दिखते हैं। मगर खेल-खेल में थोड़ी सी लापरवाही बच्चे को गहरी चोट दे सकती है। झूला झूलते वक्त बच्चा अचानक अगर गिर जाए तो हाथ-पैर की हड्डी तक टूट जाती है जो कि बच्चे के लिए जीवन भर की दिक्कत बन सकती है।

3. आइस-पाइस खेलते वक्त स्टोर रूम, अलमारी या बॉक्स में छिपना

आइस-पाइस बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय है। इस खेल में एक बच्चा अन्य सभी साथी बच्चों को ढूंढता है। बच्चों को इसमें खूब रोमांच मिलता है। कई बार इस खेल में बच्चे घर के स्टोर रूम, अलमारी, या पुराने बॉक्स में छुप जाते हैं। ऐसी जगहों पर अक्सर छिपकली, बिच्छू या कोई जहरीला कीड़ा होने की आशंका रहती है या फिर इन जगहों पर ऑक्सिजन कम होने से बच्चे का दम भी घुट सकता है।

ऐसे में मम्मी-पापा और घर के बड़ों की जिम्मेदारी बनती है कि समय रहते बच्चों को इस बारे में अवेयर कर दिया जाए ताकि किसी भी अनहोनी को टाला जा सके। दूसरे स्टोर रूम, अलमारी और पुराने बॉक्स की साफ-सफाई का खास ध्यान रखा जाए।

4. पार्क में खेलने के लिए गुड टच-बैड टच सिखाएं

छुट्टियों में बच्चे पार्क में जाकर खूब खेलते हैं। मगर प्यार भरी बातों के जाल में बच्चे अजनबियों के संपर्क में आ सकते हैं। लेकिन उन्हें गुड टच और बैड टच के बारे में बहुत कुछ पता नहीं होता है।

ऐसे में बच्चों को खासतौर पर लड़कियों को यौन शोषण के बारे में बताना बहुत जरूरी है। अब लड़कियों ही नहीं लड़कों को भी यौन शोषण का शिकार बनाया जा रहा है इसलिए पेरेंट्स को अपनी बेटी ही नहीं बल्कि बेटे को भी गुड और बैड टच के बारे में बताना चाहिए। बच्चे को बताएं कि निजी अंगों को छूना बिल्कुल गलत है और अगर कोई उनके साथ ऐसा करता है, तो उन्हें अपने पेरेंट्स से तुरंत इसकी शिकायत करनी है।

5. बाउंड्री वॉल पर चढ़ना, पतंग उड़ाना और स्विमिंग के वक्त दें ध्यान

बच्चों को पतंग उड़ाना, बाउंड्र वॉली पर चढ़ना बेहद एक्साइटमेंट देता है। इस दौरान अक्सर जाने-अनजाने में कई हादसे भी हो जाते हैं। पेरेंट्स और बड़ों को ध्यान देना होगा कि बच्चा वहीं पतंग उड़ाए जिस छत की बाउंड्रीवॉल ऊंची हो या फिर बच्चे को खुले मैदान में पतंग उड़ाने को कहें। साथ ही इस दौरान यह भी देख-रेख रखें कि पतंग उड़ाते समय बच्चा ग्लास कोटेड या चाइनीज मांझे का इस्तेमाल तो नहीं कर रहा है। दरअसल, ग्लास कोटेड मांझे से हाथ कटने का डर बना रहता है।

6. पेरेंट्स फर्स्ट एड बॉक्स तैयार रखें

दिल्ली एनसीआर में मेडिसिन के डॉ. रविकांत चतुर्वेदी के मुताबिक, बच्चों के साथ किसी भी तरह की चोट या फीवर सहित स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत होने पर घर में मौजूद फर्स्ट एड बॉक्स बेहद काम आता है। छोटी छोटी चोट, बुखार, इनफेक्शन के समय में तुरंत डॉक्टर के पास जाना संभव नहीं होता। ऐसे में ये बॉक्स बहुत कारगर रहता है। कई घरों में ये बॉक्स तो होता है लेकिन समय-समय पर इसे पेरेंट्स अपडेट नहीं करते जिससे एमरजेंसी के समय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यह जरूरी है कि समय समय पर इसे चेक करते रहा जाए और जरूरी चीजों को रीफिल किया जाए। फर्स्ट एड बॉक्स में बैंडेज, एंटीसेप्टिक क्रीम, इलेक्ट्रॉल, ग्लूकोज, थर्मामीटर, बाम, एंटीबायोटिक और पेन किलर दवाइयां और डेटॉल या सेवलॉन जैसी चीजें रखनी चाहिए।

गर्मियों में ज्यादा पानी करेगा बीमार, पेय पदार्थ और पानी युक्त फलों का सेवन शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है

गर्मी के महीनों में हाइड्रेशन के लिए पानी पीने के साथ ही पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भी ध्यान रखना ज़रूरी है कि किस प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन, कब करना है। बहुत ज़्यादा पानी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन, सूजन और बेचैनी हो सकती है। ऐसे में सही तरह से इनका सेवन करना अति आवश्यक है। कुछ सावधानियां बरतकर न सिर्फ़ आप हाइड्रेटेड रह सकते हैं बल्कि पूरी गर्मियों में अपनी सेहत को बेहतर भी बनाए रख सकते हैं।

हाइड्रेशन या बीमारी

किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह होती है इसलिए बहुत ज़्यादा पानी युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना भी हमारे शरीर को नुक़सान पहुंचा सकता है।

बहुत ज़्यादा पानी का सेवन करने से इलेक्ट्रोलाइट असंतुलित हो सकते हैं, जिससे गंभीर मामलों में मांसपेशियों में ऐंठन, कमज़ोरी और दौरे भी पड़ सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मांसपेशियों और तंत्रिका कार्यों को ठीक से नियंत्रित करने के लिए हमारे शरीर को सोडियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन की आवश्यकता होती है। पर ज़्यादा पानी का सेवन करने से इलेक्ट्रोलाइट असंतुलित होने की संभावना बढ़ जाती है।

जल का ज़्यादा सेवन करने से बेचैनी हो सकती है क्योंकि पानी के अधिक सेवन से पाचन तंत्र पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गैस और सूजन हो सकती है। बार-बार लघुशंका आ सकती है, जो नींद को भी बाधित कर सकती है। इससे डीहाइड्रेशन भी हो सकता है। पानी की अधिकता से शरीर ओवरहाइड्रेटेड हो जाता है जिसके कारण किडनी पर दबाव पड़ने लगता है।

सेवन कब और कैसे

अब जब हमने बहुत ज़्यादा पानी युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन के संभावित नुक़सान के बारे में जान लिया है, तो आइए इनको खाने के सही समय के बारे में जानें।

खीरा इसमें कम कैलोरी होती है और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। हालांकि सोने से पहले खीरा खाने से नींद में बाधा आ सकती है क्योंकि इसे खाने से रात में बार-बार लघुशंका आ सकती है। दोपहर के खाने में दिन के दौरान इसे नाश्ते के रूप में या सलाद के रूप में खाना सबसे बेहतर है।

नारियल पानी इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। भोजन के साथ नारियल पानी का सेवन करने से सूजन और बेचैनी हो सकती है, क्योंकि यह पाचन में बाधा पैदा कर सकता है। नारियल पानी को ख़ाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।

तरबूज़ यह गर्मियों में खाया जाने वाला एक लोकप्रिय फल है। यह विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें पानी की मात्रा भी ज़्यादा होती है। इसे खाने से शरीर हाइड्रेटेड रहता है। हालांकि, खाना खाने के बाद तरबूज़ का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, क्योंकि यह अन्य खाद्य पदार्थों के साथ मिलने पर आंत में किण्वन पैदा कर सकता है। तरबूज़ का सेवन खाली पेट या स्नैक के रूप में करना सबसे अच्छा होता है। रात में इसे कतई न खाएं।

अपने चेहरे पर लगाएं खट्टी इमली का फेसपैक

इमली सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती बल्कि यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभदायक है। इसके अलावा आप इसे ब्यूटी टिप्स के रूप में भी ले सकते हैं। खाने के अलावा इसके कितने फायदे होते हैं आज हम इसी के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। चेहरे के निखार के लिए इसका उपयोग आप में से कम लोग ही जानते होंगे।

ये हैं इमली के सौंदर्य लाभ

इमली में ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स के अलावा विटामिन सी और ए होता है जो स्किन को फ्री रैडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं।

इमली स्किन के लिए एक परफेक्ट ब्लीच का काम करती है और स्किन टोन को निखारने में मदद करती है। इमली में अल्फा हाइड्रोक्सिल ऐसिड्स होते हैं जो स्किन की गहराई में जाकर हर तरह की गंदगी को बाहर निकालते हैं। इसके अलावा ये हर तरह के दाग-धब्बे और झुर्रियों को हटाने में मदद करते हैं व स्किन को जवां रखते हैं।

इमली का फेस मास्क भी है फायदेमंद

इमली को फेस मास्क के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए आप इसे दही, चंदन या फिर मुल्तानी मिट्टी के साथ मिलाकर लगा सकती हैं।

इसके लिए एक चम्मच इमली के गूदे को दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी में मिला लें। थोड़ा सा दूध और गुलाब जल डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इस पैक को पूरे चहरे पर लगा लें। लेकिन ध्यान रहे कि यह पैक आंखों पर न लगे। आधे घंटे तक ऐसे ही रहने दें और फिर ठंडे पानी से मुंह धो लें। इस प्रोसेस को हफ्ते में दो बार करें। फिर देखिए आपकी कितनी खूबसूरत और यंग लगने लगेंगी।

रिटायरमेंट से पहले बनाएं वित्तीय योजना

रिटायर होने के बाद जीवन सुकून से गुजरेगा और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रहेंगे

जीवन एक सफ़र है और इस सफ़र के हर चरण में आने वाले बदलावों के साथ आगे बढ़ना और उसके अनुसार ढलना ज़रूरी होता है। अपनी पूरी जवानी आप अपने और अपने परिवार की बढ़िया ज़िंदगी के लिए मेहनत करते हैं, उसके बाद बुढ़ापा आता है। इस समय न तो शरीर सही तरह से काम करता है न ही उसमें शक्ति रहती है कि अब काम किया जाए। ऐसे में रिटायर होने के बाद मानसिक सुकून के साथ बाक़ी का जीवन बिताने की चाह होती है। इस समय में वित्तीय आत्मनिर्भरता बहुत ज़रूरी है और इसके लिए रिटायरमेंट प्लानिंग करना महत्वपूर्ण होता है।

ख़र्चों की जांच

आमदनी अठन्नी है तो ख़र्चा रुपाइया नहीं होना चाहिए ये सब जानते हैं। ऐसे में ज़रा सोचिए कि रिटायरमेंट के बाद तो आपकी आमदनी शून्य हो जाएगी। ऐसे में अपेक्षित रिटायरमेंट ख़र्चों का मूल्यांकन करें जिसमें निर्वाह संबंधी ख़र्चे, चिकित्सा के ख़र्चे, यात्रा एवं दूसरे वित्तीय दायित्व शामिल हैं। इस मूल्यांकन से आपको ख़र्चों का प्रबंध करने के लिए ज़रूरी आमदनी तय करने में मदद मिलेगी।

समय से करें तैयारी

रिटायर होने से पहले जोड़ी जाने वाली राशि वर्तमान समय में ज़्यादा ही लगती है। पर ज़रा सोचिए जब आप छोटे थे तब की 10 रुपये की वस्तु आज 100 रुपये की हो गई है। लाज़मी है कि अभी ज़्यादा लगने वाली राशि भविष्य में कम भी पड़ सकती है। ऐसे में जॉब के शुरुआती दिनों से ही रिटायरमेंट राशि को जोड़ना शुरू कर दें। ख़र्च के बाद पैसे बचाने के बजाय आय के 15 प्रतिशत को इसके लिए सुरक्षित रखें।

आमदनी बढ़ाएं

वर्तमान स्थिति में सिर्फ़ एक आय साधन के भरोसे बैठना भविष्य में आपकी परेशानियां बढ़ा सकता है। ऐसे में आमदनी के अन्य संभावित स्रोतों पर विचार करें, जैसे कि किराए की संपत्ति, पार्ट-टाइम काम या एन्युइटीज जिसमें एक निश्चित समय तक किस्तें जमा करने के बाद बढ़ी हुई राशि आपको किश्तों में ही मिलती है। अतिरिक्त आमदनी के ये तरीक़े रिटायरमेंट के बाद आपकी ज़िंदगी को सुगम बनाने का एक अहम ज़रिया साबित हो सकते हैं। इसके साथ ही ये ज़्यादा सुरक्षित वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के भी काम आ सकते हैं।

स्वास्थ्य का ख़याल

नियमित रूप से अपनी चिकित्सीय जांच कराएं और अपने संभावित चिकित्सीय ख़र्चों का मूल्यांकन करें। चिकित्सा बीमा के विकल्पों में निवेश करें और लॉन्ग-टर्म केयर इंश्योरेंस (लंबे समय की देखभाल वाला बीमा) पर विचार करें ताकि आप स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिक जोखिम को कम कर सकें।

दीर्घकालिक निवेश

वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए इस प्रकार के प्लान लाभदायक साबित हो सकते हैं। इसके लिए बॉण्ड, म्यूचुअल फंड और स्टॉक जैसे विकल्पों का प्रयोग किया जा सकता है। ये भविष्य में किसी भी प्रकार के ख़र्चों में आपकी मदद कर सकते हैं।

पेंशन व्यवस्थाएं

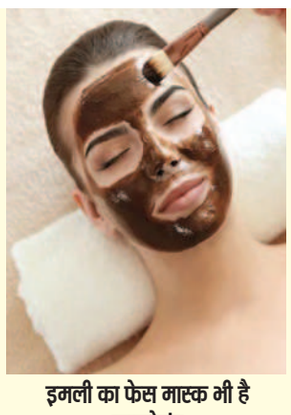

ये योजनाएं सरकार के माध्यम से व्यवस्थित की जाती हैं। इससे एक तय समय सीमा में काम करने के बाद जब व्यक्ति रिटायर होता है तब ये योजना उसके लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। इसमें व्यक्ति को एक सुनिश्चित आमदनी मुहैया कराई जाती है।

रिटायरमेंट योजनाएं

कर्मचारियों को रिटायरमेंट योजनाओं के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए सरकार के माध्यम से इस तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसमें सरकारें प्रतिष्ठानों को बढ़ावा देने और इन योजनाओं में उनकी सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए, कर प्रोत्साहन राशि (टैक्स इंसेन्टिव्स) या विनियामक ढांचा (रेगूलेटरी फ्रेमवर्क) प्रदान कर सकती हैं।

अलेख महिमा : स्तुति चिंतामणि

भारतीय साहित्य में भक्ति की बही निरंतर धारा चिर शांति की धारा रही है और इस धारा में कितने ही संत-महात्माओं ने गोता लगाकर शांति के अपार पारावार को प्राप्त कर लिया है। संत तो शांति के चिर साधक हैं। वह निर्मोह-निरहंकार के पुजारी हैं। भारतीय भक्ति परंपरा में जितने भी महान संतों का आविर्भाव हुआ है, सभी इस शाश्वत पथ के पथिक रहे हैं। ओडिआ भक्ति वांग्मय इससे अछूता नहीं है। कहने का अभिप्राय ओडिआ भक्ति साहित्य के संत कवि भीम भोई भी ऐसे ही पथ के चिर साधक रहे हैं, जिन्होंने ईश्वरार्पित होते हुए तथा कर्मनिष्ठ जीवन को सर्वोपरि मानते हुए अपने विवेक सम्मत ज्ञान से कितने पतितों को मनुष्य जीवन का लक्ष्य समझाया है। उनकी कलम से सृजित कई रचनाएं इसका साक्षी है। इन रचनाओं ने कई अज्ञानियों को जीवनोद्धार के लिए मार्गदर्शन किया है। सच्चाई तो यह है कि किसी सरस्वती पुत्र की सुदीर्घ सारस्वत साधना का आकलन करना आसान नहीं है। विशेषतः उस सरस्वती पुत्र की सारस्वत साधना का आकलन करना और भी कष्ट साध्य व्यापार है जिसका व्यक्तित्व तथा कृतित्व बहुआयामी हो तथा जिनका चिंतन का आकाश विस्तृत एवं व्यापक हो।

भीम भोई ओडिशा के एक महान कवि, समाज सुधारक और दार्शनिक हैं। सन 1850 में ओडिशा के एक साधारण परिवार में जन्मे भीम भोई महिमा स्वामी के अनन्य भक्त रहे। यह महिमा धर्म को मध्यकालीन ओडिशा के अंतिम महान धार्मिक पुनरुत्थान के रूप में माना जाता है और आज भी यह ओडिशा में एक जीवंत धर्म के रूप में विद्यमान है। इस धर्म से 'अलेख' अवधारणा बनी है। अलेख तो वह है, जो लेखन से परे हैं यानी वर्णनातीत हैं, निर्गुण-निराकर हैं। जिसके बारे में सोचा नहीं जा सकता तथा जिसे शब्दबद्ध नहीं किया जा सकता। भक्ति सूत्र में नारद मुनि ने जिसे 'अनिर्वचनीय प्रेम स्वरूपम' कहा है तथा शांडिल्य मुनि ने 'परम प्रेम रूपा अमृत स्वरूपा' कहा है। जो भारतीय भक्ति वांग्मय में अनिर्वचनीय है, वह ओडिआ साहित्य में तत्व है। संत भीम भोई ने महिमा स्वामी से प्रेरित होकर कई रचनाओं का सृजन किया है, जिनमें स्तुति चिंतामणि अनन्य है।

'स्तुति चिंतामणि' उस चिंतामणि की स्तुति है, जिसे इस कलिकाल में कल्मषयुक्त आंखों से देखा नहीं जा सकता। जिस चिंतामणि की स्तुति के लिए सूरसरि सम हृदय, नीर-क्षीर विवेक तथा प्रेमपूर्ण नेत्र की दरकार है। यानी संत सा मन, दार्शनिक सा उदात्त विचार होना है। संत भीम भोई ऐसे ही महान व्यक्तित्व के धनी रहे, जिन्होंने अपने अंतर्चक्षु से उस अचिंत्य चिंतामणि का साक्षात्कार किया था तथा उनके हृदय गह्वर से निकली स्तुति को इस स्तुति चिंतामणि में शब्दबद्ध किया था।

सच्चाई तो यह है कि इस कलियुग में भव सिंधु को पार होने के लिए एक ही आधार प्रभु नाम स्मरण या स्तुति ही है। 'श्रीमद्भागवत' में तो यह बताया गया है कि-

हरेर नाम हरेर नाम हरेर नाम
स्मरणम, कलौ नास्त्येव नास्त्येव
नास्त्येव गतिरन्यथा॥

रामचरित का गान करने वाले महान कवि तुलसीदास ने तो यहां तक कह दिया था कि - " केवल हरि गुन गाहा"

भीम भोई कृत 'स्तुति चिंतामणि' में 100 बोलियां तथा 2000 पद हैं। इस गेय रचना में उस निराकर, निर्गुण तत्व की स्तुति है।

इस महान संत पुरुष भीम भोई कृत 'स्तुति चिंतामणि' का हिंदी में अनुवाद ओडिशा मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव तथा हिंदी के प्रोफेसर डॉ. जयंत कर शर्मा ने बड़ी सिद्दत से किया है। एक उदाहरण द्रष्टव्य है-

जय जय जय रूप से प्रख्यात शून्य
में उडता केतु,
करुणा की दृष्टि अरूप समष्टि
भक्त दुःख दूर हेतु॥
(स्तुति चिंतामणि, बोली-1 का अनुवाद)

इस अनुदित कृति के पठन से ऐसा लगता है कि मानो यह मूल कृति हो। अनुवादक प्रो. जयंत कर शर्मा ने अनुवाद करते के समय शब्दों के चयन और संयोजन, भावों की व्यंजना तथा प्रस्तुति परिनिष्ठित भाषा शैली तथा विषय वस्तु के प्रतिपादन के माध्यम से अनुवाद कला कौशल की जिस क्षमता का परिचय दिया है, वह सचमुच स्तुत्य है। इसे अनुवाद के क्षेत्र में मौलिक देन कहा जा सकता है।

- डॉ शशिकांत मिश्र

पुस्तक : संत कवि भीम भोई कृत स्तुति चिंतामणि
अनुवाद : प्रो. जयंत कर शर्मा
प्रज्ञाभारती प्रकाशन, नई दल्ली
मूल्य : 595 रुपये

बच्चों को स्मार्ट फोन किस उम्र में दें? कितनी देर के लिए दें?

अक्सर माता पिता के मन में यह सवाल उठता है कि बच्चों को पहली बार स्मार्ट फोन किस उम्र में दें? कितनी देर के लिए दें? मोबाइल फोन दें भी या ना दें? हालांकि इनमें से किसी भी सवाल का सही सही जवाब कोई डॉक्टर नहीं बता सकता लेकिन अमेरिका की सेपियन्स लैब ने हाल ही में एक स्टडी की है. इस सर्वे में मेंटल हेल्थ कोशेंट यानी मानसिक स्वास्थ्य को स्कोर देकर लोगों का आंकलन किया गया है. सर्वे के नतीजे बता रहे हैं कि बच्चों को जितनी कम उम्र में स्मार्ट फोन हाथ लग गया, उतनी ही कम उम्र में उसके लिए मानसिक परेशानियां पैदा होती गई. रिसर्च के मुताबिक इस मामले में जितनी देर की जाए उतना भला है.

जानें पूरा सर्वे

ये सर्वे 40 देशों के लोगों पर किया गया. सर्वे 18 से 24 वर्ष के 27 हज़ार 969 लोगों पर किया गया. इस सर्वे में भारत से 4 हज़ार लोग शामिल थे. सर्वे में शामिल 74 प्रतिशत महिलाओं पर किए गए एनालिसिस में वे डिप्रेशन और तनाव की शिकार पाई गई. इन महिलाओं को 6 वर्ष से कम उम्र में ही स्मार्ट फोन मिल गया था. ऐसी महिलाएं जिन्हें 10 वर्ष की उम्र में स्मार्ट फोन मिला था, उनमें से 61% मानसिक परेशानियों की शिकार पाई गई. वहीं 15 साल की उम्र में पहली बार स्मार्टफोन पाने वाली महिलाओं में से 52% को मानसिक बीमारियों का शिकार पाया गया.

जानें पुरुषों के हालात क्या हैं?

6 वर्ष से पहले स्मार्टफोन से मिल चुके 42% पुरुष तनाव के मारे थे. 18 वर्ष की उम्र में पहली बार स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले 36% पुरुषों को मानसिक परेशानियों से जूझना पड़ा था.

कौन-सी मानसिक समस्याएं?

अधिक गुस्सा करना
मन में मरने का ख्याल आना
अकेला महसूस करना

हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि भारत में केवल 47% अभिभावक बच्चों के स्मार्टफोन के इस्तेमाल से परेशान नज़र आए हैं.

स्मार्टफोन से कैसी परेशानी?

मार्च 2022 में इलेक्ट्रानिक्स मंत्रालय ने संसद में रखे गए आंकड़ों में बताया कि भारत में 24% बच्चे सोने से पहले स्मार्टफोन चेक करते हैं और 37% बच्चे एकाग्रता यानी फोकस करने की क्षमता से जूझ रहे हैं.

2015 में किए गए एम्स के आंकलन में 10 प्रतिशत स्कूली बच्चों में (Myopia) मायोपिया की बीमारी देखी गई थी लेकिन 2050 तक भारत के लगभग आधे तकरीबन 40 प्रतिशत बच्चे मायोपिया की बीमारी के शिकार हो चुके होंगे. इसका सीधा संबंध मोबाइल फोन की स्क्रीनलाइट से पाया गया है.

आज शेयर बाजार में रही गिरावट

सेंसेक्स 346 अंक फिसलकर 62,622 पर बंद, इसके 30 शेयरों में से 19 में कमजोरी

आज यानी 31 मई को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 346 अंकों की गिरावट के साथ 62,622 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 99 अंकों की गिरावट रही। ये 18,534 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी देखने को मिली है।

बैंक निफ्टी 0.69% और प्राइवेट बैंक 0.5% टूटा। PSU बैंक में 0.24% की गिरावट रही। ऑयल एंड गैस सेक्टर 1.26% टूटकर बंद हुआ। वहीं फार्मा में मजबूती रही और सेक्टर 0.58% चढ़कर बंद हुआ। रियल्टी में 0.76% की मजबूती रही।

अडाणी पोर्ट्स का नेट प्रॉफिट 5% और रेवेन्यू 40% बढ़ा

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (ASPEZ) ने चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के

नतीजे घोषित की है। मार्च तिमाही (Q4FY23) में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल (YoY) 5% बढ़कर 1,158.88 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 1,102.61 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

चौथी तिमाही में ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू साल-दर-साल (YoY) 40% बढ़कर 5,797 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही (Q4FY22) में 4,140.8 करोड़ रुपए था। कंपनी के बोर्ड ने अपने निवेशकों को 5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है।

भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा बरकरार

मंगलवार को एक बार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी देखने को मिली। मंगलवार को कैश मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2085 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कल 438 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं।

कल शेयर मार्केट में रही थी बढ़त

इससे पहले कल 30 मई को शेयर बाजार में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 122 अंकों की बढ़त के साथ 62,969 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में 35 अंकों की तेजी रही। ये 18,633 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट देखने को मिली थी।

भारत ने बीते 10 वर्षों में खुद को मजबूत किया

हालात 2013 जैसे नहीं, रिपोर्ट में किया ये दावा

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। मॉर्गन स्टैनली रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा है कि 10 साल की छोटी सी अवधि में भारत ने दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है। इस दौरान वृहद व बाजार परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इंडिया इक्विटी स्ट्रैटेजी एंड इकोनॉमिक्स : एक दशक से भी कम समय में भारत कैसे बदल गया है, नामक रिपोर्ट में 10 बड़े बदलावों पर प्रकाश डाला गया है। इनमें ज्यादातर भारत के नीतिगत विकल्पों और इसकी अर्थव्यवस्था और बाजार पर उनके प्रभावों से जुड़े हैं।

रिपोर्ट में दावा- 10 साल की छोटी अवधि में वैश्विक व्यवस्था में स्थान हासिल किया

रिपोर्ट में कहा गया है, 'यह भारत 2013 की तुलना में अलग है। 10 वर्षों की छोटी अवधि में, भारत ने मैक्रो और मार्केट आउटलुक के लिए महत्वपूर्ण सकारात्मक परिणामों के साथ विश्व व्यवस्था में स्थान हासिल किया है। हम इन परिवर्तनों और उनके प्रभावों का एक स्नैपशॉट प्रस्तुत करते हैं।' रिपोर्ट के अनुसार, 'हम भारत के बारे में काफी संशय में हैं, खासकर विदेशी निवेशकों के मामले में, जो कहते हैं कि भारत ने अपनी क्षमता (दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने और पिछले 25 वर्षों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले

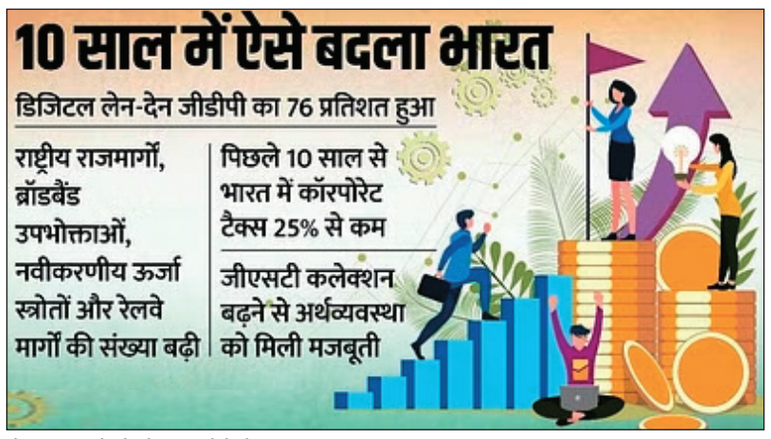

शेयर बाजारों में से एक होने के बावजूद) का प्रदर्शन अब तक नहीं किया है। इक्विटी मूल्यांकन बहुत समृद्ध हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'हालांकि, इस तरह का दृष्टिकोण भारत में हुए महत्वपूर्ण बदलावों की अनदेखी करता है, खासकर 2014 के बाद से। मॉर्गन स्टैनली के रिसर्च ने रिपोर्ट दाखिल करते समय जिन 10 बड़े बदलावों को शामिल किया था, उनमें आपूर्ति पक्ष नीति सुधार, अर्थव्यवस्था का औपचारिकरण, रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, सामाजिक हस्तांतरण का डिजिटलीकरण, दिवाला और दिवालियापन संहिता, लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण, एफडीआई पर ध्यान केंद्रित करना, भारत का 401 (के) क्षण, कॉरपोरेट मुनाफे के लिए सरकारी समर्थन और बहु-वर्षीय उच्च स्तर पर एमएनसी की भावना शामिल है। आपूर्ति पक्ष के नीतिगत सुधारों के आंकड़े तैयार करते हुए शोध में भारत के कॉरपोरेट कर और बुनियादी ढांचे से जुड़े आंकड़े जुटाए गए हैं। पिछले 10 साल में भारत में कॉरपोरेट कर की दर 25 प्रतिशत से नीचे रही है जबकि 24 मार्च से पहले परिचालन शुरू करने वाली नई कंपनियों के लिए यह 15 प्रतिशत पर बनी हुई है।

आधार कार्ड में कितनी भी बार बदलवा सकते हैं एड्रेस

सिर्फ 2 बार अपडेट करा सकते हैं नाम, जानें इसमें कौन-सी डिटेल कितनी बार करवा सकेंगे चेंज

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। आधार कार्ड हमारे देश में एक जरूरी डॉक्यूमेंट है। इसमें कई जानकारियां जैसे आपका नाम, मोबाइल नंबर, जेंडर और पता होती हैं। इन चीजों में बदलाव होने पर आधार में इसे अपडेट कराना जरूरी रहता है। हालांकि आधार कार्ड में कोई भी बदलाव कराने कि एक तय सीमा होती है। जैसे आप सिर्फ 2 ही बार आधार कार्ड में अपना नाम अपडेट कर सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं कि आधार में कौन-सी डिटेल कितनी बार अपडेट कर सकते हैं।

नाम 2 बार और सिर्फ 1 बार बदलवा सकते हैं डेट ऑफ बर्थ

आधार में आप अपना नाम केवल दो बार अपडेट कर सकते हैं या बदल सकते हैं। जहां तक डेट ऑफ बर्थ (जन्म की तारीख) की बात है तो आप इसकी तारीख एक बार ही बदल सकते हैं। वहीं अगर एड्रेस की बात करें तो इसे आप कितनी भी बार अपडेट कर सकते हैं।

जेंडर भी करा सकते हैं अपडेट

अगर आप अपने जेंडर यानी लिंग में कोई बदलाव चाहते हैं तो इसके लिए भी एक बार की सुविधा है। आप एक बार इसे बदल सकते हैं।

अगर आप नाम, जन्मतिथि और जेंडर को कई बार बदलना चाहते हैं तो यह संभव है। लेकिन यह तभी होगा जब कोई अपवाद की स्थिति होगी। आपको इसके लिए आधार के क्षेत्रीय कार्यालय में ही फिर जाना होगा।

ऐसी स्थिति में पहले आपको आधार के क्षेत्रीय कार्यालय या फिर help@uidai.gov.in. को ईमेल करना होगा। फिर आपको इसका कारण बताना होगा कि आप इसे क्यों करना चाहते हैं। इसके बाद इससे संबंधित डिटेल्स और उसका प्रूफ देना होगा। आधार का क्षेत्रीय कार्यालय इसका ड्यू डिलिजेंस करेगा। अगर उसे लगा कि आपकी अपील सही है तो फिर क्षेत्रीय कार्यालय इसके लिए मंजूरी देगा। अगर आपकी अपील सही नहीं लगी तो फिर मंजूरी नहीं मिलेगी।

अगर आपका सही मोबाइल नंबर आधार कार्ड में अपडेट नहीं है तो फिर पहले तो आपको इसे अपडेट कराने के लिए आधार कार्ड सेंटर पर जाना होगा। अगर मोबाइल नंबर अपडेट है तो फिर आप कुछ बदलाव ऑन लाइन कर सकते हैं।

मस्क के कार्यकाल में ट्विटर की कीमत घटकर 15 अरब डॉलर हुई

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। ट्विटर की कीमत अब केवल 15 अरब डॉलर रह गई है, जो एलन मस्क और उनके सह-निवेशकों द्वारा प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करने के लिए भुगतान किए गए 44 अरब डॉलर से 66 फीसदी कम है। मस्क के पदभार संभालने के बाद से ट्विटर आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय सेवाओं की दिग्गज कंपनी फाइडेलिटी ने पोर्टफोलियो वैल्यूएशन की अपनी मासिक रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के लिए मस्क ने जो भुगतान किया था, अब उसकी कीमत सिर्फ एक-तिहाई है। ट्विटर में मस्क का निवेश अब 8.8 अरब डॉलर का है। निवर्तमान ट्विटर सीईओ ने पिछले साल अक्टूबर में कंपनी में अनुमानित 79 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 25 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए।

उन्होंने पहले स्वीकार किया था कि उन्होंने इक्विटी में 33.5 बिलियन डॉलर सहित ट्विटर का अधिग्रहण करने के लिए अधिक भुगतान किया था।

महंगा हुआ सोना-चांदी

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। सोने एवं चांदी के दामों में बीते 4 दिन से गिरावट के बाद आज एक बार फिर उछाल देखने को मिल रहा है. भारतीय सर्राफा बाजार द्वारा जारी किए गए दामों के अनुसार, आज (बुधवार) 31 मई 2023 को सोने और चांदी के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सोने की कीमत एक बार फिर 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है. जो बीते 4 दिन की गिरावट के बाद सोने का भाव 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार तक आ गया था. वहीं, चांदी का भाव भी 71 हजार रुपये प्रति किलो से ज्यादा है, जो बीते दिनों 70 हजार रुपये प्रति किलो तक आ गई थी.

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव आज 60435 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी (Silver) 71076 रुपये है. मंगलवार की प्रातः 24 कैरेट का शुद्ध सोना 59981 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज प्रातः (31 मई) 60435 रुपये पर आ गया है. इसी प्रकार शुद्धता के आधार पर सोना एवं चांदी महंगा हुआ है. ऑफिशियल पोर्टल ibjarates.com के अनुसार, आज प्रातः 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने की कीमतें बढ़कर 60193 रुपये पहुंच गई हैं. वहीं, 916 शुद्धता वाला सोना (22 कैरेट) आज 55359 रुपये का हो गया है. इसके अतिरिक्त, 750 प्योरिटी वाले (18 कैरेट) सोने की कीमतें 45326 पर पहुंच गई हैं. वहीं, 585 (14 कैरेट) प्योरिटी वाला सोना आज सस्ता होकर 35355 रुपये पहुंच गया है. इसके अतिरिक्त, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 71076 रुपये की हो गई है.

घर बैठे ऐसे चेक करे भावः-

आपको बता दें आप इन दामों को सरलता से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको केवल इस नंबर 8955664433 पर मिस्ड कॉल देना है तथा आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा, जिसमें आप नवीनतम दाम चेक कर सकते हैं। बता दें यदि अब आप सोने की शुद्धता चेक करना चाहते हैं तो इसके लिए सरकार की तरफ से एक ऐप पेश किया गया है। 'BIS Care app' से ग्राहक सोने की शुद्धता की जांच कर सकते हैं।

अमेरिकी कंपनियों को संभाल रहे विदेशों में जन्मे सीईओ

भारतीय मूल के कंपनी लीडर्स का दबदबा कितना ?

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर देश अमेरिका की कंपनियों में विदेशों में जन्में सीईओ का दबदबा है। अमेरिका की लीडिंग कंपनियों को विदेशी जमीन पर जन्में लोग संभाल रहे हैं। एपल हो या एडोबी माइक्रोसाफ्ट हो या आईबीएम हर कंपनी के टॉप पोस्ट पर अमेरिका से बाहर जन्मे लोग काबिज हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी कंपनियों के सीईओ की लिस्ट में भारतीय मूल के लोगों की संख्या सबसे अधिक है।गूगल, एडोबी, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट, माइक्रॉन टेक्नोलॉजी, पेप्सिको, स्टारबक्स और वर्ल्ड बैंक जैसे दिग्गज प्रतिष्ठानों की कमान भारतीय मूल के लोगों के हाथ में है। भारतीय मूल के लीडर्स की प्रतिष्ठित लिस्ट में सुदर पिचई, सत्या नडेला और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बग्गा जैसे बड़े नाम हैं। वहीं केएफसी की कमान एक पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति के पास है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार और ट्विटर, टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के मुखिया एलन मस्क का जन्म भी अमेरिका में नहीं हुआ है। वे दक्षिण अफ्रीका में पैदा हुए हैं। वर्तमान में भारतीयों के नेतृत्व या स्वामित्व वाली कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो NASDAQ पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का 10% से ज्यादा है। इन दिग्गज अमेरिकी कंपनियों की सूची में एडोबी, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, नोवार्टिस और स्टारबक्स जैसे बड़े नाम हैं। हालांकि इस लिस्ट में गैप, हरमन इंटरनेशनल, मास्टरकार्ड, मैच ग्रुप और पेप्सिको जैसी कंपनियां शामिल नहीं हैं, लेकिन लंबे समय तक इन कंपनियों का नियंत्रण भी भारतीय सीईओ के हाथ में रहा है। इन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण में 700 अरब डॉलर है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इन प्रमुख कंपनियों ने अपने भारतीय मूल के लीडर्स की अगुवाई में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

2000 के नोट से जुड़ी याचिका लेकर एससी पहुंचे अश्विनी

बिना पहचान प्रमाण के नोट जमा करने को चुनौती दी, एचसी ने याचिका खारिज कर दी थी

31 मार्च तक सर्कुलेशन में थे 2000 के 181 करोड़ नोट

तारीख	वैल्यू ऑफ नोट	वॉल्यूम ऑफ नोट
31 मार्च 2018	6.73 लाख करोड़	336.5 करोड़
31 मार्च 2023	3.62 लाख करोड़	181 करोड़

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय 2000 रुपए के नोट बदलने से जुड़ी याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। अश्विनी ने अपनी याचिका में बिना किसी पहचान प्रमाण के ₹2000 के नोट बदलने की अनुमति को चुनौती दी है। दो दिन पहले हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जे सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने ये फैसला सुनाया था।

पूरा मामला समझें...

RBI ने 19 मई को 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेने का ऐलान किया था। इसके तीन बाद यानी 23 मई से देशभर के बैंकों में इस नोट को बदलने की प्रोसेस शुरू हो गई। लोग बैंकों में अपने नोट बदलने के लिए पहुंच रहे हैं। RBI ने 30 सितंबर तक 2000 के नोट बदलने या अकाउंट में जमा कराने को कहा है।

रिजर्व बैंक ने अपने सर्कुलर में कहा है कि वो 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेगा, लेकिन मौजूदा नोट अमान्य नहीं होंगे। RBI ने बताया था कि 'क्लीन नोट पॉलिसी' के तहत रिजर्व बैंक ने यह फैसला किया है। लोग किसी भी बैंक में एक बार में 10 नोट बदलवा सकते हैं, जबकि डिपॉजिट की कोई लिमिट नहीं है।

2 हजार का नोट नवंबर 2016 में मार्केट में आया था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए थे। इसकी जगह नए पैटर्न में 500 का नया नोट और 2000 का नोट जारी किया गया था। जब पर्याप्त मात्रा में दूसरे डिनॉमिनेशन के नोट उपलब्ध हो गए तो 2018-19 में 2000 के नोटों की छपाई बंद कर दी गई थी।

फिर बढ़ने वाली है केंद्रीय कर्मियों की सैलरी?

महंगाई भत्ते पर आ सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार जल्द ही अपने कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला ले सकती है। सूत्रों के हवले से खबर है कि वर्ष 2023 की दूसरी छमाही के लिए डीए में बढ़ोतरी का एलान जल्द किया जा सकता है। इस बार सरकार डीए के साथ फिटमेंट फैक्टर में भी बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि अभी इस संबंध में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है लेकिन अगर फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरी का ऐलान होता है, तो कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में मजबूत इजाफा होगा। फिलहाल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को फिटमेंट फैक्टर 2.57 फीसदी मिलता है.

वर्तमान में 4200 रुपये ग्रेड पे के कर्मचारी को बेसिक सैलरी के रूप 15,500 रुपये मिलते हैं। इस तरह केंद्रीय कर्मी का कुल वेतन वेतन 15,500X2.57 रुपये या 39,835 रुपये होगा। छठे सीपीसी ने फिटमेंट फैक्टर में 1.86 फीसदी इजाफा करने की सिफारिश की थी। ऐसे में कर्मचारियों की मांग है कि फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.68 फीसदी कर दिया जाना चाहिए। अगर सरकार यह मांग मान लेती है तो केंद्रीय सरकार कर्मियों का मौजूदा न्यूनतम वेतन जो वर्तमान में 18,000 रुपये है से बढ़कर 26,000 रुपये हो जाएगा। सरकार ने इस साल की पहली छमाही के लिए भी डीए और डीआर में चार फीसदी का इजाफा कर 38 फीसदी से 42 फीसदी कर दिया था।

अब अगर इसमें दूसरी छमाही के लिए भी चार प्रतिशत का इजाफा किया गया तो यह 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो जाएगा। पिछले साल (2022) मार्च में कर्मचारियों के डीए में तीन फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। उस समय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता या डीए 31 फीसदी से बढ़कर 34 फीसदी हो गया था। इसके बाद इसमें दो बार चार-चार प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। यह बड़ा सवाल है कि अगर डीए बढ़ाकर 46 फीसदी कर दिया जाता है तो इससे कर्मचारियों की सैलरी में कितना इजाफा होगा। इसे ऐसे समझते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	मेष--	02-57 बजे
चंद्र-	तुला	में	वृष--	04-42 बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	06-42 बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	08-56 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	11-07 बजे
शुक्र-	कर्क	में	कन्या..	13-13 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	15-19 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	17-29 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	19-42 बजे
			मकर..	21-48 बजे
			कुंभ...	23-39 बजे
			मीन ..	01-17 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-44 सूर्य अस्त- 18-43
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 13 -39 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , गुरुवार June 01
नक्षत्र - चित्रा - 06- 48 - तक उपरान्त स्वाति
योग - वरियान -18 - 59 - तक उप - परिघ
करण- बालव - 13 -39 - तक उप- कौलव
विशेष:- प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार - वटसावित्रि व्रतरम्भः

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:52 से 15:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	05:44 - 07:20 शुभ	अमृत.	18:43 - 20:08 शुभ
रोग	07:20 - 08:58 अशुभ	चंचल.	20:08 - 21:30 शुभ
उत्पात	08:58 - 10:36 अशुभ	रोग.	21:30 - 22:52 अशुभ
चंचल	10:36 - 12:14 शुभ	काल.	22:52 - 00:14 अशुभ
लाभ	12:14 - 13:52 शुभ	लाभ.	00:14 - 01:36 शुभ
अमृत	13:52 - 15:30 शुभ	उत्पात	01:36 - 02:58 अशुभ
काल	15:30 - 17:08 अशुभ	शुभ.	02:58 - 04:20 शुभ
शुभ	17:08 - 18:43 शुभ	अमृत	04:20 - 05:44 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ,

अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं|आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है|अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें |आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है |अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है |

वृष ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी | आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा | आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे | आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे |

मिथुन का, की, कू, घ,ङ छ, के,को,ह

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यग्रहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यग्रहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है ।

कर्क ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी | कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी | आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे |दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है |

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे |समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी |कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा |कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा |अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ने,

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओहसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी | ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें | स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे |

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,

आज पैसे को संभलकर खर्च करें |सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं |अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है |आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा |स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं |

धनु ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं |लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें |आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे |

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं |जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे | साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है |

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

मीन दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे |स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं | आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं | ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें |

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

साहिल चाकू-पत्थर मारता रहा, लोग देखते रहे

क्या है 'बाईस्टैंडर इफेक्ट', जिसकी वजह से साक्षी को बचाने नहीं आई भीड़

नई दिल्ली, 31 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 28 मई यानी रविवार की रात पौने 9 बजे। दिल्ली के शाहबाद डेयरी के पास गली में नीली शर्ट पहने साहिल नाम का एक लड़का खड़ा था। लोग गली से गुजर रहे थे। दोस्त के बेटे की बर्थडे पार्टी में जाने के लिए साक्षी पास के एक पब्लिक टॉयलेट से तैयार होकर बाहर निकलती है। तभी गली में खड़ा साहिल, साक्षी को रुकने के लिए कहता है।

इसके बाद उसने एक हाथ से साक्षी को पकड़ा और दूसरे हाथ में लिए चाकू से हमला कर दिया। साक्षी दीवार की ओट लेकर खुद को बचाने की कोशिश करती है। इसके बावजूद साहिल चाकू मारना जारी रखता है। साहिल अगले 66 सेकेंड में साक्षी पर 40 बार चाकू से हमला करता है। जब लड़की सड़क पर गिर जाती है तो साहिल वहां पड़े एक बड़े पत्थर से 6 बार जाहिलाना हमला करता है।

इसके बाद वह साक्षी को पैर मारता है और वहां से चला जाता है। इस दौरान वहां से अलग-अलग उम्र के कम से कम 17 लोग गुजरते हैं। इनमें कुछ महिलाएं भी होती हैं, लेकिन इनमें से कोई भी उस लड़की को बचाने की कोशिश नहीं करता है। सिर्फ शुरुआत में एक लड़का बचाने की कोशिश करता है, लेकिन बाद में वह भी वहां से चला जाता है। करीब आधे घंटे तक साक्षी का शव सड़क पर पड़ा रहा। ऐसे में सवाल लाजमी है कि आखिर वहां मौजूद डेढ़ दर्जन लोगों में से किसी ने साक्षी को बचाया क्यों नहीं?

इसे समझने के लिए आपको 6 दशक पुरानी एक घटना जानना जरूरी है। 1964 की बात है। अमेरिका के क्वींस शहर के केव गार्डन नाम की जगह पर 28 साल की किटी जेनोविस नाम की एक लड़की रहती थी। 13 मार्च को इस लड़की का पहले रेप और फिर सरेआम हत्या की जाती है। जब हमलावर चाकू से जेनोविस पर हमला करता है उस समय वहां पर 38 लोग मौजूद होते हैं।

घटना को अंजाम देने से पहले 35 मिनट से ज्यादा समय तक केव गार्डन के पास हमलावर जेनोविस का पीछा करता है। इसके बाद वह लड़की पर तीन बार चाकू से हमला करता है। इस दौरान जेनोविस ने कई बार मदद की गुहार लगाई, लेकिन वहां पर मौजूद सभी 38 लोगों ने इसे अनसुना कर दिया। जब जेनोविस की मौत हो गई तब एक शख्स ने

पुलिस को खबर दी। हमले के समय वहां पर मौजूद एक अन्य शख्स ने एक पत्रकार से अपनी बातचीत में कहा था कि मैं इस सब में शामिल नहीं होना चाहता था। इस घटना के बाद एक्सपर्ट्स ने गवाहों के तमाशबीन बने रहने को समझाने के लिए 'बाईस्टैंडर इफेक्ट' थ्योरी ईजाद की।

बाईस्टैंडर थ्योरी का मतलबः इस थ्योरी में बताया गया कि किसी घटना के दौरान जितने ज्यादा लोग मौजूद होंगे, वहां पर भीड़ के हस्तक्षेप करने यानी पीड़ित को बचाने की संभावना उतनी ही कम होगी।

अंग्रेजी भाषा के सबसे पुराने शब्दकोश ब्रिटानिका के मुताबिक, बाईस्टैंडर थ्योरी पर सबसे पहले रिसर्च करने वाले 2 लोग थे। इनमें एक सोशल साइकोलॉजिस्ट बिब लताने और दूसरे जॉन डार्ले थे। इन्होंने रिसर्च के बाद इस थ्योरी को समझाया था। रिसर्चर लताने और डार्ले ने बताया कि कई बार तमाशबीन लोग संकट में पड़े लोगों की परवाह करना चाहते हैं, लेकिन वे वास्तव में ऐसी घटना को अंजाम देने वाले को रोकते हैं या नहीं यह इन वजहों पर निर्भर करता है। इंसिडेंट को नोटिस करना। यह तय करना कि यह इमरजेंसी है। यह देखना कि इस घटना के लिए वह व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं या नहीं। हत्या करने वाले को रोकने का तरीका चुनना। लास्ट में बचाने का फैसला करना। एक्सपर्ट लताने और डार्ले कहते हैं कि इनमें से किसी एक भी चीज की कमी होने पर घटनास्थल पर मौजूद शख्स मौके पर बचाव के लिए हस्तक्षेप नहीं करेगा। साक्षी जैसे मामले में हमला होते देखने के बाद भी लोग बचाने क्यों नहीं आते हैं? साइकोलॉजी टुडे के मुताबिक, लताने और डार्ले ऐसी घटनाओं के समय मौजूद लोगों के हस्तक्षेप नहीं करने की दो वजहें बताते हैं। पहला- डिफ्यूजन ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी, दूसरा- सोशल इन्फ्लुएंस।

डिफ्यूजन ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटीः ऐसी घटना के दौरान वहां पर मौजूद लोगों की संख्या जितनी ज्यादा होगी, बचाने वाले लोग उतने ही कम होंगे। दरअसल, उन्हें लगेगा कि यहां पर पहले से ही काफी लोग मौजूद हैं, ऐसे में हमें मामले में पड़ने की जरूरत नहीं है।

सोशल इन्फ्लुएंसः इस मामले में घटनास्थल पर मौजूद लोग यह सोचते हैं कि यदि कोई दूसरा मामले में हस्तक्षेप करता है तो हम भी करेंगे। कई वजहों से लोग ऐसे मामले में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। रिसर्च से पता चलता है कि जब यौन हमले की बात आती है, तो लोगों के हस्तक्षेप करने की संभावना कम होती है।

यदि गवाह पुरुष है। महिलाओं को कमतर आंकने वाले लोग हैं।

ड्रग्स या अल्कोहल लेने वाले लोग हैं। सीसीटीवी में कैप्चर हुआ मर्डर, साहिल ने चाकू मारने के बाद पत्थर पटका। साहिल ने नाबालिग को 40 से ज्यादा बार चाकू मारा। साहिल ने चाकू मारने के बाद 6 बार नाबालिग के सिर पर पत्थर पटका। मौके पर मौजूद लोग इन 2 तरीकों से साक्षी को बचा सकते थे।

साइकोलॉजी टुडे वेबसाइट ने रिसर्च के हवाले से लिखा है कि बाईस्टैंडर इफेक्ट को 2 तरीकों से कम किया जा सकता है घटनास्थल पर मौजूद शख्स सिर्फ तेज आवाज में चेतावनी देते हुए कह सकता है कि ये क्या हो रहा है? या फिर वहां मौजूद शख्स यह कह सकता है कि पुलिस आ रही है। वह ऐसा करके दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कर सकता है।

1 करोड़ से ज्यादा का नकली गुटखा बरामद

छापा मारने पहुंचे अधिकारियों को देखकर भागे सुपरवाइजर-ठेकेदार, 350 बोरियां और मशीनें मिली

रायपुर, 31 मई (एजेंसियां)। रायपुर में खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मंदिर हसौद इलाके में एक गुटखा फैक्ट्री पर देर रात छापा मारा गया। अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक खाद्य विभाग के अफसरों को यहां एक करोड़ से ज्यादा का गुटखा मिला है। बड़ी तादाद में जब्त किए गए स्टॉक की जांच की जा रही है। आज भी इस मामले में कार्रवाई जारी रहेगी।

यह छापा मंदिर हसौद इलाके की एक बड़े गोदाम पर मारा गया। जहां भीतर गुटखे की फैक्ट्री भी चलाई जा रही थी, छापा मारने पहुंचे खाद्य विभाग के अधिकारियों को देखते ही फैक्ट्री को सुपरवाइजर और ठेकेदार भाग गए। अधिकारियों को यहां से 350 बोरियों में सितार गुटखा, 23 गुटखा बनाने वाली मशीन, 700 पैकेजिंग के सामान और 120 बोरे में खुला गुटखा मिला है । जांच टीम ने यहां इस्तेमाल की जा रही गाड़ियों को भी जब्त कर लिया है।

मध्य प्रदेश झारखंड से लाए गए मजदूर

इस गोदाम में मध्यप्रदेश और झारखंड से मजदूरों को लाकर गुटखा पैकेजिंग का काम किया जा रहा था। यहां न तो कोई क्वॉलिटी टेस्टिंग की व्यवस्था मिली। न गुटखा प्रोडक्शन में साफ सफाई का ध्यान रखा गया था।

यहां से पैकेजिंग के बाद गुटखे को बड़ी तादाद में रायपुर और आसपास के ग्रामीण इलाके में खपाया जा रहा था। इससे पहले खाद्य विभाग 5 करोड़ की नकली आयुर्वेदिक दवाओं के मामले में कार्रवाई रायपुर में कर चुका है । इस फैक्ट्री से जुड़े लोगों की भी जांच पड़ताल की जा रही है।

मॉडलिंग स्कूल संचालक पर रेप का आरोप

मॉडल बोली- तनवीर ने यश बनकर धोखा दिया, धर्म बदलने और शादी का दबाव डाला

रांची, 31 मई (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर की रहने वाली एक मॉडल ने रांची के एक मॉडलिंग स्कूल के संचालक तनवीर अख्तर पर रेप का आरोप लगाया है। वह रांची के मॉडलिंग स्कूल में काम करती थी। उसने मुंबई के वर्सोवा थाने में मंगलवार को तनवीर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने तनवीर के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। मॉडल ने आरोप लगाया है कि तनवीर ने यश नाम बताकर धोखा दिया। वह धर्म बदलकर शादी करना चाहता है और उसने मुंबई आकर जान लेने की कोशिश भी की। मॉडल ने कहा कि झारखंड में बार- बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। मॉडल ने यूट्यूब पर वीडियो अपलोड किया है। इसमें उसने कहा, मैं मर जाऊंगी, लेकिन अपना धर्म नहीं बदलूंगी। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री मुझे इस हैवान से बचाएं। कल को वो क्या करेगा, मुझे नहीं पता। मैं हिंदू हूं, कभी मुस्लिम से शादी नहीं करूंगी।

रांची पुलिस कर रही है केस की जांच

रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने कहा, मॉडल ने मुंबई के वर्सोवा इलाके में एफआईआर दर्ज करवाई थी। जीरो पर एफआईआर दर्ज की गई थी। मुंबई पुलिस ने इसे ट्रांसफर किया। यहां एफआईआर दर्ज की गई है। हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। हम पीड़ित महिला के साथ संपर्क में हैं और सबूत इकट्ठा कर रहे हैं।

मॉडल के तनवीर पर 3 आरोप

1. डेढ़ साल मानसिक परेशानी से गुजरी

मॉडल ने बताया, एक्टिंग और मॉडलिंग का सपना लेकर यश मॉडल स्कूल में एडमिशन लिया

था। सीखते- सीखते इसी जगह काम भी शुरू कर दिया। यहीं तनवीर से मुलाकात हुई। मैंने वहां डेढ़ साल काम किया इस दौरान कई तरह की मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ा।

2. मेरी फोटो का गलत इस्तेमाल किया

मॉडल ने कहा, मैं किसी तरह मुंबई आ गई। इसके बाद भी तनवीर मुझे ब्लैकमेल कर रहा है। उसने मुझे यहां आकर मारने की भी कोशिश की है। मेरी फोटो का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रहा है। वह मुझसे शादी करना चाहता है, मेरा धर्म बदलना चाहता है। इससे पहले भी उसने ऐसी ही हरकत की थी। मैंने शिकायत की थी तो उसने कोर्ट में एफिडेविट में लिखकर दिया था कि वह आगे से ऐसी हरकत नहीं करेगा। मैंने उसके खिलाफ शिकायत वापस ले ली, लेकिन वह नहीं माना और लगातार मुझे तंग करता रहा।

3. गंदे मैसेज भेजे, ब्लैकमेल करता रहा

उसने ने बताया, तनवीर के परिवारवालों को भी इसकी जानकारी है। उसकी बहन शाजिया और पिता शादाब खान को जानकारी है। दोनों मुझसे कहते रहे कि तनवीर किसी भी तरह शादी कर लेगा। 23 मई को मेरा जन्मदिन था, उस दिन भी तनवीर ने मुझे ब्लैकमेल किया। गंदे मैसेज करता रहा। मेरे घरवालों को जान से मारने की धमकी दी।

पकड़े गए नक्सली के खुलासे से तीसरी बड़ी बरामदगी

भारी मात्रा में विस्फोटक-हथियार और गोला-बारूद जब्त

रांची, 31 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को कहा कि उसने पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के आतंक की फंडिंग के मामले में पिछले दो दिनों में राज्य से भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद जब्त किया है। एजेंसी के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि झारखंड पुलिस की मदद से छापेमारी की गई।

इस मामले में 21 मई को दिनेग गोपे को गिरफ्तार किया था। वह इसके बाद से एनआईए की हिरासत में है। उसके द्वारा किए गए खुलासे के बाद सोमवार और मंगलवार को खूंटी, गुमला और सिमडेगा जिलों से विस्फोटकों की जब्ती की गई। दिल्ली में पकड़े जाने से पहले गोपे फरार चल रहा था। गोपे ने गुमला के एक जंगल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद का जखीरा करने के

लिए एनआईए का नेतृत्व किया था।

महुआटोली की वन पहाड़ी दो आईईडी जब्त

प्रवक्ता ने बताया कि एनआईए और झारखंड पुलिस ने सोमवार को खूंटी के रनिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत झरियाटोली, गरई से करीब 62.3 किलोग्राम जिलेटिन और 5.56 मिमी की 732 गोलियां बरामद कीं। उसी दिन गुमला के कामडारा इलाके के किसनी गांव से एक पिस्तौल, 5.56 मिमी गोला-बारूद की 11 गोलियां और 303 गोला-बारूद की 30 गोलियां जब्त की गई थीं। इसके बाद मंगलवार को सिमडेगा में महाबुआंग पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत महुआटोली की वन पहाड़ी से दो आईईडी भी जब्त किए गए थे। एनआईए ने कहा कि एक सप्ताह से भी कम समय में इस तरह की यह तीसरी बरामदगी है। गोपे की गिरफ्तारी के बाद मामले की निरंतर जांच के परिणाम स्वरूप 26 मई को भारी मात्रा में गोला-बारूद (7.62 मिमी की 1,245 गोलियां और 5.56 मिमी की 271 गोलियां) जब्त किया गया। एजेंसी ने खूंटी जिले के गोपे उर्फ कुलदीप यादव के खिलाफ प्रतिबंधित माओवादी संगठन पीएलएफआई के गुर्गे के पास से चलन से बाहर हो चुके 25.38 लाख रुपये के नोटों की बरामदगी से संबंधित मामले में आरोपपत्र दायर किया था। इसके बाद से गोपे फरार था और आखिरकार 21 मई को एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया। 22 मई को एक विशेष अदालत ने उसे एनआईए की हिरासत में भेज दिया था।

मेनरोड गोलीकांड का हुआ खुलासा

पुलिस ने आरोपी साहेब को बड़ा तालाब से किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रांची, 31 मई (एजेंसियां)। रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले लेक रोड स्थित छाता मस्जिद के पास सोमवार को हुई गोलीबारी की घटना का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। वहीं गोली चलाने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी भी पुलिस ने कर ली है। गिरफ्तार किए गए अपराधी को जेल भेज दिया है। उसके पास से काला रंग का देशी कट्टा बरामद किया गया है। आज प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पुलिस ने बताया कि उक्त अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसका नाम तल्हा उर्फ साहेब ऊर्फ विपिन है। बताया गया कि पारिवारिक विवाद में अभियुक्त साहेब ने खेत मोहल्ला में दोपहर के समय मोहम्मद शान के ऊपर हथियार तान दिया था। इसके बाद उसी दिन शाम में

7:30 के करीब मोहम्मद शान के भाई मोहम्मद इरफान पर भी उसने गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में इरफान बाल-बाल बच गया था। गोली चलने की आवाज से वह भीड़ लगने लगी। यह देख अभियुक्त हिंदी पीढी थाना की ओर भाग गया।

मंगलवार को अभियुक्त साहेब के देसी कट्टा लेकर बड़ा तालाब छठ तालाब दुर्गा मंदिर के पास घूमने की सूचना पुलिस को मिली। इसके बाद एसपी के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में छापेमारी तीन गठित की गई। इस टीम ने अभियुक्त साहेब को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

नारायण चंदेल बोले-चुनाव से पहले कांग्रेस में होगा विस्फोट

अजीत जोगी का नाम लिए बगैर कहा- 2000-2003 में बीजेपी में तोड़फोड़ की गई थी

बिलासपुर, 31 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत गरमाने लगी है। बीजेपी और कांग्रेस में आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक ओर जहां कांग्रेस ने अपनी योजनाओं के जरिए अगले चुनाव में जीत का दावा कर रही है। तो वहीं दूसरी ओर बीजेपी छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों पर लगातार सवाल उठा रही है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल का कहना है, भाजपा तोड़फोड़ की राजनीति पर विश्वास नहीं करती है। अजीत जोगी का नाम लिए बगैर कहा, 2000-2003 में एक मुख्यमंत्री ने बीजेपी में तोड़फोड़ की थी और बहुत से विधायकों को

लेकर गए थे। इसके बाद भी प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। कांग्रेस में असंतोष का विस्फोट चुनाव से पहले फूटेगा और असंतुष्ट नेता भाजपा में आने वाले हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की क्या रणनीति है

भाजपा में लगातार बैठकें चलती रहती है। यह चुनाव की तैयारी का ही हिस्सा है। संगठन की समीक्षा और मैदानी कार्यकर्ताओं से बातचीत कर फीडबैक ले रहे हैं। हम किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे इन सभी बातों पर चर्चा की जा रही है। पार्टी की रणनीति 2023 में भाजपा की सरकार बनाने की है। राजस्व मंत्री ने 6 महीने पहले कहा था, उनके जिले के कलेक्टर देश के सबसे भ्रष्ट अफसर हैं। लेकिन, अब उन्हें कैसे समझाएं। चार हजार करोड़ का कोल घोटाला, दो हजार करोड़ का शराब घोटाला, राशन घोटाला हो गया। ऐसी सरकार को छत्तीसगढ़ की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। सीधी सादी व सरल जनता ने सरकार को लूटने के लिए नहीं, बल्कि काम करने के लिए बैठाई है। कर्नाटक की स्थिति अलग है। वहां की परिस्थिति अलग है। हर राज्यों का अलग-अलग समीकरण रहता है। जम्मू-कश्मीर की स्थिति भी अलग है। नार्थ ईस्ट की स्थिति भी एकदम अलग है। छत्तीसगढ़ की तासीर अलग है। 2023 में भाजपा की सरकार बनेगी, देखते रहिए। हम तोड़ने की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं। विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस में असंतोष का विस्फोट होने वाला है। लोग हमारे पास खुद आने वाले हैं। तोड़फोड़ से सरकार नहीं बनती है। यह गलतफहमी है।

टिकट वितरण का काम पार्टी हाईकमान का है। संगठन के बड़े नेताओं से रायशुमारी और सर्वे के आधार पर भाजपा में टिकट दिया जाता है। टिकट को लेकर कई थर्मामीटर है और क्राइटेरिया है। जिस पर हमारे नेता बातचीत करते हैं और जीतने वाले उम्मीदवार को टिकट दिया जाता है।

कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं को भाजपा में टिकट देंगे क्या

कांग्रेस में हिटलराशाही चल रही है। जिससे कांग्रेस नेता परेशान हैं। हताश और परेशान कांग्रेस नेता चुनाव से पहले भाजपा में आएंगे। टीएस सिंह देव की नाराजगी जगजाहिर है। चरणदास महंत की स्थिति भी ठीक नहीं है। चन्नी साहू के साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम और बिलासपुर विधायक शैलेष पांडेय जैसे बहुत से ऐसे विधायक हैं, जो सरकार से असंतुष्ट हैं।

नीतीश कुमार की बैठक में शामिल होंगे सीएम हेमंत

रांची, 31 मई (एजेंसियां)। देश भर में विपक्षी पार्टियों को भाजपा के विरुद्ध एकजुट करने की मुहिम बिहार के सीएम नीतीश कुमार चला रहे हैं। इस मुहिम को मूर्त रूप देने के लिए कई राज्यों के सीएम से उन्होंने मुलाकात की है। 12 जून को उन्होंने पटना में विपक्षी एकजुटता को मजबूती देने के लिए बैठक रखी है। इस बैठक में देश भर के राज्यों के विपक्षी दलों के प्रमुख शामिल हो रहे हैं। नीतीश कुमार की ओर से आयोजित इस बैठक में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे। वे झामुमो की ओर से शामिल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने इसके लिए अपनी सहमति दे रखी है। देश भर में विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने को लेकर बिहार के सीएम नीतीश कुमार महीनों से विभिन्न राज्यों में जाकर समर्थन मांग रहे हैं। इस क्रम में वे झारखंड जाकर सीएम हेमंत सोरेन से भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को अपनी मुहिम से अवगत कराया था। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने उनके साथ पूरी विपक्षी एकता की रणनीतियों पर चर्चा की थी। सूत्रों की मानें तो इस विपक्षी एक जुटता का सीएम हेमंत सोरेन समर्थन कर रहे हैं। 12 जून को पटना में नीतीश कुमार की ओर से आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में देश भर से 20 विपक्षी दलों के शामिल होने की बात कही जा रही है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी इस बैठक में शामिल होगीं। झारखंड के सीएम विपक्षी पार्टी के रूप में जेएमएम की तरफ से बैठक में शामिल होंगे। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बैठक का कुछ सकारात्मक स्वरूप देखने को मिलेगा। 10 मई को रांची में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान जहां नीतीश कुमार ने कहा था कि झारखंड और बिहार का पुराना रिश्ता है। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नीतीश कुमार को गार्जियन बताया था।

1 लाख से ज्यादा बेरोजगारों को राशि जारी

रायपुर, 31 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज 1 लाख 5 हजार 395 युवाओं के खाते में बेरोजगारी भत्ते की राशि जारी कर दी गई है। करीब 32 करोड़ की राशि बेरोजगार युवाओं के खातों में भेजी गई। मुख्यमंत्री निवास में हुए कार्यक्रम में बेरोजगार युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

भूपेश बघेल ने कहा, आपको बेरोजगारी भत्ते से सहायता मिल रही है लेकिन मुझे बेरोजगारी भत्ता देने से ज्यादा खुशी तब होगी जब आपके हाथ मे रोजगार होगा। सरकारी नौकरी के लिए हम लगातार वैकेंसी निकाल रहे हैं। इसके साथ ही आपको कौशल प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। ताकि आप अपना काम भी शुरू कर सकें।

बेरोजगारी भत्ता एक छोटा सा सहयोग भर है। जिसके माध्यम से आप अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। पिछले कार्यक्रम में मैंने कहा था आरक्षण पर रोक हटते ही अखबार नौकरियों के विज्ञापन से भरे होंगे, आज हमने अपना वादा निभाया है। अलग-अलग विभागों में लगातार वैकेंसी आ रही हैं।

1680 प्रकरण अपील के लिए बेरोजगारी भत्तों के आवेदन की नियमानुसार पात्रता जांच हो रही है। जिन मामलों में भत्ता स्वीकृत नहीं किया गया है। उन्हें अपील का अधिकार दिया गया है।

30-40 किमी स्पीड से चलेगी आंधी

रायपुर, 31 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के बस्तर संभाग में तेज आंधी और तूफान की आशंका जताई है। इसके अलावा रायपुर समेत दूसरे संभागों में भी इसका असर दिखाई दे सकता है। प्रदेश के कई जिलों में आज शाम से फिर मौसम बदलने वाला है। तेज आंधी और तूफान लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। कई जगहों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है और तेज बादल गरजने के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। मुख्य रूप से बस्तर संभाग में जगलपुर, सुकमा, बस्तर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोंडागांव और कांकेर जिले के इलाके ज्यादा प्रभावित रहेंगे इन इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है। वैसे तो छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री 15 जून तक मानी जाती है लेकिन उससे पहले प्री-मानसून की फूहारें प्रदेश को भिगो सकती है। मौसम में परिवर्तन के आसार दिखाई दे रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस वक्त प्रदेश में जो बारिश हो रही है उसे प्री-मानसून के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। क्योंकि मानसून से पहले की बारिश प्री मानसून की ही एक्टिविटी होती है, इस वक्त ऐसी फूहारें प्रदेश के दक्षिण हिस्से यानी बस्तर संभाग में ही देखी जा रही है। प्रदेश में मानसून की एंट्री भी बस्तर संभाग से ही होती है। वैसे अभी मानसून के पहुंचने में 10 से 15 दिनों का वक्त बाकी है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि भले ही बस्तर में संभाग में आंधी और बारिश का अलर्ट है लेकिन प्रदेश के बाकी हिस्सों में तापमान में बढ़ोत्तरी संभावित है।

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में हल्के बादल छाये हुए हैं लेकिन तेज बारिश के आसार नहीं है। वहीं उत्तर-पश्चिम से लगातार गर्म हवाओं का आगमन जारी है, जिससेरायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग में तापमान में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड दिल्ली पहुंचे

सीमा विवाद पर पीएम मोदी से बातचीत मुमकिन 2009 में कहा था– भारत से सभी समझौते रद्द हों

काठमांडू/दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड बुधवार को अपनी बेटी गंगा दहल के साथ 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। प्रधानमंत्री के रूप में प्रचंड का ये चौथा भारतीय दौरा है। यात्रा के दौरान प्रचंड 1 जून को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच बॉर्डर विवाद को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

हैदराबाद हाउस में नेपाल के पीएम के सम्मान में खास लंच भी आयोजित किया जाएगा। इसके बाद प्रचंड राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात करेंगे। वो नई दिल्ली में नेपाल-भारत बिजनेस समिट को भी संबोधित करेंगे। प्रचंड भारत में मौजूद नेपाली समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

इसके बाद 3 जून को वो एक कार्यक्रम के लिए इंदौर जाएंगे। इसके बाद नेपाली पीएम के महाकाली की नगरी उज्जैन जाने की भी संभावना है। नेपाल के पीएम इससे पहले मई में भारत आने वाले थे लेकिन कैबिनेट विस्तार के चलते उन्होंने यात्रा टाल दी थी। नेपाल में परंपरा है कि जो भी नेता वहां का प्रधानमंत्री बनता है वो अपने विदेशी यात्राओं की शुरुआत भारत से ही करता है।

हालांकि, 2008 में राजशाही खत्म होने के बाद जब प्रचंड पीएम बने थे तो वो सबसे पहले चीन पहुंच थे। पिछले साल दिसंबर में पुष्प कमल दहल प्रचंड तीसरी बार नेपाल का प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले वो 2008 से 2009 और दूसरी बार 2016 से 2017 में प्रधानमंत्री बन चुके हैं।

प्रचंड को चीन का करीबी माना जाता है। उन्होंने कई बार भारत विरोधी बयान भी दिए हैं। दरअसल प्रचंड को 2009 में पीएम पद से इस्तीफा देने पड़ा था, जिसकी वजह वो भारत को मानते हैं। प्रचंड ने नेपाल आर्मी चीफ रुकमंगड़ कटवाल को पद से हटा दिया था, भारत इसके खिलाफ था। भारत के गतिरोध के बीच उन्हें इस्तीफा देने पड़ा। इसके बाद उनकी नजदीकियां चीन से बढ़ने लगी। इस्तीफे के बाद वो कई बार चीन के निजी दौरे पर गए। प्रचंड ने कहा था कि भारत और नेपाल के बीच जो भी समझौते हुए हैं, उन्हें खत्म कर देना चाहिए। 2016-2017 में भी प्रचंड के हाथ में सरकार की कमान रही। इस दौरान उन्होंने कहा था- नेपाल अब वो नहीं करेगा, जो भारत कहेगा।

नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद

पिछले साल अक्टूबर में नेपाल सरकार ने दोनों देशों की सीमा के पास भारत में बन रही एक सड़क के चौड़ीकरण पर आपत्ति जताई थी। यह सड़क बिहार के सीतामढ़ी शहर के कई इलाकों को नेपाल बॉर्डर पर भिठ्ठामोड़ और जनकपुर से जोड़ती है। इससे पहले उत्तराखंड के लिपुलेख में भारत की सड़क लंबी करने की घोषणा को लेकर नेपाल ने भार त को चेतावनी जारी करते हुए इसे तुरंत रोकने को कहा था। नेपाल उत्तराखंड स्थित लिपुलेख को अपना इलाका बता चुका है। दिसंबर 1815 में ब्रिटिश इंडिया और नेपाल के बीच एक संधि हुई थी, जिसे सुगौली संधि के नाम से जाना जाता है। इस संधि पर हस्ताक्षर तो दिसंबर 1815 में हो गए थे, लेकिन ये संधि अमल में 4 मार्च 1816 से आई।

पाक अदालत ने इमरान की जमानत तीन दिन के लिए बढ़ाई

इस्लामाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत बुधवार को तीन दिन के लिए बढ़ा दी और उन्हें संबंधित जवाबदेही अदालत का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने जारी किया। वहीं हाईकोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो में इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है, साथ ही उनके सुरक्षाकर्मी बुलेटप्रूफ शील्ड लिए हुए हैं। इस्लामाबाद हाईकोर्ट देश की राजधानी में आयोजित रैली के दौरान धारा 144 के उल्लंघन मामले के साथ-साथ नौ मई को हुई हिंसा की घटनाओं के मामले में खान की दो अतिरिक्त जमानत याचिकाओं पर भी सुनवाई करेगा। इसके अलावा कोर्ट इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की जमानत याचिका पर भी सुनवाई करेगा।

कभी एलियन्स ने मैसेज भेजा तो कैसे करेंगे डिकोड

ईसीए ने इसके लिए शुरू किया मॉक ड्रिल

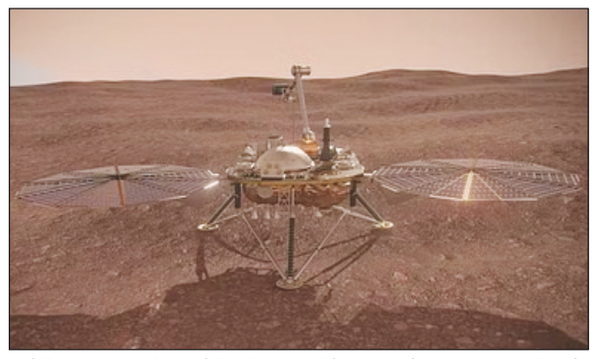

पेरिस, 31 मई (एजेंसियां)। मंगल ग्रह की सतह पर घूम रहे एक अंतरिक्ष यान से पृथ्वी को संदेश भेजा गया, जिसका इस्तेमाल दूसरे ग्रह के लोगों से भविष्य में संचार स्थापित करने की तैयारी के लिए किया जा रहा है। 24 मई को मार्स पर घूम रहे ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) ने एक कोडेड सिग्नल भेजा था, जिसे रेडियो रिसीवर ने धरती में रिसीव किया था। विशेषज्ञों ने इसे डिकोड करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं।

16 मिनट बाद धरती पर रिसीव हुआ मैसेज

कैलिफोर्निया में सेटी संस्थान में फ्रेंक मार्चिस ने बताया कि काफी लंबे समय से हम इस पद्धति को विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। हमने कभी नहीं सोचा था कि वास्तव में सिग्नल प्राप्त करना और डिकोड करना कैसा होगा। रोम के डेनिएला डी पॉलिस ने ए साइन इन स्पेस नाम से एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। प्रोजेक्ट का उद्देश्य था कि हम सुनिश्चित कर सकें कि अगर भविष्य में बाहरी सभ्यता या फिर दूसरे ग्रहों से कोई मैसेज आता है तो हम उसे कैसे डिकोड करें और कैसे उसका जवाब दें। ईएसए ने बताया कि 24 मई को रात नौ बजे मार्स की ऑर्बिट में घूम रहे टीजीओ ने एक संदेश भेजा था। धरती और मार्स के बीच लगभग 300 मिलियन किलोमीटर की दूरी है, इस वजह से सिग्नल को धरती तक पहुंचने में 16 मिनट लग गए। ईएसए के अधिकारी टियागो लौरेइरो का कहना है कि टीजीओ मंगल की सतह से 400 किलोमीटर ऊपर है, जो वहां के वातावरण का अध्ययन करती है।

10 मई को सबसे पहले आया था संदेश

परियोजना के एक अधिकारी डेनिएला डी पाउलिस ने बताया कि इतिहास गवाह है कि इंसान ने हमेशा शक्तिशाली घटनाओं की खोज की है। अपनी वेबसाइट में ईएसए ने बताया कि 10 मई को सबसे पहले जर्मनी के डार्मस्टैड स्थित अंतरिक्ष एजेंसी को संदेश भेजा गया था। ईएसए के अनुसार, उन्होंने सभी देशों और संस्कृतियों के लोगों को आमंत्रित किया है। विशेषज्ञों से सिग्नल को डिकोड और उसे आसान भाषा में समझाने के लिए कहा गया है। एजेंसी का कहना है कि जब यह संदेश डिकोड हो जाएगा, तब इसके डिकोडिंग का तरीका, इसका पूरा मतलब, डेटा आदि सहित सभी चीजें वेबसाइट और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाएगा।

काम आया पीएम मोदी का ऑस्ट्रेलिया दौरा

खालिस्तान समर्थकों को सिडनी में झटका, रद्द किया गया आयोजन

मेलबर्न, 31 मई (एजेंसियां)। विवादित संगठन सिख फॉर जस्टिस के मंसूबों पर सिडनी मेसोनिक सेंटर (एसएमसी) ने पानी फेर दिया है। सिडनी में प्रस्तावित संगठन के जनमत संग्रह के प्रस्तावित कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। बता दें, यह कार्यक्रम सिडनी मेसोनिक सेंटर में आयोजित किया जाना था। बता दें, यह कार्यक्रम 4 जून को आयोजित होने वाला था।

ऑस्ट्रेलिया मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जब से सिख फॉर जस्टिस के कार्यक्रम होने की बात सामने आई थी, तब से ही लगातार शिकायतें और धमकियां मिल रही थीं। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर कार्यक्रम की बुकिंग रद्द कर दी गई है।

धमकियों के बाद लिया फैसला

एक प्रवक्ता ने कहा कि हम बुकिंग के समय इस खालिस्तान घटना की प्रकृति को नहीं समझ पाए। बहुत विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि सिडनी मेसोनिक सेंटर किसी भी घटना का हिस्सा नहीं बनना चाहता है, जो संभावित रूप से समुदाय को नुकसान पहुंचा सकता है।

बैनर व पोस्टर हटाए जा रहे

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि धर्मेंद्र यादव ने सिख फॉर जस्टिस के प्रचार कार्यक्रम द्वारा तैयार किए गए पोस्टर व बैनर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की प्रशंसा किए जाने की शिकायत की थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि पिछले पांच दिनों से हर सुबह हिंदू विरोधी नारे वाले बैनर देखने को मिल रहे थे।

कार्रवाई जारी

द ऑस्ट्रेलिया टुडे ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी को आश्वासन दिया है कि उनकी सरकार चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना जारी रखेगी जो दोनों देशों के बीच मजबूत और गहरे संबंधों को बाधित करना चाहते हैं।

चीनी फाइटर जेट ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट को रोका

कॉकपिट के ठीक सामने से गुजरा चीन का जे-16, डगमगा गया अमेरिकी जासूसी विमान

वॉशिंगटन/बीजिंग, 31 मई (एजेंसियां)। चीन के लड़ाकू विमान ने साउथ चाइना सी के ऊपर इंटरनेशनल एयरस्पेस में उड़ रहे अमेरिकी जासूसी विमान को रोक दिया।

अमेरिका ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सैन्य कमांडर ने बताया कि चीन के जे-16 प्लेन ने 26 मई को अमेरिकी विमान के कॉकपिट के ठीक सामने उड़ान भरी। इसकी वजह से यूएस आरसी-135 स्पाई प्लेन में टर्बुलेंस आ गया।

चीन की तरफ से फिलहाल इस पर कोई बयान नहीं जारी किया गया है। हालांकि, अमेरिका में मौजूद चीनी ऐंबैसी के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने कहा- अमेरिका कई बार चीन की निगरानी के लिए अपने विमान और जहाज तैनात करता रहता है। ये चीन की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। अमेरिका को ये हरकतें रोकते हुए चीन पर दोष डालना बंद करना होगा।

अमेरिका बोला- इंटरनेशनल एयरस्पेस में उड़ान जारी रखेंगे

पेंग्यू ने कहा है कि चीन अपनी रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। चीन क्षेत्र में मौजूद दूसरे देशों के साथ मिलकर साउथ चाइना सी में शान्ति स्थापित करने के लिए काम करेगा। वहीं पेंटागन ने कहा कि इंटरनेशनल लॉ जहां कहीं भी उड़ान की इजाजत देगा, हम वहां सुरक्षित और पूरी जिम्मेदारी से उड़ान भरेंगे और अपनी तरफ से संचालन जारी रखेंगे। अमेरिका के एयरफोर्स ने इस घटना का एक वीडियो भी जारी किया है। इससे पहले सोमवार को पेंटागन ने बताया था कि चीन की सरकार ने अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के मुलाकात के न्योते को ठुकरा दिया है। अमेरिका ने चीन के डिफेंस सेक्रेटरी ली शांगफु को इस हफ्ते सिंगापुर में मुलाकात करने के लिए बुलाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन फरवरी में जासूसी गुब्बारे पर हुए विवाद के बाद से ही अमेरिका से बात नहीं कर रहा है। वो अमेरिका की तरफ से फोन कॉल, मीटिंग्स और डायलॉग की रिक्वेस्ट का भी कोई जवाब नहीं दे रहा है। इस पर पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने कहा था कि चीन के मिलिट्री डायलॉग में हिस्सा नहीं लेने के बावजूद हमारी चीनी सेना से बातचीत करने की कोशिश जारी रहेगी। वहीं, 25 फरवरी को भी अमेरिका और चीन के एयरक्राफ्ट आमने-सामने आ गए थे। चीन के जे-11 फाइटर जेट ने अमेरिकी नेवी प्लेन को साउथ-चाइना सी के ऊपर रोक दिया था। अमेरिका का पी-8 पोसेडियन पेट्रोलिंग एयरक्राफ्ट साउथ-चाइना सी के ऊपर उड़ रहा था। तभी एक चीनी फाइटर जेट उसके सामने आ गया था। यूएस एयरक्राफ्ट में बैठे सीएनएन के रिपोर्टर ने बताया था कि उन्हें प्लेन में रेडियो पर एक वॉर्निंग सिग्नल सुनाई दिया था। ग्राउंड स्टेशन से चीनी एयरफोर्स ने कहा था- अमेरिकी एयरक्राफ्ट, चीनी एयरस्पेस यहां से सिर्फ 22 किमी दूर है। अगर आप और आगे आए तो फिर अंजाम के खुद जिम्मेदार होंगे। इसके कुछ मिनट बाद ही मिसाइलों से लैस एक चीनी फाइटर जेट अमेरिकी प्लेन को रोकने के लिए उसके पोर्ट साइड से सिर्फ 500 फीट की दूरी पर आ गया था। इसके बाद अमेरिकी विमान वहां से लौट गया था।

फरवरी में अमेरिका ने चीन पर स्पाई बैलून के जरिए उनकी जासूसी करने के आरोप लगाए थे। तब से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ी हुई है। अमेरिका ने 5 फरवरी को चीनी बैलून को मार गिराया था और इसका मलबा भी चीन को लौटाने से इनकार कर दिया था।

ईरान से ऊर्जा आयात की मंशा पर आतंकवाद की तगड़ी मार

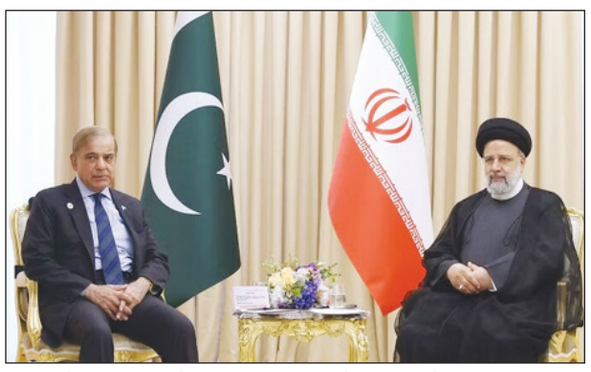

इस्लामाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। ईरान से पाकिस्तान की लगी सीमा पर हाल में हुए एक आतंकवादी हमले से ईरान से ऊर्जा आयात करने की शहबाज शरीफ सरकार की मंशा पर तगड़ी चोट पहुंची है। विदेशी मुद्रा की किल्लत से उबरने की कोशिश में शरीफ सरकार ने ईरान से किफायती दर पर ऊर्जा आयात की योजना बनाई है। विश्लेषकों के मुताबिक आतंकवादी हमले ने इस रास्ते में नई रुकावटें खड़ी कर दी हैं।

पाकिस्तान की सीमा से लगे एक ईरानी शहर में आतंकवादी गुट सरावान के साथ बीते 21 मई को ईरान के बॉर्डर गार्ड्स की मुठभेड़ हुई थी। उनमें पांच ईरानी बॉर्डर गार्ड्स मारे गए थे। इसके ठीक पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की सीमा से लगे एक गांव में मुलाकात हुई थी। वहां वे 100 मेगावाट बिजली की ट्रांसमिशन लाइन के उद्घाटन के लिए गए थे। इस ट्रांसमिशन लाइन से पाकिस्तान के बंदरगाह ग्वादार को ईरान में बनी बिजली पहुंचाई जानी है। ग्वादार परियोजना का निर्माण चीन की महत्त्वाकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत हुआ है। ईरान के विदेश मंत्री ने आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए इसे 'ईरान और पाकिस्तान के बीच सहयोग और दोस्ताना संबंधों को नुकसान पहुंचान की कोशिश' बताया था। हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी गुट जैश-उल-अदल ने ली। इस गुट ने कहा कि शिया बहुल ईरान में सुन्नी मुसलमानों के साथ बदसलूकी का बदला लेने के लिए उसने यह हमला किया।

वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक मिडल ईस्ट इंस्टीट्यूट में ईरान प्रोग्राम के निदेशक एलेक्स वतान्का ने कहा है- 'यह हमला ईरान और पाकिस्तान के बीच संभावित ऊर्जा करार के लिए बड़ा झटका है। असुरक्षा के माहौल में कोई आर्थिक सहयोग नहीं हो सकता।'

पाकिस्तान में हाल में आतंकवादी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। ईरान सीमा पर हुई घटना से कुछ ही रोज पहले एक दूसरे गुट के आतंकवादियों ने उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में स्थित प्राकृतिक गैस और तेल कारखाने पर धावा बोल दिया था। उस हमले में चार पुलिसकर्मी और दो प्राइवेट गार्ड मारे गए थे। यह स्थान अफगान सीमा के करीब है। जानकारों के मुताबिक ईरान सीमा पर हुआ हमला पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा झटका है। पाकिस्तान इस समय आर्थिक मुसीबत में है। इस बीच ईरान से संभावित ऊर्जा करार उसकी बहुत बड़ी उम्मीद हैं। पोलैंड में वॉरसा स्थित वॉर स्टडीज एकेडमी में ईरान विशेषज्ञ प्रेजेमिस्लाव लिसिन्स्की ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'बिना इस तरह की घटनाएं रोके पाकिस्तान और ईरान के बीच ऊर्जा सहयोग संभव नहीं है।'

पूर्व आईएसआई चीफ पर अरबों रुपए की घूस का आरोप

इस्लामाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। इमरान खान के करीबी दोस्त और पूर्व आईएसआई चीफ जनरल फैज हमीद ने अल कादिर ट्रस्ट स्कैम केस में 5 अरब रुपए की रिश्वत ली थी। यह खुलासा इमरान सरकार में मंत्री रहे और उनके दोस्त फैजल वाबडा ने किया है।

अल कादिर ट्रस्ट स्कैम वही केस है, जिसमें इमरान को 9 मई को गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद पाकिस्तान में जबरदस्त हिंसा हुई थी। 8 लोग मारे गए थे। आर्मी हेडक्वॉर्टर के अलावा जिन्ना हाउस पर भी खान समर्थकों ने हमला किया था। फौज और सरकार ने एक्शन लिया। असर ये हुआ कि इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 80 से ज्यादा बड़े नेता, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ गए। अल कादिर ट्रस्ट स्कैम में इमरान की पत्नी बुशरा और बुशरा की दोस्त फराह गोगी भी आरोपी हैं। मामला शुरू होता है ब्रिटेन से। वहां की नेशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) एक पाकिस्तानी को गिरफ्तार करती है। जांच के दौरान पता लगता है कि उसके पास करीब 60 अरब रुपए (पाकिस्तानी करेंसी में) हैं। गिरफ्तार किया गया शख्स पाकिस्तान के सबसे बड़े लैंड माफिया मलिक रियाज का दायां हाथ बताया गया। एनसीए यह पैसा जब्त करके अपनी होम मिनिस्ट्री को बताती है। ब्रिटेन की होम मिनिस्ट्री मामले की पूरी जानकारी एक सीलबंद लिफाफे में पाकिस्तान सरकार को भेजती है। उस वक्त इमरान खान प्रधानमंत्री थे। मामले का खुलासा करने वाले फैजल वाबडा कैबिनेट मिनिस्टर थे। फैज हमीद खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ थे। इमरान एक रूटीन कैबिनेट मीटिंग करते हैं। जैसे ही यह मीटिंग खत्म होने लगती है तो इमरान एक लिफाफा निकालकर दिखाते हुए वहां मौजूद लोगों से कहते हैं- यह सीक्रेट लेटर ब्रिटेन से आया है। हाल ही में पार्टी छोड़ने वाली पूर्व मंत्री शिरीन मजारी समेत कुछ और मंत्री पूछते हैं- इसमें क्या है? खान मामला टालते हुए कहते हैं कि मैं इसको देखूंगा। दरअसल, इसी लिफाफे में उन 60 अरब रुपए का चेक था, जो ब्रिटेन में मलिक रियाज के गुर्गे से जब्त किए गए थे। आरोप है कि यह पैसा पहले सुप्रीम कोर्ट के अकाउंट में जमा कराया गया। बाद में इमरान और उनके करीबियों के अकाउंट्स में ट्रांसफर कर दिया गया। प्रधानमंत्री इमरान खान के कुछ फैसलों का फैजल ने विरोध किया था। बाद में खान ने फैजल को साइड लाइन कर दिया। फैजल ने खुद उसी वक्त पार्टी छोड़ दी। अब वो इस घोटाले की परतें खोल रहे हैं।

'पाकिस्तान डेली' वेबसाइट से बातचीत में फैजल ने बताया- उस कैबिनेट मीटिंग से पहले तब के आईएसआई चीफ और खान के राजदार जनरल फैज हमीद ने शहजाद अकबर समेत कुछ और कैबिनेट मिनिस्टर्स को फोन किया।

पाकिस्तान का सरकारी एयरक्राफ्ट मलेशिया में जब्त

कुआलालम्पुर, 31 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की गवर्नमेंट सिविल एविएशन कंपनी पाकिस्तान एयरलाइंस (पीआईए) के एक बोइंग 777 एयरक्राफ्ट को मलेशिया की सरकार ने जब्त कर लिया है। एयरक्राफ्ट सीज करने का ऑर्डर कुआलालम्पुर की एंटी करप्शन कोर्ट ने दिया था। पीआईए का यह जेट इसलिए सीज किया गया, क्योंकि जिस कंपनी से यह लीज पर लिया गया था, उसको 16 महीने से पेमेंट ही नहीं किया गया था। 2020 में भी पीआईए का एक जेट यहां इसी तरह जब्त किया गया था। पीआईए के प्रवक्ता अब्दुल्लाह हफीज खान ने माना कि एक सिविलियन एयरक्राफ्ट मलेशिया में जब्त किया गया है। उन्होंने कहा- घटना मंगलवार रात की है। उसमें 100 से ज्यादा पैसेंजर थे। हम दूसरा जेट भेज रहे हैं, ताकि पैसेंजर्स को वापस लाया जा सके। हफीज ने आगे कहा- इस मामले में कुछ गलतफहमी हुई है। हम कई दिन से लीज देने वाली कंपनी से बातचीत की कोशिश कर रहे थे। उनसे संपर्क नहीं हो सका। लीगल एक्सपर्ट्स की एक टीम कुआलालम्पुर भेजी जा रही है। उम्मीद है मसले का जल्द हल निकाल लिया जाएगा। दूसरी तरफ, पीआईए को लीज पर विमान देने वाली कंपनी ने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

दिल्ली में पाकिस्तान हाईकमीशन का स्कूल बंद

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 31 मई (एजेंसियां)। नई दिल्ली में पाकिस्तान हाईकमीशन (पीएचसी) का स्कूल बंद कर दिया गया है। इस स्कूल में हाईकमीशन के स्टाफ और डिप्लोमैट्स के बच्चे पढ़ते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस स्कूल के स्टाफ को तीन साल से सैलरी ही नहीं मिली थी। इसकी वजह मुल्क में जारी इकोनॉमिक क्राइसिस है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने स्कूल खुला रखने के लिए कई बार सरकार से गुजारिश की। हर बार नाकामी हाथ लगी।

दूसरी तरफ, पाकिस्तान की फॉरेन मिनिस्ट्री ने सफाई दी। कहा- वहां पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की तादाद कम हो गई थी। इसलिए स्कूल बंद कर दिया गया।

दो दिन पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि नई दिल्ली में मौजूद पाकिस्तान हाईकमीशन (पीएचसी) ने अपना स्कूल बंद कर दिया है। इस स्कूल में हाईकमीशन स्टाफ और डिप्लोमैट्स के बच्चे पढ़ते थे। यह काम गुपचुप तरीके से किया गया। हालांकि, इंडियन मीडिया को जानकारी मिल गई।

पाकिस्तान में फॉरेन अफेयर्स के एक्सपर्ट और प्रोफेसर डॉक्टर कमर चीमा ने यूट्यूब शो में खबर की पुष्टि कर दी। बहरहाल, मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया- स्कूल के स्टाफ को तीन साल से सैलरी नहीं मिली थी। उनका गुजारा मुश्किल हो गया था। फॉरेन मिनिस्ट्री ने शाहबाज शरीफ सरकार से मदद मांगी तो उसने इकोनॉमिक क्राइसिस का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया।

रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दुनिया के कई देशों में मौजूद पाकिस्तानी हाईकमीशन और ऐंबैसी में भी यही हाल हैं। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात तो ये है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के पास दूसरे देशों में चलाए जा रहे ऑपरेशन्स के लिए फंड्स नहीं हैं।

इंडियन मीडिया में जैसे ही यह मामला रिपोर्ट हुआ तो पाकिस्तान की फॉरेन मिनिस्ट्री एक्टिव हो गई। मंगलवार को इस बारे में सफाई दी गई। कहा गया- ये सही है कि नई दिल्ली में हाईकमीशन के स्कूल को बंद किया गया है। इसकी वजह यह है कि वहां पढ़ने वाले बच्चों की तादाद काफी कम हो गई थी। वैसे भी यहां सिर्फ हमारे स्टाफ के बच्चे पढ़ते थे।

फॉरेन ऑफिस की स्पोक्सपर्सन मुमताज जाहरा बलोच ने पाकिस्तान के टीवी चैनल 'समा न्यूज' से कहा- नई दिल्ली में हमारे हाईकमीशन के स्टाफ और उनके बच्चों की जरूरत पूरी की जाएगी। हमने जून 2020 में वहां का स्टाफ कम किया था।

नॉर्थ कोरिया की पहली जासूसी सैटेलाइट क्रैश

प्योंगयांग, 31 मई (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने बुधवार को अपनी स्पाई सैटेलाइट लॉन्च की। ये उड़ान भरते ही समुद्र में क्रैश हो गई। नॉर्थ कोरिया की स्टेट न्यूज एजेंसी केसीएनए ने बताया कि इस सैटेलाइट को चोलिमा-1 नाम दिया गया है। रॉकेट के इंजन और फ्यूल सिस्टम में स्टेबिलिटी नहीं थी। इस वजह से जासूसी सैटेलाइट ले जाते वक्त पहले और दूसरे चरण के अलग होने के बाद इसकी स्पीड धीरे हो गई। जिसकी वजह से ये मिशन फेल हो गया। इसके तुरंत बाद साउथ कोरिया ने अपने नागरिकों को अलर्ट मैसेज जारी कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने को कहा। इसे प्रेसिडेंशियल अलर्ट के नाम से भेजा गया था। हालांकि, इसके 20 मिनट बाद ही सरकार ने अलर्ट कैंसिल कर दिया। साउथ कोरिया ने चेतावनी दी है कि अगर नॉर्थ कोरिया मिसाइल टेस्टिंग को लेकर जारी प्रतिबंधों का उल्लंघन करेगा तो उसे इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। मंगलवार को नॉर्थ कोरिया ने घोषणा की थी कि वो 31 मई से 11 जून के बीच अपनी पहली स्पाई सैटेलाइट लॉन्च करेगा। नॉर्थ कोरिया के ऐलान के बाद जापान और साउथ कोरिया ने अपनी सेनाओं को अलर्ट कर दिया था।

पूर्वी राजस्थान को मिल रही है जोधपुर की सजा

जल शक्ति मंत्री शेखावत से बोले कांग्रेस के मंत्री मुरारीलाल- ईआरसीबी का समाधान निकालें

दौसा, 31 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी उठापटक व प्रधानमंत्री के दौरों से इतर चुनावी साल में कांग्रेस के नेता पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) को सियासी हथियार बनाने में पूरा दमखम लगा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करने को लेकर दौसा विधायक व कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा ने भाजपा पर तंज कसा। मंत्री मीणा के भाषण के दौरान मंच पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे, जहां राज्य सरकार के मंत्री मुरारीलाल ने ईआरसीपी को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करने की मांग की। दोनों नेता मंगलवार को बैनाडा में हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के शिरकत करने पहुंचे थे।

पानी के आधारभूत प्रोजेक्ट पर नहीं हो राजनीति

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री की मौजूदगी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मुरारीलाल ने कहा पूर्वी राजस्थान इन दिनों ईआरसीपी की बड़ी समस्या से जूझ रहा है और उसके आप समाधान कर्ता हो। आपकी मौजूदगी में पहली बार मुझे अपनी बात कहने का मौका मिला है। ऐसे में मैं कहना चाहता हूं कि पानी जैसी आधारभूत आवश्यकता पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। पार्टी लाइन अलग व जनसेवा अलग होती है। हम कई बार महसूस करते हैं कि यह पार्टियों का और जोधपुर के भेद का दंड पूर्वी राजस्थान को मिलता है। इसलिए आप कृपा करके पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इस समस्या का समाधान निकालिए। पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। पूर्ववती बीजेपी सरकार में शुरू हुई ईआरसीपी परियोजना इस क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन दायिनी बन सकती है।

नेशनल प्रोजेक्ट बनाया तो पीढ़ियां हमें याद करेंगी

मंत्री मुरारीलाल ने कहा कि कभी पश्चिम राजस्थान पानी की कमी से पीड़ित था, आज वहां इंदिरा गांधी नहर परियोजना के कारण हरा-भरा हो गया है। लेकिन अब पूर्वी राजस्थान में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। पूर्ववती बीजेपी सरकार में शुरू हुई ईआरसीपी परियोजना इस क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन दायिनी बन सकती है।

उन्होंने कहा राजस्थान सरकार ने इसके लिए कई बार केंद्र सरकार को योजना कि विस्तृत रिपोर्ट भेजकर राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग की है। लेकिन इसके बावजूद कुछ भी प्रोग्रेस नहीं हुई। ऐसे में हम भी राज्य सरकार से बात करेंगे और आप भी इसका समाधान निकालिए। यदि यह नेशनल प्रोजेक्ट बन जाता है तो आने वाली पीढ़ियां हमें याद करेंगी।

इनविटेशन कार्ड पर लिखवा रहे ईआरसीबी

मंत्री मीणा ने कहा हमारे क्षेत्र में तो ईआरसीपी इतना बड़ा मुद्दा बन गया है कि लोग अब शादी समारोह व धार्मिक आयोजनों के निमंत्रण पत्रों में भी ईआरसीपी नेशनल प्रोजेक्ट लिखवाकर लोगों को इसके लिए अवेयर कर रहे हैं।

जोधपुर में बनेगा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स

नाथद्वारा में होगा स्टेडियम और कुश्ती अकादमी का निर्माण, 36 करोड़ होंगे खर्च

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)।राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही सरकार आम जनता को खुश करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यहीं कारण है कि सरकार ने चुनाव से 6 महीने पहले जोधपुर के अमृतलाल स्टेडियम चैनपुरा को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और राजसमंद जिले के नाथद्वारा में कुश्ती अकादमी और स्टेडियम का निर्माण करने का फैसला किया है। जिसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 36 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है।

इनमें जोधपुर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में 10 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें सिन्थेटिक ट्रेक, जॉगिंग ट्रेक, स्केटिंग कोर्ट, किड्स प्ले जोन, ओपन और इंडोर जिम सहित अन्य सिविल और इलेक्ट्रिक कार्य कराए जाएंगे।

कुश्ती अकादमी के लिए 26 करोड़ रुपए

इसी तरह राजसमंद के नाथद्वारा में कुश्ती अकादमी और स्टेडियम का निर्माण होगा। इसमें 26 करोड़ रुपए की लागत आएगी। साल 2023-24 में 10 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके साथ ही यहां दूसरी खेल सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा।

बता दें कि मुख्यमंत्री द्वारा साल 2023-24 के बजट में इन तीनों की घोषणा की थी। जिसे पूरा करते हुए अब सरकार ने निर्माण के आदेश जारी कर दिए है। वहीं चुनावी साल में ही सरकार ग्रामीण और शहरी ओलम्पिक का आयोजन भी करने जा रही है। जिसमें 40 लाख से ज्यादा राजस्थानियों के शामिल होने की संभावना है।

मुनीश कुमार गर्ग बने नए हैड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स

अरिंदम तोमर चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन के पद पर रहेंगे बरकरार

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने बुधवार को मुनीश गर्ग को नया हैड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स (हॉफ) नियुक्त कर दिया। 1988 बैच के सीनियर आईएफएस 31 मई 2024 तक इस पद पर रहेंगे। गर्ग आज रिटायर हो रहीं सीनियर आईएफएस डीएन पांडे की जगह लेंगे। वहीं, 1989 बैच में अरिंदम तोमर चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन के पद पर बरकरार रहेंगे।

बता दें कि मुनेश कुमार गर्ग मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ से हैं। उनके पास बीटेक मैकेनिकल की डिग्री है। वह वर्ष 1988 बैच के आईएफएस अधिकारी है। जो मई 2024 में रिटायर होंगे। उन्होंने अब तक राजस्थान के जयपुर, कोटा और अजमेर संभाग में नौकरी की है। वहीं, गर्ग दिल्ली में भी नगरीय विकास मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर गए थे।

पदभार ग्रहण किया

आज डॉ दीप नारायण पांडे हैड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स के पद से रिटायर हुए। अरण्य भवन में मुनीश कुमार गर्ग ने पदभार संभाल लिया है। इसके साथ ही पवन उपाध्याय को पीसीएफ (विकास) जबकि अर्जित बनर्जी को पीसीएफ प्रशासन के पद पर नियुक्ति मिली है। बता दें कि मुनीश कुमार गर्ग अब तक प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास कार्य योजना और वन बंदोबस्त के पद पर कार्यरत थे।

अलवर में पूर्व सरपंच को मारी 4 गोली, मौत

खेत में कर रहे थे काम; बाइक पर आए बदमाश, ट्रैक्टर पर चढ़कर की फायरिंग

नीमराना, 31 मई (एजेंसियां)। खेत में काम कर रहे पूर्व सरपंच को बदमाशों ने गोलियों से भून दिया। एक के बाद एक करीब 7 राउंड फायर किए। इस दौरान 4 गोली पूर्व सरपंच को लगी और मौके पर ही मौत हो गई। मामला अलवर जिले के नीमराना थाना क्षेत्र के सिलारपुर गांव में बुधवार सुबह करीब 8 बजकर 52 मिनट का है। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। हत्या क्यों की गई, इसके बारे में अभी तक पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है।

घर से आधा किलोमीटर दूर है खेत

भिवाड़ी एसपी अनिल बेनीवाल ने बताया कि सिलारपुर के पूर्व सरपंच दिनेश यादव (40) सुबह अपने खेत में काम कर रहे थे। खेत उनके घर से करीब आधा किलोमीटर दूर है। सुबह खेत जोतने के लिए दिनेश यादव घर से ट्रैक्टर लेकर निकले थे। करीब 8.30 बजे रंजिश के चलते एक बाइक पर आए दो हथियारबंद बदमाश उनके खेत में घुस गए और घेराबंदी की।

कुछ ही देर में बदमाश ट्रैक्टर पर चढ़ गए और एक के बाद एक फायर कर दिए। दिनेश के सिर और पैर समेत शरीर में चार जगह गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई।

हरियाणा की तरफ फरार होने की आशंका

बहरोड़ डीएसपी आनंद राव ने बताया कि घटनास्थल से कारतूस के 3 खोल बरामद किए गए हैं। शव को नीमराना सीएचसी के मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। जहां लोगों की भीड़ जमा है। समझाइश का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि घटनास्थल से हरियाणा बॉर्डर करीब 8 किलोमीटर दूर है। ऐसे में बदमाश कान्हावास के रास्ते हरियाणा फरार हो सकते हैं। बदमाशों की तलाश में शाहजहांपुर, मांढण, बहरोड़ क्षेत्र में बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी करवाई गई है। बता दें कि पूर्व सरपंच की पत्नी भतेरी देवी वर्तमान में सिलारपुर से सरपंच है। दिनेश यादव 2015 से 2020 तक सरपंच पद पर रहे थे। साथ में प्रॉपर्टी का काम भी करते थे, जिसके चलते रंजिश की बात सामने आ रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

रिंगरोड से नीचे अंडरपास में गिरा ट्रेलर

ड्राइवर की दर्दनाक मौत

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। जयपुर के शिवदासपुरा थाना इलाके में एक बेकाबू ट्रेलर रिंग रोड से नीचे अंडर पास के बीच आ गिरा। चालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना प्रहलादपुरा गांव की है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद शिवदासपुरा थाना पुलिस और हाईवे गश्ती दल मौके पर पहुंचा। शव को केबिन से बाहर निकाला। शिवदासपुरा सीआई ओम प्रकाश मातवा ने बताया- मृतक ट्रेलर चालक सत्येंद्र बिहार का रहने वाला था। शव को ट्रेलर से बाहर निकाल कर महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। बताया जा रहा हैं कि हादसा चालक को नींद की झपकी आने से हुआ। पुलिस ने घटना स्थल पहुंचकर हादसे की जानकारी ली। जानकारी अनुसार, यह ट्रेलर अजमेर की ओर से कानोता आगरा रोड हाईवे की तरफ जा रहा था।

केमिकल से भरा टैंकर होटल में घुसा, 2 जिंदा जले

भीषण आग में 5 दुकान जलकर राख, टायर फटने से हुआ बेकाबू

बाड़मेर, 31 मई (एजेंसियां)। केमिकल से भरा टैंकर देर रात बेकाबू होकर बाड़मेर के पास मेगा हाईवे से नीचे उतर गया। फिर एक होटल और दुकान के अंदर घुस गया। इस दौरान टैंकर में आग लग गई और इसमें दो लोग जिंदा जल गए। आग ने 5 दुकानों को भी चपेट में ले लिया। घटना बाड़मेर जिले के सिणधरी कस्बे के सर्किल की है।

घटना मंगलवार रात करीब 10:15 बजे की है। फायर ब्रिगेड की टीम ने रात करीब 1 बजे आग पर काबू पाया। हालांकि केमिकल से धुंआ बुधवार सुबह तक निकलता रहा। मौके पर जिला कलेक्टर अरुण पुरोहित, एसपी दिगंत आनंद, बालोतरा एडीएम अश्विनी पंवार, सिणधरी एसडीएम रामसिंह गुर्जर, तहसीदार ममता लहुआ, बालोतरा एएसपी, सीताराम खोजा, सिणधरी थानाधिकारी सुरेंद्र चौधरी सहित जिले के तमाम अधिकारी भी पहुंचे।

तहसीलदार ममता लहुआ ने बताया- केमिकल से भरा टैंकर गुजरात से बालोतरा की तरफ जा रहा था तभी रात करीब 10:15 बजे टैंकर का टायर फटा। इससे टैंकर बेकाबू होकर होटल और दुकान के अंदर घुस गया। केमिकल रिसाव होने से आग पर कंट्रोल पाना मुश्किल हो रहा था। बाद में फायर बिग्रेड की 5 गाड़ियां और पानी के टैंकरों की मदद से करीब 2 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका।

सिणधरी थानाधिकारी सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक करीब डेढ़ बजे दो लोगों के जिंदा जलने की पुष्टि हुई। इसमें एक होटल पर बैठा हुआ व्यक्ति और एक टैंकर ड्राइवर है। इसके अलावा हादसे के समय होटल में कितने लोग थे, पता लगाया जा रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, रेस्क्यू जारी है।

लंबे समय से दमकल की हो रही मांग

फायर बिग्रेड मौके पर पहुंची, तब तक आग विकराल हो चुकी थी। आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर-टैंकरों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन केमिकल होने से खतरा ज्यादा था। ललिता टी स्टॉल, सुभाष मेडिकल, मरुधर ट्रैवल्स, न्यू बाबा रामदेव टी स्टॉल व वीर तेजाजी होटल समेत करीब 5 दुकानों को आग ने चपेट में ले लिया। सिणधरी में लंबे समय से दमकल की मांग की जा रही है।

प्रशासन पीछे कच्ची बस्ती को करवाया खाली

प्रशासन ने आग बढ़ती देख दुकानों के पीछे बसी कच्ची बस्ती को खाली करवाया। वहीं, स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधि ने होटल के पीछे की तरफ से खिड़की तोड़कर लोगों को बाहर निकाला। वहीं, घटना के बाद मेगा हाईवे पर दोनों तरफ जाम लग गया। सिणधरी कस्बे के सर्किल के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइनें लगी रहीं। करीब पांच घंटे बाद जाम खुलवाया जा सका।

पायलट का समझौते से इनकार, अल्टीमेटम बरकरार

बोले- मैं सरकार का इंतजार कर रहा हूं; बीजेपी राज की लूट सहित तीनों मुद्दों पर कार्रवाई करनी होगी

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे के घर पर सुलह बैठक के दो दिन बाद अब सचिन पायलट ने साफ कर दिया है कि 15 मई को रखी गई तीन मांगों पर कोई समझौता नहीं होगा। पायलट ने सरकार को फिर अल्टीमेटम याद दिलाया है। बुधवार को टोंक के ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के दौरान पायलट ने कहा कि युवाओं से सार्वजनिक मंच पर किए गए कमिटमेंट हवाई बातें नहीं हैं। तीनों मांगों पर कोई समझौता नहीं होगा।

पायलट ने कहा- तीन दिन पहले मैंने इन बातों को दिल्ली में रखा था। सब इस बातों को जानते हैं। मैं कहना चाहता हूं, मैंने जो मुद्दे उठाए थे, खासकर करप्शन के उस पर कार्रवाई हो। भाजपा के शासन में लूट मची थी। उसके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी । नौजवानों को इंसाफ दिलाने की बात थी। उस पर समझौता करना संभव नहीं है। मैं उम्मीद करता हूं, मैंने 15 मई को जो कहा था कि सरकार इस पर जल्द कार्रवाई करें। यह सब जानते हैं। मैं इंतजार कर रहा हूं। परसों बात की थी। इन मुद्दों पर कार्रवाई करने का दायित्व, राज्य सरकार का है।

मेरे नौजवान साथियों से सार्वजनिक रूप से जो आश्वासन दिया, जो कमिटमेंट किए हैं। मेरे कमिटमेंट हवाई बातें नहीं है। यह ऐसी बातें नहीं है। इसमें कोई गलती बता दे। कांग्रेस पार्टी हमेशा करप्शन के खिलाफ रही है। नौजवान के पक्ष में रही है। नौजवानों को न्याय दिलाना और भाजपा सरकार में जो करप्शन हुआ है, उसकी जांच करवाना अनिवार्य है। उस पर कोई समझौता नहीं होगा। पायलट ने कहा- कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व, राहुल गांधी इस बात को कई बार दोहरा चुके हैं कि करप्शन को लेकर जीरो टॉलरेंस रहा है। हम किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं कर सकते। कांग्रेस ही वह पार्टी है, जिसने हमेशा नौजवानों को प्रोत्साहित किया है।

राजनीति में आगे आने का मौका दिया है। नौजवानों के साथ अगर कहीं गलत होता है, उनके साथ नाइंसाफी होती है तो मैं समझता हूं। पार्टी इसके खिलाफ रही है। भ्रष्टाचार और नौजवानों के भविष्य इन दो मुद्दों पर किसी प्रकार का कोई समझौता करे या मैं समझौता करूं यह संभव नहीं है। अभी दो दिन पहले मेरी बात दिल्ली में हुई थी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, अध्यक्ष से जो मैंने मांगें रखी थी, उसका पूरा संज्ञान पार्टी को भी है। दिल्ली में परसों मैंने बात की है। मैंने 15 तारीख को एक सभा को संबोधित किया था। भाजपा के शासन में वसुंधरा राजे के कार्यकाल में जो-जो करप्शन के मामले उठे थे, वे खुद अशोक गहलोत ने और मैंने उठाए थे। तमाम कांग्रेस नेताओं ने कई बार इन बातों को पब्लिक डोमेन में रखा था। उन पर प्रभावी जांच होनी चाहिए।

जहां तक आरपीएससी है, वहां पर काफी पद खाली पड़े हैं। कुछ नियुक्तियां ऐसी हैं, जो बेहतर हो सकती हैं। इसलिए उसका आमूलचूल परिवर्तन लाना जरूरी है। आरपीएससी के कामकाज में आमूलचूल बदलाव लाने की जरूरत है। हमारे लाखों बच्चे हैं, बड़ी मुश्किल से शहरों में जाकर मकान किराए कमरे पर लेकर पढ़ाई करते हैं। पैसे खर्च करते हैं, साल दर साल मेहनत करते हैं ,उनके साथ धोखा हो जाता है तो उन लोगों के आर्थिक रूप से मदद करें यह मुद्दा उठाया था। मैं समझता हूं इस मुद्दे पर सरकार कार्रवाई करेगी। पायलट ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा- राजस्थान में प्रधानमंत्री बार-बार आ रहे हैं। उनके आने से यह साफ दिख रहा है कि राजस्थान भाजपा का नेतृत्व विपक्ष की भूमिका निभाने में सक्षम नहीं है। पिछले साढे 4 साल में सदन के अंदर और बाहर भाजपा ने यह कहीं प्रमाण नहीं दिया कि वह मजबूर विपक्ष है।

युवती के साथ दो कॉन्स्टेबल ने की अभद्रता

दोनों को सस्पेंड किया गया, साथ में एक वकील भी था मौजूद

उदयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। गोगुंदा थाने में युवक की हिरासत में मौत के बाद उदयपुर पुलिस फिर चर्चा में है। अब लसाड़िया थाने के कॉन्स्टेबल सुरेंद्रसिंह जाट और गोगुंदा थाने के जवान लोकेश कुमार लांबा को निलंबित किया गया। एसपी विकास शर्मा के आदेश में इस बात का हवाला नहीं है कि इन्हें क्यों निलंबित किया है। आदेश में दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई अपेक्षित बताई है। दूसरी ओर, इसके पीछे एक वीडियो को कारण बताया जा रहा है।

इस वीडियो में ये दोनों कॉन्स्टेबल एक महिला के साथ दिख रहे हैं। इनमें उनका वकील दोस्त भी है। तीनों नशे में दिख रहे हैं। युवती के साथ अश्लील हरकतें करने के अलावा अश्लील बातें भी कर रहे हैं। इनका वकील साथी युवती की गोद में सिर रखकर लेटा है। उधर, इस मामले में जवान लोकेश का कहना है- युवती से उनका बहन का रिश्ता है। हालांकि, बंद कमरे में तीन लोगों के होने, उससे अश्लील हरकतें करने, और अभद्र भाषा के मामले में चुप्पी साध ली। उन्होंने ये भी कहा कि सस्पेंशन का कारण भी पता नहीं है।

जवान सुरेंद्र इससे पहले भूपालपुरा थाने में तैनात था। यहां भी एक युवती ने उसकी नीयत पर शक सवाल उठाते हुए एसपी से शिकायत की थी। उस समय भी एसपी ने आनन-फानन में 16 दिसंबर 2022 को आदेश जारी कर उसे लसाड़िया थाने में लगाया था। फिलहाल इस मामले की भी जांच चल रही है। आरोप है कि सुरेंद्र ने यह वारदात जी-20 की पहली बैठक के दौरान की थी।

वहीं, लोकेश लांबा अब तक डीएसटी में था। जहां किसी अपहरण के मामले में उसकी लिप्तता की शिकायत हुई थी। एसपी ने कुछ दिन पहले उसे लाइन हाजिर किया था। इसके बाद गोगुंदा थाने के पूरे स्टाफ को लाइन हाजिर करने की घटना के बाद मौका देखते हुए लांबा ने खुद को वहां पोस्टेड करा लिया था।

5 दिन पहले ही गोगुंदा थाने में युवक की मौत के बाद गोगुंदा सीआई सहित 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड हुए थे। साथ ही 19 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया था। 5 दिन के बाद ही एसपी ने यह दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पुलिसकर्मी को सस्पेंड किया है। ऐसे में पुलिस के ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में खौफ के साथ महिला सुरक्षा के प्रति उनकी जिम्मेदारी पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

एसओजी ने पकड़ा भूमाफिया: एसओजी ने मामले में जांच कर गिरफ्तार किया, कई पीड़ित पहुंच रहे

जयपुर, 31 मई (एजेंसियां)। एसओजी ने मीना वाला गृह निर्माण सहकारी समिति के डेवलपर दीनदयाल चौधरी को जमीन बेचने के मामले में गिरफ्तार किया है। एसओजी के अधिकारियों ने बताया- हवा सड़क सोढाला निवासी 61 वर्षीय संतोष देवी ने दीनदयाल चौधरी सहित 6 लोगों के खिलाफ नामजद धोखाधड़ी की रिपोर्ट 6 जुलाई 2022 को कोर्ट के आदेश पर दर्ज कराई थी। इस मामले में जांच

नहीं होने पर पीड़ित की शिकायत पर इस मामले की जांच एसओजी को दी गई। जांच में दीनदयाल दोषी पाया गया। इसके बाद उसे कल रात गिरफ्तार किया गया हैं। एसओजी ने बताया- पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 57 हजार रुपए आरोपियों को दिए। इसकी रसीद आरोपियों ने दी जो की पीड़िता के पास हैं। इसके बाद पीड़िता ने उस पर कब्जा कर लिया। अब आरोपियों के द्वारा इस भूखंड को किसी और को बेच दिया। पीड़िता ने थाने में शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। इस पर पीड़िता ने कोर्ट आदेश पर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की।

नराकास (बैंक व बीमा), हैदराबाद की छमाही बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक व बीमा), हैदराबाद की छमाही बैठक का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। समीक्षा बैठक में भारत सरकार के प्रतिनिधि के रुप में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय बेंगलुरु से उप-निदेशक श्री अनिर्बान कुमार विश्वास उपस्थित थे। सभा की अध्यक्षता भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक अमित झिंगरन ने की जबकि बैठक में विभिन्न बैंकों, विनियामक संस्थाओं तथा बीमा कंपनियों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सदस्य संस्थाओं में हो रहे राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। इस बैठक में "वर्ष 2022-23 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यान्वयन' के लिए सदस्य कार्यालयों को "शील्ड योजना' के तहत पुरस्कार प्रदान किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष अमित झिंगरन ने कहा कि समिति बेहतर तरीके से कार्य कर रही है। अगर समिति के सभी सदस्य इसी तरह कार्य करते रहे तो भारत सरकार का "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' भी हमें मिल सकता है। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के सीडीओ जितेंद्र कु. शर्मा, स्थानीय प्रधान कार्यालय अमरावती के महाप्रबंधक कृष्ण शर्मा, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सुसीला चिंताला, भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक अनुज रंजन, केनरा बैंक के महाप्रबंधक बी. चंद्रशेखर, समिति के सदस्य सचिव राधाकृष्ण सहित सभी बैंको एवं बीमा कंपनियों के कार्यपालक उपस्थित थे। कैनरा बैंक के वरि राजभाषा प्रबंधक रवि कुमार सिन्हा ने सभी महानुभावों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिन-प्रतिदिन सरकारी अस्पतालों की बढ रही है मांग

गरीबों की पहली पसंद बन रहे हैं सरकारी अस्पताल

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लगातार प्रयास, बस्ती और पल्ले दवाखानों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का विकेंद्रीकरण और सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड-साइड सुविधाओं में सुधार, आउट पेशेंट, इनपेशेंट वार्डों और सर्जरी की संख्या में वॉक-इन के रूप में एक प्रमुख आकर्षण बन गया है। तेलंगानाके सरकारी अस्पतालों में लिया गया उपचार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 18 महीनों में मिले आकंडे के आधार पर यह बताया जा रहा है कि निजी उधारदाताओं से हाथ से ऋण लेकर वित्तीय संकट में डूबने के बजाय तेलंगाना में सरकारी अस्पताल तेजी से गरीबों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

इस साल, सभी सरकारी अस्पतालों ने बड़ी और छोटी सर्जरी करने में उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया है। तेलंगाना में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं ने भी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के सभी स्तरों पर भर्ती रोगी और बहिरंग रोगी विभागों में रोगी के आने-जाने में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। सरकारी अस्पतालों में 2021 में 14 लाख की तुलना में 2022 में तेलंगाना के कुल लगभग 17 लाख रोगियों ने इनपेशेंट सुविधाओं का लाभ उठाया। इसी तरह, 2022 में ओपी विभागों में रोगियों की आमद 2021 में 4.23 करोड़ की तुलना में बढ़कर 4.9 करोड़ हो गई। 2022 में सरकारी अस्पतालों में संयुक्त रूप से की गई बड़ी और छोटी सर्जरी रिकॉर्ड 3.04 लाख थी, जबकि 2021 में यह लगभग 2.5 लाख थी।

सरकारी अस्पतालों को तरजीह देने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत भी बढ़ा है और वर्तमान में यह 60 प्रतिशत से 63 प्रतिशत के बीच है। इससे पहले, सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत 35 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के बीच हुआ करता था। वरिष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी इस तरह के घटनाक्रमों पर नज़र रखने में बारीकी से शामिल हैं, बताते हैं कि स्वास्थ्य क्षेत्र को धन के उचित आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के लगातार प्रयासों ने रोगियों की बढ़ती संख्या में बड़ी भूमिका निभाई है।

बागरा सांवरिया मंदिर का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

बागरा, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। घांची समाज के आराध्य देव सांवरियाजी भगवान के मंदिर की 14वीं वर्षगांठ को लेकर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन विधि विधान के साथ हुआ। मंगलवार रात मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी। देर रात तक घांची समाज के साथ अन्य समाज के लोगों ने भी भजनों का आनंद उठाया। वर्षगांठ को लेकर मंदिर को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया था। रात भर आसपास के कई गांव से हजारों की संख्या में भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर जालौर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने घांची समाज के प्रतिभाशाली छात्र और छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि घांची समाज ने पूरे विश्व में नाम रोशन किया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घांची समाज से आते हैं। और उन्होंने पूरे विश्व में अपने देश का नाम रोशन किया है। इसी प्रकार उन्होंने कहा कि समाज के जो छात्र और छात्राएं पढ़ाई में होनहार होने के बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण उनको आगे की पढ़ाई करने के लिए कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और उन्होंने आश्वासन दिया कि घांची समाज और उनकी सरकार की ओर से उनकी पढ़ाई में हर तरफ से मदद की जाएगी। इसी प्रकार आहोर के विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार का सांवरिया का मंदिर जिले भर में कहीं पर भी नहीं है और उन्होंने सुवटियो पट्टी की तारीफ करते हुए कहा कि मंदिर के विकास में हर तरफ से सफल रहे। और इसी प्रकार जालौर जिला के सांसद देवजी भाई पटेल और जालौर जिला के एडिशनल एसपी रामेश्वर, जिला अध्यक्ष बीजेपी श्रवण सिंह, गाछी समाज के अध्यक्ष तेजाराम चौहान उपाध्यक्ष वागा राम कोषाधिकारी पुखराज आदि लोगों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम से पहले उपस्थित अतिथियों ने घांची समाज मैं पढ़ने वाले प्रतिभाशाली युवतियों को लैपटॉप देखकर उन्हें सम्मानित किया। सम्मानित किए गए छात्राओं में आरती सोलंकी, आरती सोलंकी, संतोषी सोलंकी, रविता सोलंकी को लैपटॉप से सम्मानित किया गया। और सुबह में मंदिर के वार्षिक उत्सव पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के हजारों भक्तों ने भाग लिया। मंदिर की ओर से अन प्रसाद का भी आयोजन किया गया था।

बजरंग सेना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव एवं महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रजनी श्रीरामोजू ने तेलंगाना राज्य के महासचिव के रूप में नियुक्त होने पर ठाकुर विकास सिंह का सम्मान और स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित हैं श्रीनिवास गुप्ता, मनोज मोगलगिड्डी, संगमेश्वर, पांडु, करण, प्रवीण यादव और अन्य ।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर इसामिया बाजार में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, गोशामहल पार्षद लालसिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता शैलेंद्र यादव, ज्ञानेश्वर, गोपाल व अन्य।

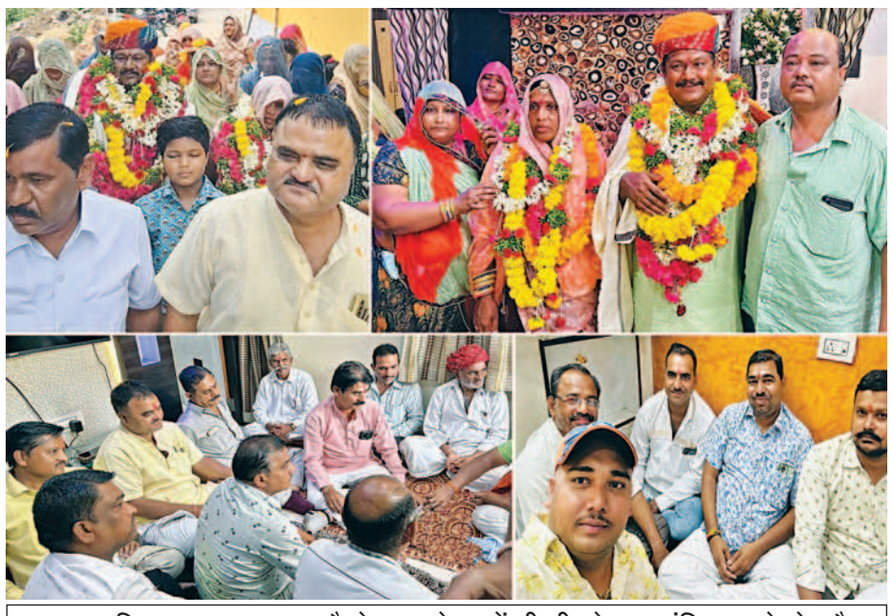

चारधाम की यात्रा पूरा कर नगर लौटने पर काटेदान में श्री श्रीयादे माता मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन पप्पुलाल-विमलादेवी रांवरिया का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान दोनों का राजस्थानी साफे व शॉल से सम्मानित करते हुए अध्यक्ष तेजाराम बेतेडिया, पदाधिकारी व समाजबंधु।

केबीआर पार्क में बुधवार को गणेशजी की पूजा में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय कुमार दिल्लीवाले, किशन, प्रमोद सरायवाला, बाबूलाल केडिया, गोपाल बल्दवा, राहुल सिंघल, अशोक लखोटिया, शंकरलाल अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, मायादेवी अग्रवाल व अन्य।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की वैभव नारी शक्ति महिला शाखा हैदरगुड़ा द्वारा निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में गांधी अस्पताल के सामने जरूरतमत व्यक्तियों में छाछ एवं आमरस का वितरण किया गया। इस अवसर पर सतवंती सरायवाला, रितु अग्रवाल, अनुपंमा गुप्ता, किरण अग्रवाल, उर्मिला मोदी, उषा अग्रवाल, किरण अग्रवाल, अलका केडिया, मीरा अग्रवाल व अन्य महिला ने सहयोग दिया।

आरएन डांस एकेडमी द्वारा समर शोकेस आयोजित

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आरएन डांस एकेडमी द्वारा आयोजित समर शोकेस में 3 से 30 साल के आयु वर्ग के 96 छात्रों ने प्रदर्शन किया। इसमें अतिथि कर्नल सचिन अभिमन्यु पाटिल (भारतीय सेना), समाजसेवी गोपाल बलदावा, सिद्धेश पाई (डांस इंडिया डांस), महेश पुजारी (बॉलीवुड कोरियोग्राफर), इतिश्री बेहरा (इंडियाज बेस्ट डांसर), इंद्रसेना (टॉलीवुड अभिनेता), यश जोशी (कोरियोग्राफर/इवेंट प्लानर वाईडीआई इवेंट्स), आरएन डांस एकेडमी के निदेशक राकेश नरूला और निकिता दामजी ने छात्र की प्रतिभा की सराहना की आर उनके माता-पिता को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

श्री जैन सेवा संघ कार्यालय में हुई बैठक

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन सेवा संघ कार्यालय, रामकोट में संघ के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें तेलंगाना सरकार द्वारा दी गई जमीन पर 4 जून को किये जाने वाले भूमि पूजन के संदर्भ में विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अध्यक्ष योगेश सिंघी, महामंत्री अशोक कुमार मूथा, विनोद संचेती, कोषाध्यक्ष महेंद्र कटारिया, सह मंत्री भरत भंसाली, राजेश गुगलियाद्व कार्यकाथरणी दस्य राजेशसाभद्रा, प्रचार संयोजक प्रवीण पांड्या आदि उपस्थित रहे।

ड्राइंग, पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इण्ड्रिया हैदराबाद क्षेत्र 104 द्वारा ड्राइंग, पेंटिंग और एग्जिटिंग आउटडोर गेम्स प्रतियोगिताओं का आयोजन अनीता पारेकर (बाल कल्याण निदेशक) लक्ष्मी गीते (कोषाध्यक्ष) की सहायता से श्री विट्ठल रुक्मिणी मंदिर, जियागुडा में किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार एवं अल्पाहार भी वितरित किया गया। कार्यक्रम बाल संस्कार प्रोजेक्ट के तहत आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्याम कुमार नाजरे (मंत्री), श्रीमती जया भरडे, जवाहर भरडे एवं अन्य।

चारधाम की यात्रा जारी

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। देश के विभिन्न राज्यों की यात्रियों का एक दल हैदराबाद से चार धाम की यात्रा पर निकला। 26 मई को सुबह 6 बजे सिकंदराबाद स्टेशन से ट्रेन यात्रा शुरू की और दिल्ली पहुच गए तथा वहा से हरिद्वार पहुंचे। इस दल में शामिल 27 सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता, समाजसेवी, व्यापारी, वरिष्ठ पत्रकार महिला-पुरुष शामिल है। इस चुनौतीपूर्ण यात्रा का पहला चरण टीम के सदस्यों ने देवभूमि उत्तराखंड में स्थित मां यमुनोत्री धाम से पूरा कर लिया। टीम के सदस्य विभिन्ना स्थानों की यात्रा कर रहे हैं। कुल मिलाकर देवभूमि यात्रा अच्छी चल रही है। धामी सरकार ने पर्यटकों के चिकित्सा पेयजल की व्यवस्था कर रखी है।

राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली समाज के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर रामबल्लभ भाटी (मामाजी) को बधाई देते हुए बीआरएस गोशामहल के नेता एम. आनंद कुमार गौड़। साथ में हैं समाज के रमेश, महेश, राजपुरोहित समाज के पूर्व अध्यक्ष गुमान सिंह राजपुरोहित, दाहिमा समाज के अध्यक्ष गोपाल दुबे, जनरल सेक्रेटरी सुरेश गांधी, रुपेश काकड़ा, महेश, सुरेश शर्मा, महेश शर्मा व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिका में राहुल गांधी...

सब एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। इसके बाद हमें आइडिया आया कि 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' खोली जाए।

उन्होंने कहा, "कांग्रेस के बारे में दिलचस्प बात यह है कि हम सबको प्यार करते हैं। कोई हमसे कुछ कहने आता है तो हम उसे सुनते हैं। हम आक्रामक नहीं होते, हम गुस्सा नहीं होते हैं। हम उन्हें प्यार करते हैं और यही हमारा किरदार है। यात्रा के दौरान एक अलग तरह की ऊर्जा आनी शुरू हो गई। सरकार के पास जितनी भी ताकत थी, उन्होंने यात्रा को रोकने में लगा दी। पुलिस का इस्तेमाल किया, कुछ काम नहीं आया। यात्रा का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि आपने हमारी मदद की।

राहुल गांधी ने कहा, "दुनिया इतनी बड़ी है कि कोई यह नहीं कह सकता कि वह सब कुछ जानता है। यह एक बीमारी है कि कुछ लोगों का ग्रुप है, जो यह मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पता है। उन्हें लगता है कि वह भगवान से भी ज्यादा जानते हैं। वह भगवान के साथ बैठकर उन्हें बता सकते हैं कि क्या चल रहा है। और साहब हमारे प्रधानमंत्री ऐसा ही एक उदाहरण हैं। मुझे लगता है कि अगर मोदीजी को भगवान के बगल बैठा दिया जाए तो वह भगवान को बताना शुरू कर देंगे कि दुनिया कैसे चलती है। भगवान भी चकित हो जाएंगे कि ये मैंने क्या बना दिया। भारत में कुछ लोग सब कुछ जानते हैं। वह वैज्ञानिकों को विज्ञान सिखा सकते हैं। इतिहासकारों को हिस्ट्री सिखा सकते हैं। आर्मी को जंग लड़ना और एयरफोर्स को उड़ना सिखा सकते हैं। और असल बात यह है कि उन्हें कुछ भी समझ नहीं है। जिंदगी में आप कुछ भी नहीं सीख सकते हैं, जब तक आप सुनने की आदत नहीं डालते हैं।

वो बोले, "भारत कभी भी किसी भी विचार को दरकिनार नहीं करता है। जो भी भारत आता है, उसका खुले दिल से स्वागत किया जाता है और उसके विचारों को हम आत्मसात करते हैं। इसी भारत का आप प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर आप गुस्से, घृणा और घमंड में भरोसा करते हैं तो आपको भाजपा की मीटिंग में बैठना चाहिए। और मैं मन की बात कर रहा होता।

अमेरिका में भारतीय समाज

राहुल गांधी ने कहा, "उनकी संस्कृति और परंपरा का सम्मान करना और उनसे सीखने का शुक्रिया। आप सभी हमारे ऐंबैस्डर हैं। अमेरिका जब कहता है कि भारतीय इंटेलिजेंट हैं, सम्मान के योग्य हैं तो यह आपके व्यवहार के चलते है। मैं यहां 16 घंटे की उड़ान के बाद पहुंचा हूं। सुबह 6:30 बजे आया और मुझे लगा कि थोड़ी थकान होगी। लेकिन आपकी ऊर्जा को देखने के बाद अब मुझे कोई थकान नहीं है।

40 मेडिकल कॉलेजों...

जिसके तहत स्वीकृत 157 में से 94 नए मेडिकल कॉलेज पहले से ही कार्यरत हैं।

डॉक्टरों के काम के घंटे तय नहीं होते

मेडिकल कॉलेजों की मान्यता रद्द करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मेडिकल एक्सपर्ट्स ने कहा कि एनएमसी काफी हद तक आधार से जुड़ी बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली पर निर्भर है, जिसके लिए यह केवल उन फैकल्टी पर विचार करता है जो सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक दिन के समय ड्यूटी पर होते हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा कि डॉक्टरों के काम के घंटे तय नहीं होते हैं। उन्हें इमरजेंसी और नाइट शिफ्ट में भी काम करना पड़ता है। इसलिए काम के घंटे को लेकर एनएमसी की सख्ती ने इस मुद्दे को पैदा किया है।

मेडिकल कॉलेजों के लिए ऐसा सूक्ष्म प्रबंधन व्यावहारिक नहीं है और एनएमसी को ऐसे मुद्दों के प्रति लचीला होना चाहिए। एक अन्य विशेषज्ञ ने कहा, एनएमसी कमियों को मानते हुए मेडिकल कॉलेजों की मान्यता रद्द कर रहा है। साथ ही एनएमसी ने ऐसे कॉलेजों में छात्रों के पंजीकरण की भी अनुमति दे दी है, जो कि विरोधाभासी है। इसके अलावा, इस तरह के प्रयोग से वैश्विक स्तर पर भारत की छवि धूमिल हो रही है क्योंकि भारत डॉक्टरों का सबसे बड़ा सप्लायर है और ऐसे मामले सामने आने से दुनिया का भारतीय डॉक्टरों पर से विश्वास उठ जाएगा।

पाकिस्तान गारंटी दे कि वर्ल्ड कप खेलेगा या नहीं

पीसीबी से जवाब लेने लाहौर पहुंचे आईसीसी ऑफिसर, वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। 22 अक्टूबर 2021 को हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान हाथ मिलाते पाकिस्तानी पेसर शाहीन अफरीदी, विराट कोहली और रोहित शर्मा। भारत यह मैच हार गया था।

पाकिस्तान को गारंटी देनी होगी कि अक्टूबर में उनकी टीम वनडे वर्ल्ड में खेलने भारत आ रही है या नहीं। इस पर पाकिस्तान क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से आश्वासन लेने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले और सीईओ ज्योफ एलार्डिस लाहौर पहुंचे हैं। वनडे वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में होना है।

हाल ही में पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा था कि अगर टीम इंडिया एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है तो पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप का दौरा नहीं करेगा।

वर्ल्ड कप से पहले सितंबर में एशिया कप होना है, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं कर सकता है। ऐसे में एशिया कप न्यूट्रल वेन्यू या किसी अन्य देश में कराए जाने की बात चल रही है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल की ओर से अभी कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया गया है।

बीसीसीआई हाब्रिड मॉडल के सपोर्ट में नहीं

एसीसी से जुड़े श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड के अधिकारी आईपीएल फाइनल के दौरान अहमदाबाद में थे। यहां पाकिस्तान के हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। पीसीबी ने हाइब्रिड मॉडल के तहत एशिया कप के 4 मैच पाकिस्तान में कराने और भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने का प्रस्ताव दिया है। जिसे बीसीसीआई ने सपोर्ट नहीं किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी के इस हाइब्रिड मॉडल को सदस्य देशों (श्रीलंका और बांग्लादेश) ने खारिज कर दिया था। हालांकि, एसीसी ने कोई औपचारिक बयान नहीं दिया था।

वहीं श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर (न्यूट्रल वेन्यू) करने के मामले में बीसीसीआई का समर्थन किया था।

हाब्रिड मॉडल से भारत की मुसीबत बढ़ सकती है

बीसीसीआई की चिंता है कि हाइब्रिड मॉडल स्वीकार करने पर पीसीबी वर्ल्डकप में पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की एसीसी से मांग कर सकता है। नजम सेठी भी पहले यह बात कह चुके हैं।

आईसीसी निभा सकता है मुख्य रोल

आईसीसी भारत और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्डों के बीच एशिया कप को लेकर चल रहे विवाद को खत्म करने में मुख्य भूमिका निभा सकता है। माना जा रहा है कि आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले और सीईओ ज्योफ एलार्डिस इसलिए लाहौर गए हैं, ताकि पीसीबी सहित वहां के सरकार से भी बात कर कोई बीच का रास्ता निकाल सकें।

सात्विक-चिराग करियर की बेस्ट चौथी वर्ल्ड रैंकिंग पर पहुंचे

प्रणय और श्रीकांत को भी फायदा; सिंधु 13वें स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने मंगलवार को जारी बीडब्ल्यूएफ की ताजा रैंकिंग में अपने करियर की बेस्ट वर्ल्ड रैंकिंग हासिल कर ली। सात्विक-चिराग अपनी पिछली रैंकिंग से एक स्थान ऊपर बढ़कर पुरुष युगल की विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए है।

पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल, फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब और मौजूदा सीजन में स्विस ओपन 300 खिताब जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 12 टूर्नामेंट में 74651 अंक हैं।

प्रणय को एक स्थान का फायदा

वहीं पिछले हफ्ते मलेशिया मास्टर्स के रूप में करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले एचएस प्रणय एक स्थान के फायदे से एक बार फिर दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी बन गए हैं। किदांबी श्रीकांत भी तीन स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर मलेशिया मास्टर्स से जल्दी बाहर होने का खामियाजा लक्ष्य सेन को रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान के रूप में उठाना पड़ा। वह अब 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 13वें स्थान पर बरकरार हैं जबकि महिला युगल में त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी 15वें स्थान पर बनी हुई है।

सिंधु सात साल में पहली बार मार्च में शीर्ष 10 की रैंकिंग से बाहर हो गई थीं। इसके अलावा रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी 35वें स्थान पर काबिज है जबकि ईशान भटनागर और तनीषा क्रेस्टो 39वें स्थान पर खिसक गए हैं।

फ्रेंच ओपन में उलटफेर: मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर 2 डेनियल मेदवेदेव पहले राउंड में हारे

डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक दूसरे राउंड में पहुंचीं

पेरिस, 31 मई (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन के पहले राउंड में ही उलट फेर हुआ है। इस उलट फेर का शिकार वर्ल्ड नंबर-2 रशियन खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव हुए हैं। वहीं विमेंस की डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियातेक ने जीत के साथ टूर्नामेंट में आगाज किया है।

वर्ल्ड नंबर-2 डेनियल मेदवेदेव का फ्रेंच ओपन का सफर पहले राउंड के बाद समाप्त हो गया है। उन्हें ब्राजील के थियागो सेबॉथ वाइल्ड से हार का सामना करना पड़ा। थियोगो ने उन्हें 7-6, 6-7, 2-6, 6-3, 6-4 से हराया। पांच सेट तक चले इस मुकाबले में पहला सेट 23 साल के सेबॉथ ने 7-6 से हराकर मैच में अच्छी शुरुआत की। वहीं दूसरे सेट में मेदवेदेव ने वापसी की और इसे 7-6 से जीत लिया। फिर तीसरे सेट ने आसानी से 6-2 से अपने पक्ष में कर लिया। उसके बाद चौथे सेट में थियागो ने वापसी की और इस सेट को 6-3 से अपने पक्ष में कर लिया। आखिरी और निर्णायक सेट में थियागो ने 6-4 से मेदवेदेव को हराकर उन्हें फ्रेंच ओपन से बाहर कर दिया।

पांचवें सेट में दर्शकों से उलझे मेदवेदेव

पांचवें सेट में मेदवेदेव दर्शकों से उलझ गए। दरअसल थियागो 3-2 से आगे चल रहे थे। उस दौरान एक शॉट ब्राउंड्री लाइन पर गिरा। अंपायर पॉइंट दिया। मेदवेदेव ने अपील की। अंपायर चेयर से उतर नीचे आए और शॉट को सही बताया। उसी दौरान लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। मेदवेदेव ने पीछे मुड़कर दर्शकों को शांत रहने को कहा, लेकिन भीड़ और जोर से शोर मचाने लगी।

स्वियातेक दूसरे राउंड में पहुंची

वहीं विमेंस में डिफेंडिंग चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जीत के साथ टूर्नामेंट में आगाज किया है। उन्होंने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को सीधे सेटों में 6-4, 6-0 से हराया। उनका अगला मुकाबला स्विट्जरलैंड की येलेना इन-एल्बोन या संयुक्त राज्य अमेरिका की क्लेयर लियू से होगा।

मलेशिया मास्टर्स जीतने के बाद प्रणय बोले

ट्रॉफी जीतने की उम्मीद छोड़ दी थी, ट्रेनिंग से खुद को मजबूत कर चैंपियन बना

मुंबई, 31 मई (एजेंसियां)। भारतीय स्टार शटलर एचएस प्रणय ने रविवार को चीन के वेंग होंगयांग को 21-19, 13-21, 21-18 से हराकर मलेशिया मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। हालांकि, एक समय ऐसा भी था, जब भारत की युवा प्रतिभा के रूप में पहचाने जाने वाले प्रणय खिताबी मुकाबले तक का सफर तय नहीं कर पाते थे। वे टूर्नामेंट के बड़े खिलाड़ियों को हरा दिया करते थे, इसलिए उन्हें "जाएंट किलर'कहा जाने लगा था। इसके बावजूद वे खिताबी मुकाबले तक नहीं पहुंच पाते थे।

प्रणय ने आखिरी बड़ा टूर्नामेंट यूएस ओपन 2017 में जीता था।2017 में ही इंडोनेशिया ओपन में उन्होंने तीन बार के ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट ली चोंग वी और ओलिंपिक चैम्पियन चेन लॉन्ग को लगातार दो दिन में हराया था। हालांकि, वो इस टूर्नामेंट में अपने ही देश के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत से हार गए थे। इसके बाद यही कहानी कई बार टूर्नामेंट में दोहराई गई। प्रणय बताते हैं कि ऐसे दिनों पर उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता था। वो खुद पर ही सवाल उठा लिया करते थे। वह बताते हैं, "वर्ल्ड चैम्पियनशिप में हारने के बाद में बहुत भावुक हो गया था। मुझे पता था कि इस टूर्नामेंट को जीतने का मेरे पास अच्छा मौका है। हालांकि, हार से मेरा दिल टूट गया था और मुझे लगने लगा था कि मैं खिताबी मुकाबलों के लिए नहीं बना हूं। मेरी किस्मत में बड़े मुकाबले खेलना नहीं है।' हालांकि, उन्होंने जल्द ही इस निराशा को पीछे छोड़ा और अपनी ट्रेनिंग प्रोसेस पर काम किया।

वह बताते हैं, "सालों के टाइटल के सूखे के बावजूद मुझे लगता था कि जीत बस मिलने ही वाली है। मैंने कभी जीत की आशा नहीं छोड़ी थी।' वह बात करते हुए बताते हैं कि एक टूर्नामेंट को जीतने के लिए केवल पांच अच्छे दिनों की जरूरत होती है। साथ ही, वह मानते हैं कि किस्मत ने भी उनके इस खेल में एक भाग निभाया है। मलेशिया ओपन की इस खिताबी जीत में वे साइकोलॉजिकल ट्रेनिंग को भी श्रेय देते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें रोज मानसिक ट्रेनिंग करने में दिलचस्पी नहीं थी और उन्हें केवल शांत बैठकर सांस पर ध्यान देना पसंद नहीं था। इसके बावजूद वो रोज साइकोलॉजिकल ट्रेनिंग करते थे, जिससे उनकी मैच के अहम क्षणों में एकाग्रता को बढ़ाने में मदद की।

थाईलैंड ओपन: समीर, किरन और अश्मिता ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचे, वर्मा का सामना अब मैग्नस से

बैंकाक, 31 मई (एजेंसियां)। भारत के ओलंपियन बी साई प्रणीत और राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ को सीधे मुख्य ड्रॉ में प्रवेश दिया गया है। उनकी टक्कर क्रमशः फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और थाईलैंड के दूसरी वरीयता के कुनलावत से होगी।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों समीर वर्मा, किरन जॉर्ज और अश्मिता चालिहा ने क्वालिफाइंग दौर में अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया है। हाल ही में स्लोवेनिया ओपन जीतने वाले दुनिया के पूर्व नंबर 11 खिलाड़ी समीर ने मलयेशिया के यिहो सेंग जोई को 21-12, 21-17 से हराया। इससे पहले दो राउंड में उन्हें इंडोनेशिया के क्रिस्टियन अदिनाता और स्पेन के लुईस एनरिक के खिलाफ वाकओवर मिला था।

वर्ष 2018 में तीन खिताब जीतने वाले 28 साल के समीर का मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहाने से सामना होगा। पिछले साल ओडिशा ओपन जीतने वाले किरन ने हमवतन कार्तिकेय गुलशन कुमार 21-14, 21-18 से हराया और उसके बाद कोरिया के जियोन हियोक को 21-10, 21-14 से पराजित किया। अब उनका सामना चीनी शी युकी से होगा। महिला एकल में अश्मिता चालिहा ने उन्नति हुड्डा को 21-16, 13-21, 21-19 से हराया। उसके बाद एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को 21-19, 21-11 से मात दी। असम की अश्मिता मुख्य ड्रॉ में भारत की ही मालविका बनसोड से भिड़ेंगी।

भारत के ओलंपियन बी साई प्रणीत और राष्ट्रीय चैंपियन मिथुन मंजूनाथ को सीधे मुख्य ड्रॉ में प्रवेश दिया गया है। उनकी टक्कर क्रमशः फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और थाईलैंड के दूसरी वरीयता के कुनलावत से होगी।

सात्विक-चिराग बने दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी

भारत के स्टार युगल खिलाड़ी सात्विक साईराज रैंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और पिछले साल फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट जीतने वाली इस भारतीय जोड़ी ने इस सत्र में स्विस ओपन सुपर 300 खिताब जीता है।

उनके खाते में 12 टूर्नामेंटों 74,651 अंक हैं। पिछले हफ्ते मलयेशिया मास्टर्स जीतने वाले एच एस प्रणय ने एक स्थान के सुधार के साथ दुनिया में आठवीं रैंकिंग हासिल कर ली है।

इसके अलावा किदांबी श्रीकांत ने तीन स्थानों के सुधार के साथ शीर्ष 20 में वापसी कर ली है। लक्ष्य सेन एक स्थान की गिरावट के साथ 23वें स्थान पर आ गए हैं। महिला एकल में पीवी सिंधू 13वें स्थान पर कायम है जबकि त्रीशा जौली और गायत्री गोपीचंद महिला युगल में 15वें स्थान पर कायम हैं।

एफआईएच प्रो लीग: प्रो हॉकी लीग में भारत का मुकाबला बेल्जियम से

हरमनप्रीत बोले- टीम चुनौती के लिए टीम तैयार

लंदन, 31 मई (एजेंसियां)। खिलाड़ियों को देश का भरपूर प्यार और समर्थन मिलता है। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कहा कि भारतीय टीम का स्वागत करना गर्व की बात है। हॉकी टीम एक ऐसा दल है जो भारत के हर हिस्से की नुमाइंदगी करता है।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) प्रो लीग मैच इंग्लैंड में चल रहे हैं। भारतीय टीम को शुक्रवार को बेल्जियम और शनिवार को ब्रिटेन से भिड़ना है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि टीम आगामी मैचों की चुनौती के लिए तैयार है। टीम को भारतीय उच्चायोग ने रात्रिभोज दिया। हरमन ने कहा कि इससे पहले हम 2017 में इंग्लैंड में खेलने आए थे। अब हमारा दो और तीन जून को मैच है। हम भारतीय प्रशंसकों से मैच में आने की अपील करते हैं।

उन्होंने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है लेकिन मैच के दौरान आपका रवैया महत्वपूर्ण होता है। हार भी एक सबक होता है। गोलकीपर श्रीजेश ने कहा कि हमारी टीम बेहद प्रतिभाशाली है। खिलाड़ियों को देश का भरपूर प्यार और समर्थन मिलता है। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कहा कि भारतीय टीम का स्वागत करना गर्व की बात है।

हॉकी टीम एक ऐसा दल है जो भारत के हर हिस्से की नुमाइंदगी करता है। हालांकि पंजाब का अतिक्ति प्रतिनिधित्व होता है क्योंकि वह उन राज्यों में शामिल है, जहां हॉकी काफी लोकप्रिय है।

गत विजेता युविका को हरा एलिजारासी 10 मीटर एयर पिस्टल में बनीं विजेता, मनु भाकर को मिला कांस्य

नई दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)। निशानेबाजी में गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर का दबदबा रहा। 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीएनडीयू की देवांशी धामा, खुशी तोमर, देवांशी की टीम ने एमडीयू रोहतक की भारती सिंह, शिखा नरवाल, साक्षी को पराजित किया। एशियाई खेलों की पदक विजेता मनु भाकर, युविका तोमर और शिखा नरवाल जैसी अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजों के बीच मद्रास यूनिवर्सिटी की एस एलिजारासी ने 10 मीटर एयर पिस्टल का स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली की कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर एलिजारासी (238.9) ने फाइनल में गत विजेता और बागपत की रहने वाली मां शाकंबरी यूनिवर्सिटी वाराणसी की युविका तोमर (237) को पराजित किया। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से खेल रहीं मनु भाकर ने 217.1 के स्कोर के साथ कांस्य जीता। वहीं जूनियर विश्व वेटलिफ्टिंग में रजत जीतने वाली हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी की वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने 49 भार वर्ग में 173 किलो वजन के साथ स्वर्ण जीता।

निशानेबाजी में मंगलवार को गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर का दबदबा रहा। 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीएनडीयू की देवांशी धामा, खुशी तोमर, देवांशी की टीम ने एमडीयू रोहतक की भारती सिंह, शिखा नरवाल, साक्षी को पराजित किया। चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी की पोशिका, बुलबुल सागर और हिमांशी कश्यप ने कांस्य पदक जीता। स्कीट में जीएनडीयू के अर्जुन ठाकुर ने 56 अंकों के साथ स्वर्ण और गुरनिहाल गारचा ने 53 अंकों के साथ रजत जीता। पीयू की पारिनाज धालीवाल और तवलीन गिल ने महिला वर्ग की इस इवेंट में स्वर्ण और रजत जीता।

ग्रेटर नोएडा में वेटलिफ्टिंग के 45 भार वर्ग में महात्मा गांधी काशी यूनिवर्सिटी की अंजलि पटेल ने 149 किलो वजन के साथ स्वर्ण। पुरुषों के 55 भार वर्ग में स्वामी रामानंद तीरथ यूनिवर्सिटी के आकाश गौड़ ने 228 किलो के साथ स्वर्ण जीता।

इंटरकांटिनेंटल कप: ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक ने खरीदा पहला टिकट, टूर्नामेंट में चार देश होंगे शामिल

भुवनेश्वर, 31 मई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन और भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमेक की उपस्थिति में भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने पहला टिकट मुख्यमंत्री को सौंपा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आगामी इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का पहला टिकट खरीदा है। यह टूर्नामेंट भुवनेश्वर में नौ से 18 जून तक खेला जाएगा। चार देशों के टूर्नामेंट में भारत, लेबनान, मंगोलिया और वानुअतु शामिल होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन और भारतीय फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमेक की उपस्थिति में भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने पहला टिकट मुख्यमंत्री को सौंपा। इससे पहले ओडिशा भुवनेश्वर और राउरकेला में इस साल हॉकी पुरुष विश्वकप की सफल मेजबानी कर चुका है।

तेलंगाना आंदोलन में सबसे आगे रहा सिद्दीपेट अब विकास में आगे : हरीश राव

सिद्दीपेट, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने सिद्दीपेट के अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से लोगों को तेलंगाना के दस वर्षीय स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनाने के लिए कहा। 2 जून से शुरू हो रहे 21 दिवसीय समारोह की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि सिद्दीपेट तेलंगाना राज्य के आंदोलन में सबसे आगे थे। उसी भावना को दिखाते हुए, राव ने कहा कि सिद्दीपेट विकास के लिए एक मॉडल बन गया है। उन्होंने कहा है कि तेलंगाना और देश के अन्य हिस्सों के अधिकारी और निर्वाचित प्रतिनिधि सिद्दीपेट शहर और निर्वाचन क्षेत्र के अन्य हिस्सों में सरकार द्वारा किए गए विभिन्न विकास कार्यों की जांच करने के लिए नियमित दौरे कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, तेलंगाना में हर कोई सिद्दीपेट में तेलंगाना के विकास को दोहराना चाहता था। यह कहते हुए कि सिद्दीपेट ने एक दशक के भीतर 100 साल के विकास को देखा है, राव ने अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को गठन दिवस समारोह के दौरान सरकार द्वारा किए गए कार्यों को लोगों तक ले जाने का सुझाव दिया है। उन्होंने यह भी विस्तार से बताया है कि एक दशक पहले बिजली की उचित आपूर्ति नहीं होने के कारण निर्वाचन क्षेत्र के लोग कैसे पीड़ित होते थे। राव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार ने चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति करके मुद्दों को खत्म कर दिया है। समारोह की दिन-प्रतिदिन की योजना के बारे में बात करते हुए उन्होंने सिंचाई दिवस पर सभी गांवों में सिंचाई टैंकों की विशेष व्यवस्था करने का सुझाव दिया है। मंत्री ने उन्हें लाभार्थियों का चयन करने के लिए कहा है, जो जाति-आधारित पेशे करने वाले लोगों को एक लाख रुपये का एकमुश्त लाभ देने के लिए हैं। कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल, अपर कलेक्टर मुजम्मिल खान, निर्वाचित प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

केकेआर ने आंध्र प्रदेश में बीजेपी को मजबूत करने का संकल्प लिया

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. किरण कुमार रेड्डी ने आज कहा कि वह आंध्र प्रदेश में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपने पूरे अनुभव का इस्तेमाल करेंगे। पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई के प्रमुख सोमू वीराराजू और राज्य के कार्यकारी सचिव मधुकर से मुलाकात के बाद यहां अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केकेआर ने कहा कि पार्टी आलाकमान उन्हें काम करने के लिए कहे या नहीं, वह काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह भाजपा में शामिल होने के बाद एक महीने के लिए अमेरिका गए थे। उन्होंने कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी के शासन पर प्रतिक्रिया देंगे। सोमू वीराराजू ने कहा कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की और आंध्र प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने राज्य में वर्तमान राजनीतिक स्थिति के बारे में भी बताया था और कहा कि उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री से विभिन्न मुद्दों पर सुझाव मिले थे।

बंडी संजय ने एआईएमआईएम को दी चुनौती

कहा, तेलंगाना के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ कर दिखाए एआईएमआईएम

करीमनगर, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने एआईएमआईएम पर हमेशा सत्ताधारी राजनीतिक दलों के साथ हाथ मिलाने का आरोप लगाया। पुराने शहर को छोड़कर, पार्टी के पास हैदराबाद के बाहर कोई ताकत नहीं थी, उन्होंने एमआईएम नेताओं को अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि दारुस्सलाम में बयान देने के बजाय, एमआईएम को राज्य के सभी क्षेत्रों में चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने भविष्यवाणी की कि एमआईएम उम्मीदवारों को पुराने शहर के बाहर चुनाव लड़ने पर जमा राशि भी नहीं मिलेगी। संजय कुमार ने बुधवार को करीमनगर में टीटीडी मंदिर के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह में भाग लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

भाजपा अध्यक्ष ने सवाल किया कि पुराना शहर नया शहर क्यों नहीं बन पाया, उद्योग क्यों नहीं लगे, स्थानीय युवाओं को नौकरी क्यों नहीं मिल रही है और युवाओं को पासपोर्ट क्यों नहीं मिल पा रहा है। पुराने शहर को छोड़कर, एमआईएमके पास हैदराबाद के बाहर कोई ताकत नहीं है। उन्होंने कहा और देखा कि ओवैसी के लिए सत्ताधारी दलों के साथ उनकी संपत्तियों की रक्षा के लिए हाथ मिलाना हमेशा एक नियमित अभ्यास बन गया है। एमआईएम ने समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर मुसलमानों का जीवन खराब कर दिया है।

यह बताते हुए कि मुसलमानों ने भी एमआईएम को खारिज करना शुरू कर दिया है, उन्होंने कहा कि समुदाय के लोग पार्टी के बारे में सोचने की स्थिति में नहीं हैं। सत्ता बरकरार रखने के लिए बीआरएस पार्टी एमआईएम और कांग्रेस पार्टियों को बढ़ावा दे रही थी। भाजपा को हराना तीन राजनीतिक दलों का एकल बिंदु एजेंडा है। संजय कुमार ने एमआईएम की टिप्पणियों की निंदा की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शमशाबाद में एक व्यवसायी के लिए घर का निर्माण किया। भाजपा नेता ने यह कहते हुए व्यंग्यात्मक टिप्पणी की कि हो सकता है कि आतंकवादी समूहों ने इसे ओवैसी को बताया हो और अगर अमित शाह उस घर का दौरा करते हैं तो वे इसे विस्फोट कर सकते हैं।

तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लेना दुर्लभ अवसर : पुव्वाड़ा

खम्मम, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने बुधवार को यहां कहा कि तेलंगाना राज्य गठन दिवस दशकीय समारोह में भाग लेना एक दुर्लभ अवसर है और सभी को समारोह में शामिल होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि जनता, अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को 2 जून से होने वाले उत्सव में कर्तव्यपरायणता से भाग लेना है, क्योंकि इस तरह के अवसर को मनाने में एक दशक और लग सकता है।

उन्होंने महापौर पी. नीरजा, जिला कलेक्टर वीपी गौतम और नगर आयुक्त आदर्श सुरभि के साथ खम्मम नगर निगम के अधिकारियों और नगरसेवकों के साथ बैठक कर निगम द्वारा आयोजित किए जाने वाले दशवार्षिक समारोह की व्यवस्था की समीक्षा की। देश के विभिन्न राज्यों की यात्रियों का एक दल हैदराबाद से चार धाम की यात्रा पर निकला। 26 मई को सुबह 6:00 बजे सिकंदराबाद स्टेशन से ट्रेन यात्रा शुरू की और दिल्ली पहुंच गए बस हरिद्वार पहुंच गए। इस दल में शामिल 27 सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता समाज सेवी व्यापारी वरिष्ठ पत्रकार महिला पुरुष शामिल है। इस चुनौतीपूर्ण यात्रा का पहला चरण टीम के सदस्यों ने देवभूमि उत्तराखंड में स्थित मां यमुनोत्री धाम से पूरा कर लिया। टीम के सदस्य विभिन्न स्थानों की यात्रा कर रहे हैं। कुल मिला जुला कर देवभूमि यात्रा अच्छी चल रही है। धामी सरकार ने पर्यटकों के चिकित्सा पेयजल की व्यवस्था कर रखी है।

रेल राज्य मंत्री ने जोनल कार्यनिष्पादन पर की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय, रेल निलयम, सिकंदराबाद का दौरा किया और जोन के कार्यनिष्पादन पर समीक्षा बैठक की। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे), आर. धनंजयलु, अपर महाप्रबंधक/दमरे, प्रमुख विभागाध्यक्षों, मंडल रेल प्रबंधकों तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

रावसाहेब दानवे ने विभिन्न सेक्टरों में चल रहे कार्यों की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सिकंदराबाद, तिरुपति और नेल्लूर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत जालना, नांदेड और

औरंगाबाद रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की। उन्होंने अब तक की गई प्रगति की सराहना की और अधिकारियों को परियोजनाओं को लक्ष्य तिथियों तक पूरा करने के लिए कार्यों में और तेजी लाने को कहा। मंत्री ने रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुख-सुविधाओं जैसे लिफ्ट, एस्केलेटर, पार्किंग सुविधाएं, गाड़ी डिस्प्ले बोर्ड, कोच डिस्प्ले बोर्ड आदि के प्रावधान की भी समिक्षा की. उन्होंने पदाधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे इन सेवाओं का उचित कार्यचालन सुनिश्चित करें तथा जोन पर स्वच्छता को बनाए रखने, हरित पर्यावरण और कार्य प्रणालियों के डिजिटलीकरण आदि की दिशा में और अधिक प्रयास करें।

इसके अलावा, माननीय राज्य मंत्री ने ज़ोन पर मंजूर किये गए और चालू किए गए निचले सडक पुलों (आरयूबी) और उपरी सडक पुलों (आरओबी) की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने लंबित कार्यों का आकलन किया और कार्यों में तेजी लाने तथा विलंब होने से बचने के लिए ठेकेदारों और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने जालना और औरंगाबाद रेलवे स्टेशनों पर कोच अनुरक्षण सुविधाओं (पिटलाइन) की व्यवस्था पर भी समीक्षा की. उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष अर्थत् 2023-24 के लिए लक्षित विद्युतीकरण कार्यों का आकलन किया और समय पर पूरा करने हेतु गति बनाए रखने के लिए कहा।

रावसाहेब दानवे ने 'एक स्टेशन एक उत्पाद' स्टॉलों के लागू करने पर जोन की सराहना की जिससे स्थानीय कारीगरों को व्यापार के अधिक अवसर मिल रहे हैं. उन्होंने मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी की राष्ट्रीय मास्टर योजना 'गति शक्ति' पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री के निदेशानुसार भारत रेल अवसंरचनात्मक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है. तदनुसार, भारतीय रेल अवसंरचना, विद्युतीकरण कार्य, कनेक्टिविटी और बेहतर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने में प्रगति कर रही है। इससे पहले, अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक ने पिछले वित्तीय वर्ष यानी 2022-23 के दौरान दमरे के कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी और चालू वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर भी विस्तार से सूचना दी और विभिन्न अवसंरचनात्मक विकास परियोजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

एक समारोह में एक-दूसरे से मिले बंडी व कविता, किया अभिवादन

निजामाबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) राजनीति में आग और नमक की तरह हैं। दोनों पार्टियों के नेता आए दिन एक-दूसरे पर तरह-तरह के आरोप लगाते रहते हैं। हालांकि, बुधवार को निजामाबाद शहर में एक अपेक्षित दृश्य सामने आया, जहां तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय और बीआरएस एमएलसी कविता को एक समारोह में एक-दूसरे को बधाई देते हुए देखा गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष बसवा लक्ष्मी नरसैय्या ने विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को उनके गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया। एमएलसी कविता और सांसद बंडी संजय के आमने-सामने मिलने और एक-दूसरे को बधाई देने के साथ, समारोह में शामिल अतिथि दोनों नेताओं को उत्सुकता से देखते रहे और कुछ देर के लिए खुशनुमा माहौल छा गया।

मेटपल्ली के व्यवसायी ने हैदराबाद में जीवन लीला समाप्त की

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपने कार्यकर्ता द्वारा की गई धोखाधड़ी से परेशान होकर मेटपल्ली के एक व्यापारी ने बुधवार को हैदराबाद में आत्महत्या कर ली। सब्बानी नरेश ने मेटपल्ली स्थित एक कमरे में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। नरेश ने अपने फैसले के कारणों को एक सेल्फी वीडियो में समझाया, जिसे उसने एक चरम कदम उठाने से पहले रिकॉर्ड किया था।

नरेश कथलपुर मंडल मुख्यालय में एक दोपहिया शोरूम चला रहा है, जिसमें प्रताप पिछले कुछ वर्षों से काम कर रहा था। शोरूम में लकी ड्रा भी संचालित किया गया था। नरेश ने अपने सेल्फी वीडियो में आरोप लगाया कि प्रताप, जिसने ग्राहकों से पैसे वसूल किए, ने ड्रॉ में वाहन जीतने वाले ग्राहकों को बाइक देने से मना कर दिया। यह बताते हुए कि प्रताप ने ग्राहक से 1.90 करोड़ रुपये लिए हैं, नरेश ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कितने ग्राहकों को बाइक सौंपी गई। हालाँकि वह एक शोरूम चला रहा था, लेकिन सारा लेन-देन प्रताप के नाम पर किया गया था क्योंकि बैंक खाते प्रताप के नाम पर थे। उस पर आरोप लगाने के अलावा, प्रताप ने यह कहते हुए उसके खिलाफ झूठा प्रचार किया कि वह कर्ज में डूबा हुआ है और आईपी डालने जा रहा है। प्रताप चार दिनों के भीतर खातों के निपटारे के लिए वकील के पास आने के लिए तैयार हो गए, लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी वह नहीं निकला। प्रताप द्वारा उनके खिलाफ किए गए झूठे प्रचार के कारण वे अपने मूल स्थान का दौरा करने में असमर्थ थे। इसलिए उसने जीवन को समाप्त करने का फैसला किया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आज से

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए 1 जून से 15 दिनों के लिए टीएस ई-पास पोर्टल पर पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (पीएमएस) की नई मंजूरी और नवीनीकरण के लिए छात्रों का ऑनलाइन पंजीकरण शुरू करने का फैसला किया। सरकार ने विभिन्न कारणों से टीएस ई-पास पोर्टल में पीएमएस के लिए आवेदन नहीं करने वाले पात्र उम्मीदवारों को पंजीकरण के लिए सक्षम करने का निर्णय लिया।

राज्य में सभी पात्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बीसी, ईबीसी, अल्पसंख्यक और शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। एससी कल्याण विभाग ने सभी नियामक प्राधिकरणों और कॉलेज प्रबंधन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ई-पास में पंजीकरण करने के इच्छुक सभी कॉलेज और छात्र 1 जून से 15 जून के बीच सभी डेटा अपलोड करें। पंजीकरण और विवरण के लिए वेबसाइट https://telanganaepass.cgg.gov.in पर जाएं।

कांग्रेस ने बीआरएस सरकार पर अल्पसंख्यक कल्याण की उपेक्षा का आरोप लगाया

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नौ साल के शासन के दौरान सत्तारूढ़ पार्टी पर लगातार उपेक्षा और विफलता का आरोप लगाते हुए अल्पसंख्यक कल्याण से निपटने वाली बीआरएस सरकार पर तीखा हमला किया है।

ये आरोप बुधवार को गांधी भवन स्थित इंदिरा भवन में आयोजित तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अल्पसंख्यक विभाग की विशेष कार्यकारिणी बैठक के दौरान लगाए गए। एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, नलगोंडा के सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी, टीपीसीसी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला सोहेल और कई वरिष्ठ नेता।

बैठक के दौरान, राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण को बनाए रखने में बीआरएस सरकार की कथित विफलताओं को रेखांकित करते हुए एक चार्जशीट जारी की गई। एक ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डालती है। कांग्रेस ने कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जहां उनका मानना है कि बीआरएस सरकार कम हो गई है, जिसमें बेरोजगारी, आवास, शिक्षा, उर्दू भाषा, शादी मुबारक, धार्मिक संरचनाओं की सुरक्षा, बढ़ती अपराध दर, वक्फ संपत्तिया, अल्पसंख्यक कल्याण बजट और शीर्ष पदों में मुस्लिम प्रतिनिधित्व में कमी शामिल है।

कांग्रेस ने अल्पसंख्यक युवाओं के बीच बेरोजगारी दर के बारे में चिंता जताई, उन्होंने अनुमानित 15 लाख ऋण जारी करने और नौकरी देने में प्रणालीगत भेदभाव का आरोप लगाया, विशेष रूप से हैदराबाद के पुराने शहर के मुस्लिम उम्मीदवारों को प्रभावित किया। पार्टी ने सुधीर आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए पर्याप्त आवास आवंटन की कमी पर भी जोर दिया, जिसमें कहा गया है कि तेलंगाना में 43% मुसलमान किराए के घरों में रहते हैं और 1,000 से कम परिवारों को 2बीएचके आवास योजना के तहत वादा किए गए 10% आवंटन से लाभ हुआ है।

शिक्षा के मोर्चे पर, कांग्रेस ने 80% से अधिक अल्पसंख्यक संस्थानों को बंद करने और मुस्लिम छात्रों के लिए छात्रवृत्ति या शुल्क प्रतिपूर्ति की अनुपस्थिति का खुलासा किया। उन्होंने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में सैकड़ों सरकारी स्कूलों के बंद होने पर भी चिंता जताई। पार्टी ने बीआरएस सरकार पर दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता के बावजूद उर्दू भाषा की उपेक्षा करने का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप उर्दू अधिकारियों और अनुवादकों की सीमित नियुक्तियां हुईं और उर्दू अकादमी की शिथिलता रही।

शादी मुबारक योजना के संबंध में भी आरोप लगाए गए हैं, जिसमें दावा किया गया है कि विवाहों के लिए वित्तीय सहायता के लिए हजारों आवेदन लंबित हैं, जिससे गरीब परिवारों को कठिनाई हो रही है जो वर्षों से अपनी जांच का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने पुराने सचिवालय परिसर में दो सहित छह मस्जिदों के विध्वंस और उनके पुनर्निर्माण में विफलता के बारे में चिंता व्यक्त की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सरकारी स्कूलों में नामांकन दर बढाने की पहल शुरू, बड़ी बाटा 3 जून से

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में बच्चों का विशेष नामांकन अभियान के तहत 3 जून से 17 जून के बीच स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रो. जयशंकर बड़ी बाटा कार्यक्रम चलाया जाएगा।

प्रो जयशंकर बड़ी बाटा सभी बस्तियों में बच्चों की पहचान करेंगे और उन्हें नजदीकी स्कूलों में दाखिला दिलाएंगे। इस पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ाना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना भी है। बड़ी बाटा पहल के कुछ अन्य उद्देश्यों में सामुदायिक भागीदारी के समर्थन से सरकारी स्कूलों को मजबूत करना, पास के आंगनवाड़ी केंद्रों से 5 साल के बच्चों की पहचान करना और उन्हें सरकारी स्कूलों में शामिल करना, ग्राम शिक्षा रजिस्टर को अपडेट करना, ऐसे बच्चों का नामांकन शामिल है जिनके पास उच्च प्राथमिक विद्यालय/हाईस्कूल में 5वीं कक्षा पूर्ण करने वाले एवं 7वीं, 8वीं कक्षा पूर्ण करने वाले बच्चों का नामांकन शत प्रतिशत सुनिश्चित करना शामिल हैं।

बड़ी बाटा पहल के हिस्से के रूप में, नामांकन अभियान 3 जून से 9 जून के बीच आयोजित किया जाएगा, इसके बाद 12 जून को माना ओरू मन बड़ी/मन बस्ती मन बड़ी कार्यक्रम, 13 जून को फाउंडेशन साक्षरता और न्यूमेरसी (तोलिमेट्टु) और जून को सामूहिक अक्षरभ्यासम आयोजित किया जाएगा। 14, 15 जून को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और स्कूल से बाहर के बच्चों का नामांकन, 16 जून को स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा पर जागरूकता अभियान और 17 जून को बालिका शिक्षा और कैरियर मार्गदर्शन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खैरताबाद में गणेश प्रतिमा बनाने के लिए हुई पूजा

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्जला एकादशी के अवसर पर खैरताबाद में भगवान गणेश की प्रसिद्ध मूर्ति बनाने के लिए आज पूजा की गई। पूजा के साथ ही भगवान गणेश की मूर्ति बनाने का काम शुरू हो गया। इस साल भगवान गणेश की 61 फीट ऊंची मिट्टी की मूर्ति स्थापित की जाएगी। खैरताबाद गणेश उत्सव समिति ने कहा कि अगले सप्ताह भगवान गणेश का एक पोस्टर जारी किया जाएगा। तेलंगाना में विनायक चतुर्थी का त्योहार भव्य तरीके से मनाया जाता है। जब भी हर साल विनायक चतुर्थी होती है तो राज्य के लोगों को हैदराबाद के खैरताबाद गणेश की याद आती है। खैरताबाद के महागणपति भक्तों को विभिन्न रूपों में प्रकट होते हैं और उन्हें प्रभावित करते हैं। इस साल भी वह भक्तों को आशीर्वाद देने की तैयारी कर रहे हैं। खैरताबाद महागणपति इस बार सरकारी नियमानुसार मिट्टी से बनेगा। पिछले साल भी आयोजकों ने मिट्टी से बनी श्री पंचमुखा महालक्ष्मी गणपति की 50 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित की थी।

करीमनगर में रखी गई टीटीडी मंदिर की नींव

करीमनगर, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के निर्माण की नींव बुधवार सुबह यहां पद्मनगर में रखी गई। बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकरके साथ टीटीडी के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी, टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार, राज्यसभा सांसद दिवाकोंडा दामोदर राव, टीटीडी स्थानीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष भास्कर राव ने मंदिर की नींव रखी।

वैदिक भजनों के बीच, टीटीडी के पुजारियों ने पद्मनगर में विभिन्न अनुष्ठानों का पालन करते हुए शिलान्यास किया, जहां वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के निर्माण के लिए 10 एकड़ भूमि निर्धारित की गई थी। इस अवसर पर बोलते हुए, कमलाकर ने करीमनगर में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के निर्माण के शिलान्यास समारोह का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जब स्थानीय जनप्रतिनिधि ने मंदिर निर्माण प्रस्ताव को अपने संज्ञान में लिया, तो मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने तुरंत एपी सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी को एक पत्र लिखा और पद्मनगर में 10 एकड़ जमीन आवंटित की।

मंदिर निर्माण के लिए जुलूस की शुरुआत एपी सीएम के नोड देने के साथ हुई है। यह बताते हुए कि टीटीडी 20 करोड़ रुपये आवंटित करेगा, उन्होंने कहा कि शेष राशि का योगदान भक्तों द्वारा किया जाएगा। टीटीडी के अध्यक्ष ने बताया कि उनके सीएम जगन मोहन रेड्डी ने चंद्रशेखर राव द्वारा की गई पहल के साथ मंदिर के निर्माण के लिए सहमति व्यक्त की। कमलाकर के अलावा, विनोद कुमार, भास्कर राव और दामोदर राव ने भी मंदिर के लिए अनुरोध किया।

यह बताते हुए कि टीटीडी मंदिर के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये आवंटित करेगा, उन्होंने कहा कि करीमनगर मंदिर में सभी अनुष्ठान तिरुमाला की तर्ज पर होंगे। टीटीडी के पुजारी करीमनगरमें रहेंगे और प्रसादम भी यहीं तैयार किए जाएंगे। विधायक रसमई बालकिशन और सुंके रविशंकर, एमएलसी भानु प्रसाद राव और पड़ी कौशिक रेड्डी, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष एस रविंदर सिंह, फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष अनिल कुरमाचलम, जिला पंचायत अध्यक्ष कनुमाल्ला विजया, करीमनगर के मेयर वाई सुनील राव और अन्य उपस्थित थे।

सीएस ने किया स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण

हैदराबाद, 31 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य गठन दिवस समारोह के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल बुधवार को सचिवालय में आयोजित की गई। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने पुलिस और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सचिवालय परिसर का दौरा किया और परेड में हिस्सा लिया। उन्होंने इस अवसर के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को कुछ सुझाव दिए।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव सुबह 10.30 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और विभिन्न मुख्यालयों के कर्मचारी समारोह में भाग लेंगे। उन्होंने अधिकारियों को बैठने की उचित व्यवस्था करने और पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। पुलिस को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि एक उचित यातायात प्रबंधन किया जाए ताकि आम लोगों को कोई असुविधा न हो। इस अवसर परअतिरिक्त डीजी स्वाति लाकड़ा, सचिव आर एंड बी श्रीनिवास राजू, विशेष आयुक्त आई एंड पीआर अशोक रेड्डी, एचएमडब्ल्यूएसएसबी के एमडी दानकिशोर, अतिरिक्त सचिव प्रोटोकॉल अरविंदर सिंह और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.